{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 25 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 05
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,828.25
निफ्टी	-	23,446.80
सोना	-	1,63,061
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	95.78

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

मुश्ताक खान का निधन

नई दिल्ली। बालाघाट जिले के बैहर निवासी मुश्ताक खान लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। उनकी हालत काफी गंभीर थी और वह कैंसर की आखिरी स्टेज में थे। मुश्ताक खान का मुंबई के नानावती अस्पताल में इलाज चल रहा था। यहीं उन्होंने आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार मुंबई में ही किया जायेगा। मुश्ताक खान का जन्म 31 दिसम्बर 1959 को मध्य प्रदेश के बालाघाट के बैहर में हुआ था। मुश्ताक ने कम उम्र से ही लोगों का मनोरंजन करना शुरू कर दिया। बचपन में इन्हें जब रामलीला में काम करने का मौका मिलता तो ये पूरी जान लगा दिया करते। फिर कॉलेज में भी इन्होंने नाटकों में काम किया। मुश्ताक खान के करीबी दोस्त और कॉमेडियन सुनील पाल ने मुश्ताक खान के निधन की पुष्टि की। मुश्ताक खान ने 'सड़क', 'दिल है कि मानता नहीं', 'साथी', 'आशिकी', 'जुनून' आदि टीवी शोज में भी नजर आ चुके हैं।

हाईकोर्ट ने दी वकीलों को अनोखी सजा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक मामले में पहले लगाई गई 50 हजार रुपए की लागत को माफ करने के लिए याचिकाकर्ता के वकीलों के सामने शर्त रखी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सभी कर्मचारियों को चाय और समोसे बांटे जाएं। यह निर्देश जस्टिस सौरभ बनर्जी ने 17 सितंबर को दिए। कोर्ट ने वकीलों को इस निर्देश का पालन एक सप्ताह के अंदर करने को कहा था। मामला याचिकाकर्ता कंपनी इंडस बिर्ला बेवरेजेस और उसके अधिकारियों से जुड़ा चेक बाउंस केस था।

छगन भुजबल को कलिना लाइब्रेरी जमीन मामले में भी राहत

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता छगन भुजबल को गुरुवार को कलिना लाइब्रेरी से जुड़े भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के आखिरी मामले में भी बरी कर दिया गया। विशेष अदालत ने मामले में भुजबल के अलावा कुछ अन्य आरोपियों को भी दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने माना कि मामले में कोई अवैध आर्थिक लाभ नहीं हुआ और न ही 'क्रिड प्रो क्वो' यानी किसी लाभ के बदले किसी तरह का अनुचित लेन-देन साबित हुआ। मामला मुंबई

कुछ ना कहना

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ फिर महाभियोग प्रस्ताव की तैयारी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर विपक्ष एक बार फिर संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों के बीच इस मुद्दे पर सहमति बनने की बात सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया जा रहा है और इसे अगले सप्ताह लोकसभा और राज्यसभा में पेश किया जा सकता है।

यह कदम चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों को लेकर सामने आई एक रिपोर्ट के बाद उठाया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 मौकों पर चुनाव आयोग के फैसलों और आदेशों को लेकर आपत्तियां दर्ज की थीं। इनमें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर, मतदाताओं के नाम जोड़ने-हटाने और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों व आंकड़ों के इस्तेमाल जैसे मुद्दे शामिल थे।

विपक्ष ने इन रिपोर्टों को ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई के लिए नया आधार बताया है। इससे पहले 24 अप्रैल को 73 विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में उनके खिलाफ हटाने का नोटिस दिया था, जो अभी लंबित बताया जा रहा है। इससे पहले मार्च में दिया गया एक नोटिस दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया था।

हालांकि, चुनाव आयोग ने अधिकारियों के बीच मतभेद को असामान्य नहीं माना है। आयोग का कहना है कि अलग-अलग सुझाव और टिप्पणियां किसी भी संस्थागत निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा होती हैं और एसआईआर से जुड़े अंतिम फैसले आयोग की स्थापित प्रक्रिया के तहत लिए गए हैं।

कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और उनकी गिरफ्तारी की मांग कर 25 सितंबर को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने अपनी प्रदेश इकाइयों से कहा है कि वे अपने-अपने राज्य चुनाव आयोग कार्यालयों तक विरोध मार्च निकालें। यह विरोध प्रदर्शन चुनावी रोल की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) और चुनाव आयोग के भीतर उठे आंतरिक विवादों को लेकर छेड़ा गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को 25 सितंबर को बड़े विरोध मार्च निकालने के निर्देश दिए हैं। पार्टी ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में लिए गए फैसलों और चुनावी रोल में किए गए बदलावों की स्वतंत्र और व्यापक समीक्षा की मांग कर रही है। राहुल गांधी ने मुद्दे पर न्याय की बात कही है। कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन का अगला चरण 28 सितंबर को रखा है, जिसमें सभी जिला कांग्रेस कमेटियां अपने-अपने जिला कलेक्टर कार्यालय तक मार्च निकालेंगी। पार्टी ने कहा है कि उसकी मांगों पर कार्रवाई होने तक विरोध जारी रहेगा।

ज्ञानेश कुमार को बीजेपी में शामिल हो जाना चाहिए

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया है। उन्होंने गुरुवार (24 सितंबर) को दिल्ली में एक प्रेसवार्ता में कहा कि ज्ञानेश कुमार तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें, अन्यथा देशव्यापी आंदोलन शुरू होगा, इस आंदोलन को जंतर मंतर पार्ट 2 कहा गया है। दीपके ने चुनाव आयोग और एसआईआर (एसआईआर) को लेकर चल रहे विवाद के बीच ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाकर उन्हें देश का सबसे बड़ा गद्दार और भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। दीपके ने सवाल उठाया कि जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, केंद्र सरकार यह तय कर रही है कि कौन मतदान करेगा और कौन नहीं, जो लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के पूरी तरह से खिलाफ है। प्रेसवार्ता में मौजूद सीजेपी के अन्य नेताओं, सौरव दास और आशुतोष रांका ने मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने, उनके पीछे के आदेश देने वालों की पहचान उजागर करने, एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोकने और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मौजूदा कानून को बदलने की मांग की। दीपके ने अपने आरोपों के समर्थन में आंकड़े पेश किए। उन्होंने दावा किया कि ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में महाराष्ट्र में 2 करोड़ से अधिक, उत्तर प्रदेश में भी 2 करोड़ से अधिक, पश्चिम बंगाल में 90 लाख, दिल्ली में 47 लाख, केरल में 24 लाख, तमिलनाडु में 97 लाख, कर्नाटक में 1 करोड़ और तेलंगाना में 73 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए हैं।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया : मतदाता सूचियाँ विकेन्द्रीकृत, ईआरओ के अधिकार सुरक्षित

नई दिल्ली। मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया के केंद्रीकरण और निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारियों (ईआरओ) की भूमिका को लेकर उठ रहे सवालों के बीच, चुनाव आयोग (ईसीआई) ने साफ कर दी है। आयोग के सूत्रों ने कहा है कि हर राज्य का चुनावी डेटाबेस पहले की तरह ही विकेन्द्रीकृत है, और ईआरओ के सभी वैधानिक तथा प्रक्रियात्मक अधिकार पूरी तरह से सुरक्षित हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि मतदाता सूची तैयार करने की मौजूदा व्यवस्था लागू कानूनों और आयोग के निर्देशों के अनुरूप ही संचालित हो रही है। उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट और अंतिम मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं के सत्यापन की पूरी प्रक्रिया संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ द्वारा अपने स्तर पर पूरी की गई है। इसके अतिरिक्त, मतदाता सूची तैयार करने और सत्यापन से जुड़ी यह पूरी प्रक्रिया संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) की कड़ी निगरानी में पूरी हुई है। सूत्रों ने स्पष्ट किया कि किसी भी राज्य की मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया को केंद्रीकृत करने का दावा गलत है, बल्कि राज्यों का चुनावी डेटाबेस पहले की तरह ही विकेन्द्रीकृत है, जिसमें संबंधित ईआरओ अपने वैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हैं। ईसीआईएनईटी (ईसीआईएनईटी) प्लेटफॉर्म को लेकर चुनाव आयोग ने स्थिति स्पष्ट की। सूत्रों के अनुसार, ईसीआईएनईटी को लागू कानूनों और चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देशों के पूर्ण अनुपालन में ही लागू किया गया है। आयोग पहले भी कई मौकों पर इस संबंध में स्थिति साफ कर चुका है। उन्होंने बताया कि यह प्लेटफॉर्म लागू वैधानिक और नियामक प्रावधानों के तहत ही विकसित और संचालित होता है, जिसमें मतदाता सूची से जुड़े कामकाज के लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया है। ईआरओ के मतदाता सूची तक पहुंच और उनके अधिकारों पर रोक लगाए जाने की बातों को भी सूत्रों ने सिरे से खारिज किया।

ज्ञानेश कुमार ने नहीं माना आदेश, वकील ने सरकार से कार्यवाही करने की मांगी मंजूरी

नई दिल्ली। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर हंगामा मचा हुआ है। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने वाला है। सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने भारत के अटॉर्नी जनरल से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मंजूरी मांगी है। वकील का आरोप है कि उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के कामकाज से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के फैसलों की जानबूझकर अनदेखी की है। वकील ने गुरुवार को अटॉर्नी जनरल को लिखे पत्र में कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट्स एक्ट के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना ??कार्यवाही को तय करने वाले नियम का हवाला दिया है।

वकील का कहना है कि टीएन शेषन बनाम भारत सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का ज्ञानेश कुमार ने उल्लंघन किया है। फैसले के मुताबिक चुनाव आयोग को कई सदस्यों वाली संवैधानिक संस्था के तौर पर काम करना चाहिए और मुख्य चुनाव आयुक्त का पद बराबर अधिकार वालों में सबसे आगे होता है न कि पूरी तरह से सर्वेसर्वा। टीएन शेषन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सीईसी को संस्था से ज्यादा ताकतवर नहीं दिखाया जा सकता और कई सदस्यों वाले चुनाव आयोग के फैसले आयोग के फैसले होते हैं, न कि उसके चेयरमैन के।

उन्होंने एक और केस का हवाला दिया है। अनूप बरनवाल बनाम भारत सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2023 के फैसले में चुनाव आयोग से जुड़े संवैधानिक ढांचे पर बात की गई थी। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र चुनाव आयोग के महत्व पर जोर दिया गया था। फैसले में चुनाव आयोग को एक ऐसी संस्था बताया गया था जिसे निष्पक्ष, पारदर्शी और बिना किसी भेदभाव के चुनाव कराने का काम सौंपा गया है। वकील ने आरोप लगाया कि पूर्ण आयोग के नाम पर फैसले या सूचनाएं जारी करते समय अन्य चुनाव आयुक्तों को नजरअंदाज करना संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट द्वारा घोषित कानून की जानबूझकर अवहेलना होगी।

बता दें एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में कहा गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 मौकों पर चुनाव आयोग द्वारा उनकी जानकारी या मंजूरी के बिना लिए गए फैसलों पर आपत्ति जताई थी। रिपोर्ट के मुताबिक ये आपत्तियां फॉर्म 6 में बदलाव, मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने के साथ-साथ मतदाता सूची डेटाबेस तक पहुंच को सीमित करने से जुड़ी थीं।

टीएमसी नाम-चिन्ह विवाद- कब तक होगा फैसला, समय बताएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर जारी विवाद पर फैसला लेने के लिए समय सीमा बताने को कह दिया है। चुनाव आयोग ने पार्टी के चुनाव चिन्ह और नाम को फ्रीज किया था, इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस निर्णय को चुनौती देकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

शीर्ष अदालत मामले पर 28 सितंबर को अगली सुनवाई करेगी। ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग के अंतरिम निर्णय को चुनौती दी है, जिसके तहत उनकी पार्टी को नया नाम ममता टीएमसी और फुटबॉल प्लेयर का चुनाव चिह्न आवंटित किया है। ममता गुट का तर्क है कि यदि चुनाव चिह्न पर जल्द अंतिम फैसला नहीं लिया गया, तब नवंबर में होने वाले निगम चुनाव प्रभावित हो सकते है।

ममता बनर्जी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ के समक्ष दलील दी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य चुनाव रोकना नहीं है, बल्कि पार्टी के मूल नाम और चुनाव चिह्न को बनाए रखना है, क्योंकि यह उनके अस्तित्व का सवाल है। ममता के वकील सिब्बल ने आयोग के चुनावी प्रक्रिया के बीच प्रतीक चिह्न फ्रीज करने को एक नई मिसाल बताकर कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगा, तब भविष्य में भी चुनाव आयोग ऐसा कर सकता है। इस पर जस्टिस बागची ने सुझाव दिया कि निर्वाचन आयोग को इस मसले का शीघ्र निर्णय करना

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला- हत्या के दोषी को उम्रकैद, सत्र अदालत नहीं लगा सकती पूरी जिंदगी जेल में रखने की शर्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के मामलों में उम्रकैद की सजा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि सत्र अदालत किसी दोषी को उम्रकैद की सजा देते समय यह निर्देश नहीं दे सकती कि उसे जीवनभर जेल में रखा जाए और उसे कानूनी रूप से उपलब्ध सजा में छूट या सजा कम करने के प्रावधानों का लाभ न मिले। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने स्पष्ट किया कि उम्रकैद का सामान्य अर्थ दोषी के प्राकृतिक जीवन के शेष हिस्से तक कारावास है, लेकिन यह लागू कानूनी प्रावधानों के तहत मिलने वाली सजा में छूट और सजा कम करने की व्यवस्था के अधीन रहता है। सत्र अदालत इन वैधानिक शक्तियों को समाप्त नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी ऐसे मामले में की, जिसमें एक महिला और उसकी दो छोटी बेटियों की हत्या के मामले में दोषियों को सजा सुनाई गई थी। शीर्ष अदालत ने सत्र अदालत द्वारा पूरी जिंदगी बिना वैधानिक छूट के जेल में रखने की शर्त को हटाते हुए दोनों दोषियों को 25 साल के कठोर कारावास की सजा दी। दोषसिद्धि बरकरार रखी गई। अदालत ने कहा कि बिना छूट वाली विशेष श्रेणी की उम्रकैद की सजा देने का अधिकार संवैधानिक अदालतों के पास है, सत्र अदालत के पास नहीं। इस फैसले से हत्या के मामलों में सजा तय करने और वैधानिक छूट के अधिकार को लेकर स्थिति स्पष्ट हुई है।

राममंदिर के बाद अब सबरीमाला मंदिर में चोरी, असली की जगह नकली मुकुट रखा मिला

तिरुवनंतपुरम। सबरीमाला मंदिर में एक बार फिर सोने के आभूषण को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। सन्निधानम के स्ट्रॉन्ग रूम में रखा 446 ग्राम का सोने का मुकुट गायब मिला है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि वहां असली मुकुट की जगह नकली मुकुट रखा मिला यानी किसी ने सिर्फ सोना गायब नहीं किया बल्कि असली गहने को हटाकर उसकी जगह दूसरा मुकुट रख दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले का खुलासा तब हुआ जब मंदिर के पवित्र आभूषणों की गिनती और जांच चल रही थी। यह जांच हाईकोर्ट के निर्देश पर जस्टिस के टी शंकरन की अगुवाई में हो रही है। जांच में मुकुट को लेकर यह बड़ा अंतर सामने आया। अब सुरक्षा व्यवस्था से लेकर उस दौरान जिम्मेदार रहे अधिकारियों और कर्मचारियों तक पर सवाल उठ रहे हैं। यह मुकुट साल 2012 में तमिलनाडु के भक्तों ने सबरीमाला मंदिर में अर्पित किया था। इसे सन्निधानम से आरणमुला के मुख्य स्ट्रॉन्ग रूम में भेजा जाना था, लेकिन मुकुट को ऐसी जगह रखा गया जहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी नहीं थी।

अब जांच में सामने आया है कि स्ट्रॉन्ग रूम में मौजूद मुकुट नकली है। इसी जांच में आरणमुला देवस्वोम के स्ट्रॉन्ग रूम से चार ग्राम की सोने की माला भी गायब मिली। एक तरफ सोने का मुकुट गायब है और दूसरी तरफ सोने की माला भी नहीं मिल रही। ऐसे में जांच का दायरा बढ़ना तय माना जा रहा है। देवस्वोम बोर्ड ने भी सुरक्षा चूक समेत सभी पहलुओं की जांच की बात कही है। सन्निधानम के स्ट्रॉन्ग रूम में 446 ग्राम का सोने का मुकुट रखा था। जांच के दौरान पता चला कि असली मुकुट वहां नहीं है। उसकी जगह नकली मुकुट रखा था। जांच टीम ने गिनती और सत्यापन के दौरान इस अंतर को पकड़ा।

हाईकोर्ट के निर्देश पर मंदिर के तिरुवाभरणों की गिनती और जांच चल रही है। इसी दौरान असली मुकुट की जगह नकली मुकुट रखे होने की

आईआईटी-बॉम्बे ने छात्र की मौत के बाद मिड-सेमेस्टर परीक्षाएं स्थगित कीं

मुंबई। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), बॉम्बे ने दूसरे वर्ष के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के कारण अपनी मिड-सेमेस्टर परीक्षाओं को स्थगित किया है। ये परीक्षाएं, जो पहले 26 और 27 सितंबर को होनी थीं, अब 10 और 11 अक्टूबर को आयोजित होंगी। संस्थान ने घोषणा की है कि नई तारीखों पर होने वाली परीक्षाओं का टाइम-टेबल वहीं रहेगा। यह निर्णय साहिल की कथित आत्महत्या के बाद हुए विरोध-प्रदर्शनों के कुछ दिनों बाद आया है, हालांकि पवई कैंपस में कक्षाएं फिर से शुरू हो चुकी हैं।

इस बीच, साहिल के परिवार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का समर्थन मिला है, जिन्होंने राहुल गांधी से फोन पर बात की और न्याय की लड़ाई में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। राहुल गांधी की महाराष्ट्र कांग्रेस इकाई ने इसकी जानकारी दी। साहिल की मौत के बाद उनके परिवार ने आईआईटी-बॉम्बे प्रशासन और कुछ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनकी जांच मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। मुंबई पुलिस ने स्पष्ट किया कि वाकोडे की मौत की जांच निष्पक्ष रूप से की जा रही है और सभी संभावित पहलुओं को खंगाला जा रहा है। पुलिस ने लोगों से संवेदनशील मामले में गलत जानकारी न फैलाने की भी अपील की है। सूत्रों के अनुसार, वाकोडे की मौत के मामले में नाम आने के बाद आईआईटी-बॉम्बे के प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को जांच पूरी होने तक छुट्टी पर भेजा गया है।

35 यात्रियों से भरी बस में लगी आग, 9 की जलकर मौत

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर बुधवार की रात एक चलती स्लीपर एसी बस में अचानक आग लग गई, जिससे एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में 9 यात्रियों की जिंदा जलकर मौत हो गई है। बस में सवार कई यात्रियों ने खिड़की से कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि कुछ घायल हो गए जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह बस यात्रियों को लेकर नोएडा से महोबा जा रही थी। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि घायलों को समुचित इलाज किया जाएगा और उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की सहायता राशि देने का ऐलान किया है।

जेवर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, यह हादसा रात करीब 12:00 बजे दयानतपुर गांव के समीप हुआ। एक्सप्रेस-वे पर देखते ही देखते चलती बस आग का गोला बन गई। बस में आग लगने पर यात्रियों में चीख पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल हो गया। 9 यात्रियों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि कुछ लोगों ने खिड़की से बाहर कूद कर अपनी जान बचाई। कई यात्री हादसे में जख्मी हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाया और पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। बस में आग लगने के सही कारण का पता लगाया जा रहा है।

हादसे की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। यह बस राज कल्पना ट्रैवल्स की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 30 से 35 लोग सवार थे। एक महिला यात्री ने भयावह मंजर को याद करते हुए बताया, मैं सो रही थी तभी किसी ने दरवाजा खटखटाया। जब मैं जागी तो वहां पहले से ही बहुत भीड़ थी। मैंने अपना कोई सामान नहीं उठाया, यहां तक कि जूते भी नहीं पहने। बस अपना फोन लिया और बाहर निकल आई। इतनी भीड़ थी कि लोग एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे। मुझे भी धक्के लगे और आखिरकार किसी ने मुझे बाहर खींच लिया। उसके बाद मुझे कुछ भी याद नहीं। चारों तरफ धुआं ही धुआं था। अफरा-तफरी मची हुई थी और बाहर निकलना बहुत मुश्किल था। इतना धुआं था कि कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। लोग अंदर दम घुटने से परेशान थे। महिला यात्री ने आगे बताया कि बहुत कम लोग ही बच पाए, सिर्फ वही जो धक्का-मुक्की के बीच रास्ता बनाकर निकल सके।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रेटर नोएडा में हुई इस सड़क दुर्घटना का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, सीएम ने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना

बैंक हड़ताल से पहले रविवार को खुलेगी बैंक शाखाएं, ग्राहकों को मिलेगा अतिरिक्त दिन

पटना। बिहार समेत देशभर के बैंक ग्राहकों के लिए राहत की खबर है। सितंबर के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रविवार, 27 सितंबर को भी बैंक शाखाएं खोलने का निर्देश दिया है। इस दिन सभी बैंक शाखाएं सामान्य रूप से संचालित रखने की व्यवस्था की गई है, ताकि ग्राहक संभावित हड़ताल से पहले अपने जरूरी बैंकिंग कार्य निपटा सकें। प्रस्तावित बैंक हड़ताल 28 से 30 सितंबर तक बताई गई है। लगातार तीन दिनों तक बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए आरबीआई ने 27 सितंबर, रविवार को विशेष रूप से बैंक शाखाओं का संचालन जारी रखने का फैसला किया है। आरबीआई के मुख्य महाप्रबंधक शिवाजी राधाकृष्णन की ओर से इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और प्रमुख बैंकों को इस संबंध में पत्र भेजा गया है। निर्देश के तहत रविवार को बैंक शाखाओं के अलावा एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट को भी संचालित रखने को कहा गया है। विशेष परिचालन के दौरान संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है।

ग्राहकों को मिलेगा जरूरी काम निपटाने का मौका

रविवार को बैंक खुलने से उन ग्राहकों को विशेष सुविधा मिल सकती है, जिन्हें नकद जमा या निकासी, चेक से संबंधित कार्य अथवा अन्य जरूरी बैंकिंग सेवाओं के लिए शाखा जाना है। खासकर ग्रामीण और छोटे शहरों में बड़ी संख्या में ग्राहक अब भी कई बैंकिंग कार्यों के लिए शाखाओं पर निर्भर हैं। आरबीआई की यह व्यवस्था ग्राहकों को हड़ताल से पहले बैंकिंग संबंधी जरूरी काम पूरा करने का अतिरिक्त अवसर देगी।

गुजरी बाजार की अव्यवस्थाओं पर नगर पालिका और व्यापारियों की हुई बैठक

अतिक्रमण से पार्किंग तक पर बनी रणनीति, दुकानें बंद होने से पहले उठेगा कचरा, दुकानों के लिए तय होगी लाइन, 15 से 20 दिन में बैठक कर समस्याओं के निराकरण का फैसला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के झूलेलाल गुजरी बाजार में लंबे समय से चली आ रही अतिक्रमण, साफ-सफाई, पार्किंग और आवागमन से जुड़ी समस्याओं को लेकर अब नगर पालिका और स्थानीय व्यापारियों के बीच समाधान की कवायद शुरू हो गई है। बीते कुछ दिनों से मुख्य मार्ग पर दुकानें लगने और सामान फैलाए जाने के कारण व्यापारियों के साथ आम लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी को लेकर 24 सितंबर को पुराने राम मंदिर में नगर पालिका अध्यक्ष, जनप्रतिनिधियों और गुजरी बाजार के व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बाजार की व्यवस्थाओं को सुधारने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में झूलेलाल गुजरी बाजार के बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी और व्यवसायी मौजूद रहे। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति वकील वाधवा सहित अन्य सभापतियों के अलावा नगर पालिका की राजस्व और स्वच्छता शाखा के अधिकारी-कर्मचारी भी बैठक में शामिल हुए। व्यापारियों ने बाजार की समस्याओं को सामने रखते हुए बताया कि नियमित सफाई और कचरा उठाव नहीं होने से परेशानी होती है। इसके अलावा दुकान लगाने की जगह, सड़क पर अतिक्रमण, वाहनों की पार्किंग और आवागमन बाधित होने जैसी समस्याएं भी लगातार बनी हुई हैं। बैठक में तय किया गया कि नगर पालिका अब रात में दुकानें बंद होने से पहले ही गुजरी बाजार से कचरा उठाने की व्यवस्था करेगी। इसके लिए कचरा उठाने वाले वाहन का समय भी बदला गया है। नगर पालिका अध्यक्ष के अनुसार पहले वाहन के पहुंचने का समय रात 9 से 10 बजे के बीच था, जिसे अब रात 8 बजे से कर दिया गया है, ताकि व्यापारियों की दुकानें बंद होने से पहले ही दुकानों के बाहर जमा कचरा उठा लिया जाए और बाजार में रातभर गंदगी की स्थिति न बने। बाजार में दुकान लगाने को लेकर भी व्यवस्था बनाने पर सहमति बनी है। नगर पालिका द्वारा एक निर्धारित लाइन तैयार की जाएगी और व्यापारियों को उसी सीमा के भीतर अपनी दुकानें संचालित करनी होंगी। इससे दुकानों का सामान सड़क तक फैलने और मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित होने की समस्या को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने बताया कि गुजरी बाजार में कुछ ऐसे मार्ग हैं, जिनका रास्ता अतिक्रमण के कारण काफी हद तक बाधित हो गया है। इसके अलावा सड़क पर मवेशियों के खड़े रहने से भी आवागमन प्रभावित हो रहा है। बैठक में इन सभी समस्याओं पर चर्चा कर इनके समाधान के लिए समयसीमा तय करने पर सहमति बनी। पार्किंग की समस्या को लेकर भी नगर पालिका द्वारा कुछ स्थान चिन्हित किए जाने की बात कही गई है। व्यापारियों और ग्राहकों के वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग उपलब्ध कराने की दिशा में नगर पालिका स्थानों का चयन करेगी, ताकि मुख्य सड़क और बाजार के भीतर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े होने की समस्या कम हो सके। नगर पालिका अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि बाजार की व्यवस्था केवल नगरपालिका के प्रयासों से ठीक नहीं हो सकती। इसके लिए व्यापारियों का सहयोग भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि व्यापारी यदि निर्धारित व्यवस्था के अनुसार दुकानें संचालित करेंगे और कचरा सड़क पर नहीं फैलाएंगे तो बाजार की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में नगर पालिका को आसानी होगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि समस्याओं के निराकरण की स्थिति की समीक्षा के लिए हर 15 से 20 दिन में नगर पालिका और व्यापारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें यह देखा जाएगा कि जिन व्यवस्थाओं को लागू करने पर सहमति बनी है, उनका कितना पालन हो रहा है और किन समस्याओं का अब भी समाधान बाकी है। अब गुजरी बाजार में सफाई, अतिक्रमण, दुकान लगाने की सीमा, पार्किंग और आवागमन को लेकर बनाई गई व्यवस्था जमीन पर कितना असर डालती है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

जिला फुटबॉल संघ की नई कार्यकारिणी गठित

आशीष नाग बने जिला सचिव, जेम्स बारीक व पूनम खोब्रागडे को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिला फुटबॉल संघ बालाघाट की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को सर्किट हाउस बालाघाट में आयोजित हुई। कटंगी खैरलांजी विधायक एवं जिला फुटबॉल संघ बालाघाट के अध्यक्ष गौरव सिंह पारधी के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में जिले के विभिन्न फुटबॉल क्लबों के पदाधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। बैठक में बॉयज क्लब उकवा, उकवा एफसी, बालाघाट माइंस, पुलिस बॉयज बालाघाट तथा द डायमंड रॉक फुटबॉल एकेडमी निलजी के अध्यक्ष, सचिव एवं खिलाडियों ने सहभागिता की। इस दौरान जिले में फुटबॉल गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित करने और खिलाडियों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया। आशीष नाग को जिला सचिव, जेम्स बारीक एवं पूनम खोब्रागड़े को जिला उपाध्यक्ष तथा दिलीप कुमार वासनिक को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं रोहितलाल, मुकेश तिल्लासे, अजीत बागड, दुर्गेश मड़ावी, सुनील यादव, अविनाश देशमुख, प्रिय सिसोदिया एवं कृष्णा खागर को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। नई कार्यकारिणी के गठन का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में विधायक एवं जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष गौरव सिंह पारधी ने जिले में फुटबॉल खेल को और व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बालाघाट जिले में फुटबॉल की मजबूत परंपरा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि खिलाडियों को नियमित प्रतियोगिताओं, बेहतर प्रशिक्षण और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के पर्याप्त अवसर मिलें। उन्होंने जिला फुटबॉल संघ के माध्यम से क्लबों और खिलाड़ियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जिले की फुटबॉल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य करने की बात कही।

आवश्यकता है
मेडिकल स्टोर हेतु
एक मेडिकल स्टोर के लिए योग्य एवं अनुभवी फार्मासिस्ट की आवश्यकता है
-योग्यता-
B.Pharma/D.Pharma
स्थान-बालाघाट
इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें
संपर्क- Jasmeet Singh
7470608744, 9630359874

गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' की सदाओं से गूंजा शहर

गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य भगवान गणेश की 10 दिवसीय आराधना के बाद अब बप्पा की विदाई का सिलसिला शुरू हो गया है। गुरुवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो और ग्रामीण अंचलों में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर जारी रहा। सुबह विशेष पूजा-अर्चना, हवन, प्रसाद वितरण और भंडारे के बाद श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ प्रतिमाओं को विसर्जन स्थलों तक लेकर पहुंचे। इस दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। चारसड्डालू भक्तों ने विभिन्न जिला सहयोग में पहुंचकर विशेष पूजा अर्चना कर मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की।वहीं भक्तिभाव के3 साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया।

ढोल-नगाड़ों पर झूमे भक्त, देर रात तक चला विसर्जन

घरों में स्थापित गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन सुबह से देर शाम तक विभिन्न तालाबों और नदियों में किया गया। सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों द्वारा भी प्रतिमाओं को विधिविधान से विदाई दी गई। डीजे और ढोल-नगाड़ों की धुन पर युवा और श्रद्धालु नाचते-गाते नजर आए। गणपति के जयकारों से आसमान गूंजता रहा और विसर्जन का दौर देर रात तक चलता रहा।

बड़ी सार्वजनिक प्रतिमाओं के विसर्जन आज

बताया गया कि प्रतिमा विसर्जन का यह सिलसिला आगामी दिनों में भी जारी रहेगा। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गणेशोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन, बच्चों की प्रतियोगिताएं और विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। पंचमी के बाद शुरू हुआ महाप्रसाद एवं भंडारे का सिलसिला भी विसर्जन तक चलता रहेगा।

भजनों से गूंजते रहे गणेश पंडाल

गणेशोत्सव के दौरान शहर और गांवों के पंडालों में सुबह से देर रात तक गणपति बप्पा के भजनों की गूंज रही। समितियों और श्रद्धालुओं ने स्थानीय भजन मंडलियों को आमंत्रित कर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए। भक्तों ने अपनी श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद मांगा।

विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्यवस्था के इंतजाम किए हैं। शहर के गर्रा वैनगंगा पुल के समीप विसर्जन कुंड बनाया गया है, जहां नगर पालिका के तैराक कर्मचारियों की मौजूदगी में प्रतिमाओं का विसर्जन कराया जा रहा है। पुलिस जवानों के साथ गोताखोर भी तैनात किए गए हैं।वही पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की गई है।इसके अलावा जागपुर घाट और गायखुरी घाट पर भी सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसकर्मियों एवं गोताखोरों की तैनाती की गई है। विसर्जन स्थलों पर सफाई व्यवस्था के लिए नपा के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो पूजन सामग्री को नदी-तालाब में जाने से रोककर अलग एकत्रित कर रहे हैं। इससे जलस्रोतों में पॉलीथिन और पूजन सामग्री जाने से रोकने का प्रयास किया जा रहा

शराब के नशे में छात्रावास में मिले प्रभारी अधीक्षक निलंबित

एसडीएम कटंगी के निरीक्षण में मिली थी अनियमितताएं, मेडिकल जांच में शराब सेवन की हुई पुष्टि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी स्थित शासकीय आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास के प्रभारी अधीक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक वीरेंद्र कुमार दरवड़े को ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट श्रीमती शकुंतला डामोर द्वारा यह कार्रवाई की गई है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कटंगी विजय सिंह यादव द्वारा 23 सितंबर 2026 को शासकीय आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में विभिन्न अनियमितताएं एवं अव्यवस्थाएं पाए जाने के साथ ही प्रभारी अधीक्षक वीरेंद्र कुमार दरवड़े शराब का सेवन कर नशे की अवस्था में छात्रावास में उपस्थित मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए उनका चिकित्सकीय परीक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में कराया गया। चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी एमएलआर रिपोर्ट में संबंधित व्यक्ति द्वारा शराब का सेवन किए जाने तथा शराब के प्रभाव में होने का उल्लेख किया गया है। इस संबंध में एसडीएम कटंगी द्वारा 24 सितंबर को पत्र के माध्यम से प्रभारी अधीक्षक के विरुद्ध निलंबन एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को भेजा गया था। प्रस्ताव एवं चिकित्सकीय परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने प्रभारी अधीक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक वीरेंद्र कुमार दरवड़े को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में वीरेंद्र कुमार दरवड़े का मुख्यालय कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, बालाघाट निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार पात्रतानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा। निलंबन आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

जाहिर सूचना

मैं, परदेशी तेलासे पिता स्व.श्री रामचरण तेलासे जाति कलार निवासी वार्ड नं. 30, सरेखा, बालाघाट तह. व जिला बालाघाट आम सूचना जाहिर करता हूँ, कि मुझें वर्तमान में परदेशी तेलासे पिता स्व. श्री रामचरण तेलासे, के नाम से जाना व पहचाना जाता हैं, मेरे समस्त शासकीय, अर्ध्दशासकीय दस्तावेजों पर परदेशी तेलासे पिता स्व. श्री रामचरण तेलासे, नाम दर्ज हैं, किंतु मुझे उक्त नाम के अतिरिक्त अन्य एक और नाम बब्लु तेलासे पिता रामचरण तेलासे, के नाम से भी जाना व पहचाना जाता हैं। उक्त दोनों ही नाम मेरे हैं, तथा दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति के हैं, अतः मुझे उक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाये।

वास्ते सूचनार्थ
परदेशी उर्फ बब्लु तेलासे
पिता स्व. श्री रामचरण तेलासे
निवासी वार्ड नं. 30, सरेखा, बालाघाट
तह. व जिला बालाघाट(म.प्र.)

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य के लिये
युवक - 01 पद
युवती - 02 पद
संपर्क-पायोनियर फाइनेंस
आम्बेडकर चौक, बालाघाट
मो. 9425448121

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

JOB VACANCY
WE ARE HIRING
- RECEPTION - SALARY 5000+
- SURVEYOR - SALARY 15000+
- AREA MANEGER - SALARY 20000+
- ELECTRONIC TECHNICIAN - SALARY 10000+

- CONTACT -

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0034/ड-154/2026-27
मौजा टेकाड़ी लो., रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेहबूब खान पिता स्व. हबीब खान, जाति मुसलमान, निवासी ग्राम टेकाड़ी लो., तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा टेकाड़ी लो., रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी दादी जमीला पति सिंकदर का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 08.08.2005 मृत्यु स्थल ग्राम टेकाड़ी लो. के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 01.10.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 25.09.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0025/ड-154/2026-27
मौजा मुरझड, रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपक नगपुरे पिता बुधराम नगपुरे, जाति लोधी, निवासी ग्राम मुरझड़, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा मुरझड़, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता सुंदरबाई पति बुधराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 26.09.2019 मृत्यु स्थल ग्राम मुरझड़ के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 30.09.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 24.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 25.09.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी, जिला-बालाघाट

विज्ञप्ति

रा0प्र0क्र0/ /अ-6 अ/2026-27
मौजा-चुरली, प0ह0न0 05/15
तहसील-लांजी, जिला-बालाघाट

आवेदक प्यारेलाल एवं रोहित लाल पिता राजेश्वर जाति लोधी निवासी चुरली तहसील लांजी जिला बालाघाट (म0प्र0) - आवेदक

विरूद्ध

म0प्रशासन
1. किसवंता पिता रामस्वरूपदास जाति लोधी
2. राधेश्याम पिता रामस्वरूपदास जाति लोधी
3. जागेश्वर पिता रामस्वरूपदास जाति लोधी निवासी चुरली तहसील लांजी जिला बालाघाट (म0प्र0) - अनावेदक

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयान्तर्गत आवेदक प्यारेलाल पिता राजेश्वर व अन्य जाति लोधी निवासी चुरली तहसील लांजी जिला बालाघाट द्वारा ग्राम चुरली प0ह0नं0 05/15 रा0नि0मं0 भानेगांव तहसील लांजी जिला बालाघाट स्थित भूमि खसरा नंबर 199 में से 0.05/0. 020 हे0 भूमि का रिकार्ड सुधार किये जाने हेतु म0प्र0भू0रा0 संहिता की धारा 115 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में न्यायालय में पेशी दिनांक 29.09.2026 दिन मंगलवार को समय 11ः00 बजे नियत की गयी है।

अतः उपरोक्त आवेदन पत्र के सम्बंध अनावेदकगणों / सहखातेदार किसवंता पिता रामस्वरूपदास, जागेश्वर पिता रामस्वरूपदास, राधेश्याम पिता रामस्वरूपदास जाति लोधी निवासी चुरली तहसील लांजी जिला बालाघाट या अन्य संबंधित हितबद्ध पक्षकार को समाचार पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि न्यायालय में उपस्थित होकर न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत जवाब रखे। अनावेदकगणों के उपस्थित ना होने की दशा में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी, एवं प्रकरण का निराकरण अनावेदक की अनुपस्थिति में ही किया जावेगा। नियत अवधि बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सीलमुद्रा से जारी कया गया।

सही
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

सावित्री का गर्भपात.. किरनापुर की कहानी में जुड़ा सबसे गंभीर अध्याय

प्रभारी सीएमएचओ ने तनाव को प्रथम दृष्टया संभावित कारण बताया, सैंपल जांच में भेजे, परिजन बोले जिम्मेदारी तय कर दर्ज हो हत्या का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाने में चौधरी दंपति के साथ कथित मारपीट का विवाद अब भी खत्म होता नजर नहीं आ रहा है। अब टिमकीटोला निवासी सावित्री चौधरी का गर्भपात होने के बाद मामला एक बार फिर संवेदनशील मोड़ पर पहुंच गया है। सावित्री की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 सितंबर को रक्तस्त्राव की स्थिति में सावित्री को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। महिला स्त्री रोग विशेषज्ञों की टीम ने उनका परीक्षण किया, लेकिन अत्यधिक रक्तस्त्राव के बाद सावित्री का गर्भपात करवाना पड़ा ।

प्रभारी सीएमएचओ के अनुसार गर्भपात के पीछे एक से अधिक चिकित्सकीय परिस्थितियां हो सकती हैं और इसके लिए आवश्यक सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। उन्होंने प्रारंभिक स्तर पर अत्यधिक तनाव को भी संभावित कारण बताया। उनका कहना है कि किरनापुर थाने से जुड़े घटनाक्रम के बाद सावित्री लंबे समय से तनाव में थीं, लेकिन गर्भपात का वास्तविक कारण जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। बताया गया कि सावित्री का गर्भ करीब दो से तीन माह का था। लेकिन इस बयान के साथ ही कई सवाल भी खड़े हो गए हैं। परिजनों के अनुसार कुछ दिन पहले ही सावित्री का जिला अस्पताल में उपचार हुआ था और उस समय चिकित्सकों ने उनकी स्थिति सामान्य बताई थी। परिजनों का कहना है कि उस समय जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ बताए गए थे। ऐसे में महज कुछ दिनों के भीतर अचानक रक्तस्त्राव शुरू होना और गर्भपात हो जाना परिवार के लिए बड़ा झटका है। परिजनों का कहना है कि करीब सात-आठ साल बाद परिवार में संतान की उम्मीद जगी थी और अब अचानक यह उम्मीद टूट गई। सावित्री के पति कैलाश चौधरी और परिजनों ने इस घटनाक्रम को किरनापुर थाने में हुई कथित मारपीट से जोड़ते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों का कहना है कि यदि जांच में थाने में हुई घटना और गर्भपात के बीच कोई संबंध सामने आता है तो जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और हत्या का मामला दर्ज होना चाहियें , हालांकि इस संबंध में अंतिम निष्कर्ष

चिकित्सकीय जांच और साक्ष्यों के आधार पर ही सामने आ सकेगा। इधर सावित्री के गर्भपात की जानकारी सामने आने के बाद मरार समाज में भी नाराजगी और बढ़ गई है। परिजनों ने अनौपचारिक चर्चा में मांग उठाई है कि यदि जांच में यह साबित होता है कि कथित मारपीट के कारण गर्भस्थ शिशु को नुकसान पहुंचा, तो संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ भ्रूण हत्या से संबंधित कानूनी कार्रवाई की जाए। समाज अब इस मामले को केवल मारपीट और पुलिस कार्रवाई तक सीमित रखने के पक्ष में नहीं दिखाई दे रहा है। इस बीच एक और सवाल ने पूरे प्रकरण को घेर लिया है। सावित्री और कैलाश को जिस चोरी के मामले में किरनापुर थाने लाया गया था, उस चोरी का वास्तविक शिकायतकर्ता आखिर कौन है?, परिजनों का सवाल है कि 50 हजार रुपये की चोरी हुई थी, शिकायत किसने दर्ज कराई और उस शिकायतकर्ता का नाम अब तक सामने क्यों नहीं आया। उनका कहना है कि इतने गंभीर घटनाक्रम के बाद भी चोरी के प्रार्थी की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। यही सवाल अब पुलिस की कार्रवाई और पूरे घटनाक्रम की शुरुआती कहानी पर भी सवाल खड़े कर रहा है। उधर सावित्री के अस्पताल में भर्ती होने के बाद महिला थाना सहित पुलिस की अलग-अलग एजेंसियों की सक्रियता भी बढ़ गई है। पुलिस अधिकारी और कर्मचारी जिला अस्पताल पहुंचे और सावित्री का बयान दर्ज किया गया। यानी अस्पताल में उपचार के साथ-साथ पुलिस जांच का सिलसिला भी जारी है।

भाजपा कार्यालय में भी बैठक का दौर और कई सवाल अभी अनसुलझे

इसी बीच भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे ने भी मामले को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। कावरे पहले मरार समाज की बैठक में शामिल होकर एसआईटी रिपोर्ट पर सवाल उठा चुके हैं। अब समाज से जुड़े पदाधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं पर दर्ज प्रकरणों को लेकर 24 सितंबर को भाजपा कार्यालय में बैठक बुलाए जाने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में किरनापुर प्रकरण अब केवल थाने की कार्रवाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भी लगातार गरमाता जा रहा है। एक तरफ एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर हो चुकी है, दूसरी तरफ सावित्री के गर्भपात ने पूरे मामले को फिर कटघरे में खड़ा कर दिया है। अब असली सवाल यही है कि सावित्री का गर्भपात किन चिकित्सकीय परिस्थितियों में हुआ, क्या इसका किरनापुर थाने की घटना से कोई संबंध है, और जिस चोरी के मामले से पूरा घटनाक्रम शुरू हुआ था उसका वास्तविक शिकायतकर्ता अब तक सामने क्यों नहीं आया? इन सवालों के जवाब अब केवल बयानों से नहीं, बल्कि चिकित्सकीय जांच, पुलिस विवेचना और उपलब्ध साक्ष्यों से सामने आने चाहिए।

तीन दिन जिंदगी से जूझा- तीन दिन अपनों को तलाशता रहा, फिर गुमनाम ही विदा हो गया

अज्ञात शव का पोस्टमार्टम बाद हुआ अंतिम संस्कार, रेलवे ट्रैक पर लहूलुहान मिला था करीब 40 वर्षीय व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान हुई थी मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रेलवे ट्रैक पर गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला करीब 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का तीन दिन बाद 23 सितम्बर को जिला अस्पताल पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर उसका अंतिम संस्कार करवा दिये।। 17 एवं 18सितम्बर की रात से उसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा था लेकिन 20 सितंबर की शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के बाद भी इस व्यक्ति की कहानी अधूरी है क्योंकि वह अपने पीछे अपना नाम, पता और परिवार की कोई पहचान नहीं छोड़ पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 और 18 सितंबर की दरमियानी रात बालाघाट-वारासिवनी रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना डायल-112 को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस की मदद से घायल व्यक्ति को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया।जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार शुरू किया गया।घायल व्यक्ति की हालत बेहद गंभीर थी। उसके सिर, हाथ पैर सहित शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चोटें आई थीं और वह बेहोशी की हालत में था। वह अपनी पहचान बताने की स्थिति में भी नहीं था। ऐसे में जिला अस्पताल पुलिस ने उसकी पहचान और उसके परिजनों तक पहुंचने के लिए लगातार प्रयास किए लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी कोई अपना उसे तलाशते हुए अस्पताल नहीं पहुंच सका।20 सितंबर की शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद जिला अस्पताल पुलिस ने शव को सुरक्षित रूप से जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवा दिया है और अब उसके परिजनों की तलाश की जा रही थी।सबसे बड़ा सवाल अभी भी यही है कि आखिर यह व्यक्ति रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंचा। क्या वह ट्रेन की चपेट में आया था या उसके साथ कोई मारपीट हुई थी। फिलहाल इसकी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। शरीर पर मिले चोट के निशानों को देखते हुए पुलिस सभी संभावनाओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होने की संभावना है।अज्ञात व्यक्ति की पहचान और उसके परिजनों की तलाश के लिए जिला अस्पताल पुलिस द्वारा प्रयास किए गये। काफी प्रयासों के बाद भी उसके परिजनों का पता नहीं चला। 23 सितम्बर की शाम नियमानुसार जिला अस्पताल पुलिस चौकी केप्रधान आरक्षक सूर्यकांत मरकाम ने इस व्यक्ति के शव का पोस्टमार्टम के बाद उसके अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी भी निभाई। जिसका अंतिम संस्कार बैनगंगा नदी के जागपुर घाट में किया गया। न कोई नाम पुकारने वाला है न कोई अपना आंसू बहाने वाला।रेल की पटरियों के किनारे मिली उसकी जिंदगी की कहानी अब सिर्फ एक सवाल बनकर रह गई।

बैहर-बिरसा में बच्चों की मौत के आंकड़ों पर घमासान, 43 या 32 ?, मुआवजे के आंकड़ों ने भी बढ़ाया सवाल

बैहर विधायक संजय उईके ने सरकार-प्रशासन को घेरा, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े अलग, 28 और 32 बच्चों को मुआवजे की जानकारी में भी विरोधाभास, आखिर सही आंकड़ा कौन सा ?

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर और बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत का मामला एक बार फिर आंकड़ों के फेर में उलझता दिखाई दे रहा है। बच्चों की मौत और उनके परिजनों को दिए जा रहे मुआवजे को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय उईके ने सरकार और जिला प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। विधायक की ओर से अलग-अलग बीमारियों और पानी से संबंधित कारणों से करीब 43 बच्चों की मौत का आंकड़ा सामने रखा जा रहा है, जबकि जिला प्रशासन और प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शत्रुघ्न सिंह दाहिया के अनुसार बैहर-बिरसा क्षेत्र में अब तक करीब 32 बच्चों की मौत मलेरिया, मीजल्स सहित विभिन्न कारणों से हुई है। मौत के आंकड़ों में यह अंतर अब सीधे तौर पर प्रशासन की कार्यप्रणाली और आंकड़ों के संकलन पर सवाल खड़े कर रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब एक ही क्षेत्र में बच्चों की मौत हुई है तो सरकारी आंकड़ा और जनप्रतिनिधि द्वारा बताए जा रहे आंकड़े अलग-अलग क्यों हैं। विधायक संजय उईके का दावा है कि मृत बच्चों की संख्या 43 है और मौत के पीछे केवल मलेरिया या मीजल्स ही कारण नहीं हैं, बल्कि अन्य बीमारियों और परिस्थितियों से भी बच्चों की जान गई है। दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मौत के मामलों का रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है और प्रत्येक मामले में मृत्यु के वास्तविक कारणों को लेकर अलग-अलग स्तर पर ऑडिट और जांच की जा रही है। ऐसे में अब सवाल आंकड़े से ज्यादा उस प्रक्रिया पर है, जिसके आधार पर बच्चों की मौत का सरकारी रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। मुआवजे के आंकड़ों ने इस पूरे मामले को और उलझा दिया है। एक ओर अब तक 28 बच्चों के परिजनों को मुआवजा दिए जाने की जानकारी सामने आ रही है, जबकि प्रभारी सीएमएचओ शत्रुघ्न सिंह दाहिया के अनुसार करीब 32 बच्चों के मामलों में शासन की ओर से दिया जाने वाला मुआवजा प्राप्त हो चुका है। मौत का आंकड़ा

अलग, मुआवजा पाने वाले बच्चों की संख्या अलग और जमीनी स्तर पर प्रभावित परिवारों के दावे अलग होने से स्थिति साफ होने के बजाय और धुंधली होती जा रही है। ऐसे में प्रभावित परिवारों के बीच यह सवाल बना हुआ है कि आखिर सरकारी रिकॉर्ड में उनके बच्चे की मौत किस कारण दर्ज है और क्या वे मुआवजे के पात्र हैं या नहीं। क्षेत्र में ऐसे परिवारों की भी बात सामने आ रही है जो अब तक मुआवजे का इंतजार कर रहे हैं। कुछ परिवारों को यह तक स्पष्ट नहीं है कि उनके बच्चे की मौत किस बीमारी या कारण से दर्ज की गई है। जब मृत्यु का कारण ही स्पष्ट नहीं होगा तो मुआवजे की पात्रता और प्रक्रिया को लेकर परिवारों में भ्रम होना स्वाभाविक है। यही वजह है कि बैहर विधायक संजय उईके ने सरकार और जिला प्रशासन से पूरे मामले में स्पष्ट आंकड़े सार्वजनिक करने और प्रभावित परिवारों को वास्तविक स्थिति बताने की मांग उठाई है। इधर प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शत्रुघ्न सिंह दाहिया का कहना है कि शासन बच्चों की मौत के मामले को लेकर गंभीर है और मौत के कारणों का रिकॉर्ड तैयार करने के साथ आवश्यक ऑडिट और कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सामने आ रहे आंकड़ों के अनुसार करीब 32 बच्चों की मौत विभिन्न कारणों से हुई है और संबंधित मामलों में मुआवजा प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई गई है। लेकिन सवाल यह है कि यदि विभाग के पास 32 मौतों का रिकॉर्ड है तो फिर 28 और 32 के बीच का अंतर क्यों है और शेष मामलों की स्थिति क्या है। बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत का मुद्दा पहले से ही संवेदनशील रहा है। ऐसे में आंकड़ों में सामने आ रहा अंतर महज संख्या का अंतर नहीं है, बल्कि यह उन परिवारों से जुड़ा सवाल है जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है। प्रशासन के आंकड़े और जनप्रतिनिधि के दावे जब एक-दूसरे से मेल नहीं खाते तो सबसे पहले प्रभावित परिवारों के बीच ही असमंजस पैदा होता है। इसलिए अब जरूरत इस बात की है कि प्रशासन मौत के प्रत्येक मामले का स्पष्ट रिकॉर्ड सामने रखे, मृत्यु का कारण बताए और यह भी स्पष्ट करे कि कितने परिवारों को मुआवजा मिल चुका है तथा कितने परिवार अभी प्रतीक्षा में हैं। अब बैहर-बिरसा में सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि आखिर बच्चों की मौत का वास्तविक आंकड़ा 43 है या 32 ? कितने बच्चों की मौत किन कारणों से हुई और कितने परिवारों को वास्तव में मुआवजा मिला ? जब तक इन सवालों के स्पष्ट और आधिकारिक जवाब सामने नहीं आते, तब तक मौत और मुआवजे के आंकड़ों को लेकर उठ रहे सवाल खत्म होने वाले नहीं हैं।

किरनापुर घटनाक्रम पर सामाजिक एकजुटता की पहल, विशाल बिसेन पहुंचे मरार समाज कार्यालय

पीड़िता को न्याय दिलाने के मुद्दे पर हुई चर्चा, पंवार समाज ने हर स्तर पर साथ खड़े रहने का दिया भरोसा

पद्मेश न्यूज । बालाघाट। किरनापुर घटनाक्रम को लेकर सामाजिक स्तर पर समर्थन और आपसी समन्वय का सिलसिला लगातार आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में पंवार समाज जिला बालाघाट के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने मरार समाज जिला कार्यालय पहुंचकर समाज के जिला अध्यक्ष रमेश पांचे से मुलाकात की। इस दौरान दोनों समाज प्रमुखों के बीच किरनापुर घटनाक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सामाजिक स्तर पर एकजुटता की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया गया। मुलाकात के दौरान घटनाक्रम से जुड़े

विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए दोनों समाज प्रमुखों ने कहा कि संवेदनशील मामलों में पीड़ित पक्ष की बात को गंभीरता से सामने रखना और न्याय की मांग को लोकतांत्रिक एवं कानूनसम्मत तरीके से उठाना जरूरी है। चर्चा में सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय और आपसी सहयोग बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। पंवार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने कहा कि पीड़िता को न्याय मिलना चाहिए और इस विषय में पंवार समाज उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि किसी भी संवेदनशील मामले में समाज की भूमिका संयमित और जिम्मेदार होनी चाहिए तथा न्याय की मांग को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूती के साथ उठाया जाना चाहिए। वहीं मरार समाज जिला अध्यक्ष रमेश पांचे ने भी घटनाक्रम को लेकर चर्चा करते हुए सामाजिक सहयोग और आपसी समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में विभिन्न सामाजिक संगठनों के बीच संवाद कायम रहना जरूरी है, ताकि पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की मांग प्रभावी ढंग से सामने रखी जा सके। इस मुलाकात के दौरान दोनों समाज प्रमुखों के बीच सामाजिक एकजुटता, पीड़िता के समर्थन और न्याय की मांग को लेकर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। किरनापुर घटनाक्रम के बीच विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के बीच हो रही यह बातचीत आगे की सामाजिक गतिविधियों और समन्वय की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

तेंदुआ ने महिला पर किया हमला

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। गढ़ी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुकर्रा में उस वक्त चीख पुकार मच गई जब मकान से लगी मक्के की बाड़ी में कचरा साफ करने पहुंची 59 वर्षीय महिला पर घात लगाकर बैठे तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया।जहां महिला के संभलने से पहले ही तेंदुए ने उसे जगह जगह पंजे मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद महिला को उपचार के लिए गढ़ी, वहां से बैहर और फिर गोंदिया रेफर किया गया है।उधर तेंदुए के हमले से कुकर्रा गांव में दहशत का माहौल है।

मक्के के बीच बैठा था तेंदुआ, महिला पहुंची तो बोला हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कुकर्रा निवासी दुर्गा पति रामदीन यादव के मकान के सामने करीब 25 से 30 डिसमिल में मक्के की बाड़ी है। बाड़ी में मक्के की फसल के साथ ऊंची घास है और कुछ दूरी पर घना जंगल लगा हुआ है।बताया गया कि दुर्गा यादव बाड़ी में कचरा निकालने पहुंची थीं। इसी दौरान मक्के के बीच छिपे तेंदुए ने अचानक उन पर हमला कर उन्हें गम्भीर रूप से घायल कर दिया।हमले में महिला के बाएं कान, बाएं हाथ और सिर में चोटें आई हैं। घटना के बाद परिजन तत्काल उन्हें गढ़ी अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद बैहर रेफर किया गया, जहां से स्वजन उन्हें आगे इलाज के लिए गोंदिया ले गए।

दहशत में ग्रामीणों की बीत रही रात

बताया गया कि कुकर्रा गांव कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के जंगल से लगा हुआ है। क्षेत्र में बाघ और तेंदुए सहित अन्य वन्यप्राणियों की मौजूदगी रहती है। जंगल से लगे खेतों और बाड़ियों में वन्यप्राणियों की आवाजाही के चलते ग्रामीणों को अक्सर खतरे के बीच काम करना पड़ता है। तेंदुए के हमले के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है।

गांव में मुनादी, तेंदुए पर नजर

वन विभाग की टीम द्वारा गांव और आसपास के क्षेत्र में लगातार गश्त की जा रही है। ग्रामीणों को अकेले खेतों और बाड़ियों में न जाने तथा विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। विभाग तेंदुए की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

ग्रामीणों को किया सतर्क- बारदे

मामले को लेकर दूरभाष पर की चर्चा के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी गढ़ी, परिवेश वारदे ने बताया कि गांव में एक महिला मकान से लगी मक्के की बाड़ी में साफ-सफाई करने गई थी। तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। घायल महिला को गढ़ी से बैहर और वहां से गोंदिया रेफर किया गया है। स्वजनों को विभाग की ओर से एक हजार रुपये आर्थिक सहायता दी गई है। घटना के बाद गांव में मुनादी करवाकर गश्त बढ़ा दी गई है।

कुमार कावरे को मिली जमानत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। छिंदवाड़ा के एवीजे एग्रो एथेनॉल प्लांट को सप्लाई हुये चांवल की हेराफेरी मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजे गये हर्ष राईस इंडस्ट्रीज के संचालक व पार्टनर कुमार कावरे की जमानत मंजूर हो गई। श्री कावरे को 10 लाख रूपये के बांड और पासपोर्ट संबंधित विवेचक के पास जमा करने के निर्देश के साथ वारासिवनी की अपर सत्र न्यायालय माननीय कमलेश मीणा की अदालत से जमानत मंजूर कर ली गई। बता देवें कि हर्ष राईस इंडस्ट्रीज के संचालक कुमार कावरे को 20 सितंबर को भोपाल से गिरफ्तार किया गया था। श्री कावरे यहां पर पूर्व मंत्री व बीजेपी जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे के बड़े भाई हैं। इस गिरफ्तारी को लेकर जमकर राजनीतिक चर्चा हुई थी। पुलिस ने 21 सितंबर को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया था। जहां से कुमार कावरे को जेल भेज दिया गया था। श्री कावरे को गिरफ्तारी के महज चौथे दिन में ही जमानत मिल गई। हर्ष राईस इंडस्ट्रीज के अन्य पार्टनर विनोद शर्मा, गोपाल ठाकुर और अविनाश कावरे को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जिसमें अविनाश कावरे की दो दिन पहले जमानत हो गई थी। अब कुमार कावरे को भी जमानत प्राप्त हो गई हैं। यह कावरे परिवार व उनसे जुड़े लोगों के लिये बड़ी राहत हैं। बता देवे कि बालाघाट से छिंदवाडा के एथेनाल प्लांट के लिये भेजे गये 5459 मेट्रिक टन चॉवल ऐथेनाल प्लांट नही पहुंचने का मामला है जिसमें इस चांवल को बाहर के बाहर मिलर्सो के साथ मिली भगत कर खपाया जाना पुलिस की रिपोर्ट में सामने आया है। इसी के चलते पुलिस ने कार्यवाही करते हुये मिलर्सो सहित एथेनाल प्लांट के कर्मचारी,ट्रांसपोर्टर सहित 20 लोगो की गिरफ्तारी की है।

जाम से सेलवा पहुंच मार्ग खस्ताहाल

आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीणजनों ने सड़क का निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत जाम से सेलवा पहुंच मार्ग का खस्ताहाल होने के कारण राहगीरों एवं ग्रामीणों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग पूरी तरह से कच्चा होने की वजह से बारिश के दिनों में कीचड़ और बड़े-बड़े गड्डों में पानी जमा हो जाने से आवागमन करने वाले ग्रामीणजन, राहगीर, स्कूली बच्चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि लंबे समय से इस कच्चे मार्ग का पक्का निर्माण करवाने की मांग प्रशासन से की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में रोष व्याप्त है।

प्रशासन की उपेक्षा से लोगों में रोष व्याप्त

आपकों बता दे कि जाम के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल चौक के समीप से ग्राम सेलवा एवं बगदेही की ओर एक मार्ग गुजरता है, लेकिन यह मार्ग कच्चा है, इस मार्ग पर किसानों की खेती है और सेलवा सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन, स्कूली बच्चें इसी मार्ग से जाम पढ़ाई करने आते है। लेकिन मार्ग खराब हो जाने एवं जगह-जगह बने गड्डों के कारण इस मार्ग पर बरसात के दिनों में पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। ऐसी स्थिति में सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को होती है। जबकि लंबे समय से इस मार्ग का पक्का निर्माण करवाने की मांग की जा रही है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है। जबकि यह मार्ग जाम आने के लिए कम दूरी वाला रास्ता है, लेकिन सड़क खराब होने से स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को मजबूरी में अधिक दूरी तय कर आवागमन करना पड़ रहा है। साथ ही सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग जाम पहुंचने का सबसे सीधा और सुलभ रास्ता है परंतु सड़क अत्यधिक खराब होने के कारण लोगों को मजबूरी में लंबा चक्कर काटकर अधिक दूरी तय करनी पड़ती है। जबकि ग्रामीण लंबे समय से इस कच्चे मार्ग का डामरीकरण (पक्की सड़क निर्माण) कराने की मांग कर रहे हैं। लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रशासनिक उपेक्षा के कारण ग्रामीणजनों रोष व्याप्त है। ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द जाम से सेलवा-बगदेही मार्ग का पक्का निर्माण करवाने की मांग की है, ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

सड़क का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - मुनेन्द्र

किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे ने बताया कि जाम से सेलवा पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है एवं जगह-जगह गड्डे बन गये है, बारिश होने पर उक्त गड्डों में जल भराव होने से दुर से गड्डे दिखाई नही देते है। ऐसी स्थिति में वाहन अनियंत्रित होने से लोग गिरकर चोटिल हो जाते है और यह कच्चा मार्ग है। जबकि लंबे समय से इस मार्ग का पक्का निर्माण करवाने की प्रशासन से मांग की जा रही है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है, जिससे सभी में रोष व्याप्त है। श्री ठाकरे ने बताया कि जाम पहुंचने का यह सीधा एवं सुलभ रास्ता है, लेकिन सड़क खराब होने से अधिक दूरी तय कर पहुंचना पड़ता है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि जाम से सेलवा पहुंच मार्ग का जल्द पक्का निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

महाविद्यालय में "योग एवं ध्यान" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में 24 सितंबर को ओं अर्हं सोशल वेलफेयर फाउन्डेशन दिल्ली के तत्वाधान में योग, प्राणायाम एवं ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीतमा मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्त के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर ओं अर्हं सोशल वेलफेयर फाउन्डेशन दिल्ली की योग प्रशिक्षक अनिता जैन ने योग, प्राणायाम और ध्यान के बारे में जानकारी प्रदान की और विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को योगासन की विभिन्न विधियों का अभ्यास करवाया। ओं अर्हं सोशल वेलफेयर फाउन्डेशन दिल्ली की योग प्रशिक्षक अनिता जैन ने विद्यार्थियों को योग, प्राणायाम और ध्यान के विभिन्न प्रकारों को विस्तार पूर्वक समझाया व भौतिक रूप से करके बताया भी। उन्होने मन की एकाग्रता के लिए श्वासों के आगमन-निगमन पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शारीरिक ऊर्जा संर्वधन के लिए हथेलियों द्वारा किये जाने वाली विभिन्न योग विधियों की जानकारी प्रदान की। वहीं अनिता जैन दीदी ने कहा कि ओं अर्हं सोशल वेलफेयर फाउन्डेशन दिल्ली का उद्देश्य विश्व शांति, शारीरिक व मानसिक ऊर्जा का उन्नयन है। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. कामाक्षा बिसेन द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, श्रीमती संध्या भलावे, मनीष शिवहरे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, भूतपूर्व छात्ना नैन्सी जैन एवं छात्र-छात्नाओं का सराहनीय योगदान रहा।

मोहगांव ध. में प्रतिभा सम्मान और सांस्कृतिक कार्यक्रम 3 अक्टूबर को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के हनुमान चौक में यूथ फ्रेंडस क्लब के तत्वाधान में आगामी 3 अक्टूबर को प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में कार्यक्रम संयोजक राधे नगपुरे ने बताया कि यूथ फ्रेंडस क्लब के द्वारा विगत 12 वर्षो प्रतिभावान छात्त-छात्ताएं जिन्होंने कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण हुए है, खेल प्रतिभाएं, शासकीय सेवाओं में चयनित विद्यार्थी, सामाजिक सरोकार ,गणमान्य वरिष्ठ नागरिक ,वरिष्ठ महिलाएं एवं जनमानस जो अपनी-अपनी प्रतिभाओं में अग्रसर है और जिन्होंने ग्रामीण क्षेत्त से उठकर इस गांव को गौरवान्वित किया है उन्हें क्लब के माध्यम से प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाता है। इसी कड़ी में आगामी 3 अक्टूबर को प्रतिभा सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर प्रतिभावान छात्त-छात्ताओं सहित शासकीय सेवा में चयनित एवं समाजहित में काम करने वालों को सम्मानित किया जायेगा। ऐसे कार्यक्रम से छोटी-छोटी प्रतिभाओं को मंच पर आने का अवसर मिलता है जिससे उन्हें अपनी प्रतिभाओं के दम पर अपनी अलग पहचान मिलती है। श्री नगपुरे ने बताया कि यह कार्यक्रम शिक्षा, सामाजिक, साहित्य, संस्कृति और पारम्परिक विधाओं से सजा होता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रसिध्द डांस ग्रुप, गायक एवं सुंदर झाकियों का समावेश होता है। इस अवसर पर क्षेत्तीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति के कार्यक्रम संयोजक राधे नगपुरे, समिति अध्यक्ष सरवन लिल्हारे, कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सोमालाल बघेले, चंद्रप्रकाश कडूकार, पतिराम बागडे, धनेंद्र बागडे, टीकाराम नागपुरे, भवेंद्र बावने, मनोज बनोटे, योगेश सहारे, उपाध्यक्ष रामप्रसाद बोरकर, महेश कडूकार, जागेश बनोटे, सचिव रोशन माहूले, महेश बिरनवार, सहसचिव लक्की नगपुरे, रविशंकर उपवंशी, मीडिया प्रभारी गौरव खोब्रागढ़े, शुभम गोडाने, कोषाध्यक्ष टुपेश नगपुरे, जीतू दौनेकर, सांस्कृतिक प्रभारी कमल नगपुरे, बलराम नगपुरे, सदस्यगण विनय नगपुरे, रवि महेरकर, अंकित नगपुरे, ज्ञानी नेरकर, एसलाल दमाहे, धरम देशकर, राजकुमार बनकर, रंजीत नगपुरे, धर्मेन्द्र मात्ते, रोहित बिरनवार, नीतेश बिरनवार, विजय नगपुरे, सुजल नगपुरे, नंदकिशोर बोहने, मनीराम दांदरे, आशीष बरैया, दिनेश बनोटे, कमलेश नगपुरे, संतोष बरैया, पिंकेश बोरकर, शुभम चांदेकर, युवराज बनकर, सुरेश बनोटे, धनपाल सिंह, विकेश सिंह, देव जायसवाल, कृतेश नगपुरे, सचिन भोंडे, मोहित उपरिकार, समीर बरैया एवं समस्त यूथ फ्रेंड्स क्लब मोहगांव ध. के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

आमाटोला (ददिया) में विराजे विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का हुआ विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला में आमाटोला मित्त मंडल समिति के द्वारा गत दिवस प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय पर्व श्रीगणेशोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया गया। वहीं पर्व के दसवें दिन बुधवार को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण किया गया। वहीं गुरूवार को प्रतिमा स्थल से शोभायात्ता निकालकर ग्राम के समीप से गुजरी सर्राटी नदी पहुंचे जहां आरती करने के बाद गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के नारों के साथ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विसर्जित किया गया। चर्चा में मित्त मंडल समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया एवं रोजाना विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। साथ ही यह भी बताया कि बुधवार को हवन पूजन कर महाआरती की गई और महाप्रसादी का वितरण किया गया। गुरूवार को भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर मित्त मंडल समिति आमाटोला के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शांतिनगर एवं विश्राम गृह के पास भक्तिभाव से मनाया जा रहा गणेशोत्सव

हवन-पूजन के बाद बांटी गई महाप्रसादी, श्रध्दालुओं ने भगवान श्रीगणेश की आराधना कर प्राप्त किया आशीर्वाद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग मजार के पीछे शांतिनगर स्थित श्री सिध्देश्वर महादेव मंदिर परिसर में गणेशोत्सव पर्व अत्यंत भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व के दौरान शांतिनगर में श्रध्दालुजन भगवान श्रीगणेश के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। वहीं मंदिर परिसर में प्रतिदिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिससे पूरा क्षेत्त भक्तिमय बना हुआ है। गुरूवार की शाम में यजमान की उपस्थिति में पंडित द्वारा वैदिक मंत्नोच्चार के साथ हवन-पूजन संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रध्दालुओं ने हवन-कुंड में पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात आरती के उपरांत भण्डारे के रूप में महाप्रसादी का वितरण किया गया। शुक्रवार को भव्य शोभायात्ता निकालकर प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

बच्चों ने प्रथम पूज्य की प्रतिमा विराजित कर जताई अटूट श्रध्दा

बालाघाट रोड स्थित विश्राम गृह के सामने बच्चों की मंडली द्वारा प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव का पर्व श्रध्दा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इन बच्चों की मंडली ने पहली बार भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित की थी और पूरे 10 दिनों तक सुबह-शाम पूर्ण आस्था के साथ पूजा-आराधना की। वहीं गुरूवार को हवन-पूजन के बाद बच्चों ने मार्ग से गुजर रहे लोगों को रोक-रोककर महाप्रसादी का वितरण किया। श्रध्दालुओं ने बच्चों के इस धार्मिक भाव और भक्ति की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में भगवान के प्रति ऐसी ही सच्ची श्रध्दा होनी चाहिए। साथ ही क्षेत्तवासियों से ऐसे धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील भी की गई। चर्चा में डिलेन्द्र पालीवाल ने बताया कि इस गणेशोत्सव पर्व पर बच्चों में धार्मिक भावना जागृत हुई है। ब'चों की मंडली ने स्वयं जाकर भगवान गणेश की मूर्ति पसंद की और पंडाल की सजावट से लेकर अन्य सभी व्यवस्थाएं स्वयं संभाली है। गत 14 सितंबर को प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव का पर्व पुरी श्रध्दा एवं उत्साह से साथ मनाया है। श्री पालीवाल ने बताया कि इस आयोजन में बड़ों को साथ ले जाने के बजाय बच्चों ने आत्मनिर्भर होकर सारा काम पूरा किया। वहीं गणेशोत्सव के दौरान बच्चों द्वारा कई तरह के सांस्कृतिक व अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बच्चों को विजेता घोषित कर पुरस्कार भी दिये गये। प्रथम पूज्य गणपति बप्पा (गजानन) महाराज से प्रार्थना करते है कि लालबर्रा क्षेत्त और पूरे बालाघाट जिले में सुख, शांति और समृध्दि बनाये रखे। गणपति बप्पा की इस प्रथम वर्ष की प्रतिमा का शुक्रवार को सुबह विसर्जन किया जायेगा।

अमोली में हवन-पूजन एवं भंडारा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित माता मंदिर चौक में नवयुवक गणेशोत्सव समिति के द्वारा भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर बुधवार को शाम 5 बजे हवन-पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें यजमान की उपस्थिति में पंडित रंजित शर्मा के द्वारा हवन-पूजन संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रध्दालुओं ने हवनकुण्ड में पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात आरती कर रात 8 बजे से विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजनों ने भंडारा रूपी महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये एवं 25 सितंबर को लंबोदर महाराज की प्रतिमा की शोभायात्ता निकालकर प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। नवयुवक गणेशोत्सव समिति अमोली के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व धार्मिक आस्था के साथ मनाया जा रहा है। जिसमें बुधवार को शाम 7 बजे हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसके बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही यह भी बताया कि पर्व के दौरान प्रतिदिन सुबह व रात 8 बजे आरती कर लंबोदर महाराज की आराधना की गई है और रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है। 25 सितंबर को प्रतिमा विसर्जन के साथ ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर नवयुवक गणेशोत्सव समिति के

पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

एकोड़ी में उपचुनाव की हलचल तेज, मैदान में चार महिला प्रत्याशी

नल.जल योजना की भूमि विवाद और कूटरचित पट्टा आवंटन के चलते पदमुक्त हुई थीं तत्कालीन सरपंच

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत एकोड़ी में प्रशासनिक उठापटक के बाद अब चुनावी बिगुल बज चुका है। पूर्व सरपंच को उनके पद से पृथक किए जाने के बाद से जारी प्रशासनिक एवं पंचायत संबंधी घटनाक्रम अब निर्वाचन के अंतिम चरण में पहुँच गया है। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा पंचायतों के उपनिर्वाचन वर्ष २०२६ पूर्वार्द्ध के तहत जारी कार्यक्रम के अनुसार क्षेत्र में उपचुनाव की प्रक्रिया तेजी से जारी है।

नल जल योजना और पट्टा आवंटन विवाद से शुरू हुआ मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार विवाद की शुरुआत ग्राम पंचायत एकोड़ी में नल जल योजना के निर्माण स्थल को लेकर हुई थी। २४ मई २०२३ को आयोजित ग्राम सभा में नल जल योजना के लिए स्थल का चयन कर प्रस्ताव पारित किया गया था जहाँ बोरवेल का निर्माण भी हुआ। हालांकि बाद में इसी भूमि को लेकर विवाद गहरा गया। शिकायतकर्ता मनोज हरिनखेंडे व अन्य पांच लोगों ने आरोप लगाया कि तत्कालीन सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम ने ग्राम के पंच जयप्रकाश गणवीर के पक्ष में मुख्यमंत्री आवासीय भू.अधिकार योजना के तहत कथित रूप से कूटरचित दस्तावेज और प्रस्ताव तैयार कर पट्टा आवंटित करवाया। शिकायतकर्ताओं ने जनपद पंचायत सीईओ के प्रतिवेदन , नायब तहसीलदार के राजस्व आदेश और ग्रामसभा के प्रस्ताव सहित सभी साक्ष्य जिला पंचायत सीईओ के समक्ष प्रस्तुत कर कड़ी कार्यवाही की माँग की थी।

धारा ४० के तहत हुई थी पदमुक्ति की कार्यवाही

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने तत्कालीन सरपंच मोनिका मेश्राम को मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा ४० के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया। जवाब और दस्तावेजों की गहन जाँच के बाद २४ नवंबर को तत्कालीन सरपंच को पद से पृथक बर्खास्त करने का आदेश जारी कर दिया गया था। इसके पश्चात पंचायत संचालन के लिए ९ दिसंबर २०२५ को पंच सम्मेलन के माध्यम से वार्ड क्रमांक १ की पंच श्रीमती सरिता मेश्राम को स्थानापन्न सरपंच चुना गया था।

चुनावी मैदान में चार महिला प्रत्याशी,लिंगमारा में भी पंच पद पर नामांकन

वर्तमान में निर्वाचन प्रक्रिया के चलते सरपंच का पद रिक्त है और चार महिला प्रत्याशी मैदान में उतर चुकी हैं। नाम निर्देशन पत्र दाखिल होने के बाद श्रीमती रेखा धर्मदास मेश्राम, श्रीमती संगीता राकेश मेश्राम, श्रीमती सरिता कैलाश मेश्राम, श्रीमती मीराबाई मंगलदास मेश्राम के बीच मुख्य मुकाबला देखने को मिलेगा।इसके अतिरिक्त जनपद की ग्राम पंचायत लिंगमारा के वार्ड क्रमांक ११ में रिक्त पंच पद के लिए श्रीमती कविता वासनीक ने अपना नामांकन दाखिल किया है।

२९ सितंबर को होगा मतदान

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन पत्रों की जाँच व प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अब २९ सितंबर २०२६की सुबह ७ बजे से दोपहर ३ बजे तक मतदान संपन्न कराया जाएगा। मतदान की समाप्ति के बाद निर्धारित कार्यक्रमानुसार मतगणना की जाएगी और निर्वाचन परिणामों की आधिकारिक घोषणा होगी।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया कि एकोड़ी ग्राम में सरपंच चुनाव के लिए चार नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। जिनकी जांच कर चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिया गया है २९ सितंबर को मतदान होना है।जिसके लिए ग्राम एकोड़ी में चार मतदान केंद्र बना दिए गए हैं और सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

अनिल मेश्राम
खंड कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत वारासिवनी

विधायक गौरव पारधी ने रक्तदान कर दिया सेवा का संदेश

तिरोड़ी में रक्तदान शिविर में ५२ यूनिट रक्त संग्रहित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के २५ वर्ष के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा को समर्पित भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय वीरांगना रानी दुर्गावती महाविद्यालय तिरोड़ी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कटंगी.खैरलांजी विधायक गौरव सिंह पारधी ने रक्तदान कर अभियान में सहभागिता की। उनके साथ जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, एवं अन्य रक्तदाताओं ने भी रक्तदान किया। शिविर में कुल ५२ यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

रक्तदान के लिए विधायक पारधी ने किया आह्वान

विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने रक्तदाताओं स्वास्थ्यकर्मियों महाविद्यालय परिवार एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

रक्तदान के साथ स्वास्थ्य जांच पर भी जोर

शिविर के साथ स्वास्थ्य जागरूकता एवं टीबी स्क्रीनिंग भी आयोजित की गई। इस दौरान ५६ बच्चों एवं ६० से अधिक नागरिकों की छाती संबंधी जांच की गई। लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव एवं रोकथाम के उपाय तथा समय पर जांच कराने के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सुरेश ठाकुर, अविनाश देशमुख,योगेश सोनवाने,शेखर ठाकुर,श्रीमती सविता चौहान,पवन कुमार, बीएमओ विनोद भलावी , अधिकारी रोशनी डोंगरवार ने सेवाएं प्रदान कीं। बालाघाट ब्लड बैंक से मेडिकल ऑफिशियल श्रीमती श्यामा ढालकर एवं उनकी टीम ने रक्त संग्रहण में सहयोग किया। महाविद्यालय के प्राचार्य पवन सोनी के नेतृत्व में शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला स्तरीय बैडमिंटन महाविद्यालयीन प्रतियोगिता में बालाघाट व वारासिवनी कालेज की टीम बनी विजेता

इंडोर स्टेडियम ने बैटमिंटन खिलाडियों से जिले की टीम का होगा चयन

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। बैडमिंटन प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए वारासिवनी नगर के बैडमिंटन स्टेडियम में बालाघाट जिले से १० महाविद्यालय की बैटमिंटन खिलाड़ियों की टीम पहुंची। जिसमें बालक और बालिकाएं दोनों वर्ग मौजूद रहे। जहां उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बैटमिंटन टीम के खिलाड़ियों से जिले की टीम का चयन किया जाएगा। खिलाड़ियों के खेल कौशल,सर्विस,रिटर्न पर उनकी क्षमता को परखकर एक मजबूत जिला टीम का गठन किया जाएगा। जिला स्तर पर चुनी गई यह टीम आगे चलकर संभागीय या राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। यह प्रतियोगिता उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार आयोजित की जाती है। जिसके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अगले दौर के लिए चुना जाएगा।इस दौरान प्राचार्य डॉक्टर सत्यशील गेडाम,डॉक्टर योगेश बिसेन, कृष्णा पराते,नरेंद्र डोंगरे,दोमदत्त सिंह, अनिल झलवडे,विनोद ठाकुर,मनोज खरोले, डॉक्टर रक्षा निकोसे, तृप्ति सोनवे मौजद रहे।

खिलाड़ी अपने अच्छे खेल से पहचाना जाता है-गणेश ठाकुर

बैडमिंटन खिलाड़ी गणेश ठाकुर ने कहा कि जिले में इतना बड़ा और सुसज्जित स्टेडियम वारासिवनी में है। सबसे ज्यादा बैडमिंटन खिलाड़ी हमारे वारासिवनी में ही है और वारासिवनी से जिले की टीम का चयन होना हमारे लिए गौरव की बात है।मैं भी कई वर्षों से बैडमिंटन खेल रहा हुं खिलाड़ियों को मेरे से जो भी सहयोग लगे। मैं हमेशा उनकी मदद करत हुं,हर व्यक्ति को बैडमिंटन खेलना चाहिए।हमेशा हमारे वारासिवनी नगर में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से बड़े.बड़े खेल होते रहते है।

मुझसे जब भी कोई सहयोग लगे हमेशा द्वार खुले है-.विवेक पटेल'

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ खेल का श्रेय विद्यालय के स्पोर्ट्स टीचर और कोच को जाता है। खिलाड़ी कभी बूढ़ा नहीं होता है वह कभी भी कोई भी खेल,खेल सकता है। वारासिवनी के बैटमिंटल स्टेडियम से जिले की टीम का चयन होगा ये हमारे वारासिवनी के लिए गर्व की बात है। मेरे नगर पालिका अध्यक्ष रहते हुए इस बैडमिंटल स्टेडियम बनाने का तय किया गया था। मगर मेरा कार्यकाल समाप्त हो गया सबसे ज्यादा खिलाड़ी वारासिवनी नगर के है।मैं खुद सुबह उठकर बैटमिंटन खेलने जाता हूं जिले की टीम का चयन होने के बाद खिलाड़ियों को और आगे जाने का रास्ता मिलेगा। हमारे क्षेत्र में बैटमिंटन का खेल तेजी से बढ़ रहा है, मुझसे जब भी कोई खिलाड़ी बैडमिंटल में सहयोग मांगना आता है मैं उन्हें पूरा सहयोग करता हुं खेल कोई भी हो खेलना चाहिए।

हम खेल के क्षेत्र में एक नयी पहचान बनाना चाहते है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हुये कहा की आज सर्व सुविधायुक्त सिथेंटिक कोर्ट वारासिवनी में खेलते हुये बेहद अच्छा महुसस कर रहे होंगे। अब यही खिलाडी अगर भोपाल व दिल्ली की प्रतियोगिता में खेलेंगे तो उन्हे किसी प्रकार की कोई परेशानी नही जायेगी। उन्हे लगेंगा की हम होम ग्राउंड में ही खेल रहे है। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा की हम खेल के क्षेत्र में एक नयी पहचान बनाना चाहते है। हमने इसी स्टेडियम में अभी से प्रायमरी व मिडिल क्लास के बच्चो की बैडमिंटन सहित अन्य खेलो की नर्सरी तैयार करते हुये योग्य प्रशिक्षको से प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। जब यह प्रतिभावान आपकी उम्र में आयेंगे तब निश्चित ही एक अच्छे खिलाडी के रूप में पहचाने जायेंगे। वहीं कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा की आज खिलाडियों की खेल कला को देखकर विश्वास हो गया की हमारा जिला अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने के लिये पुरी तरह तैयार हो गया है।

मदनपुर कासपुर मार्ग जर्जर, जोखिम भरा हुआ सफर

डामर की परत उखड़ने से जगह जगह गड्ढों का अंबार, हादसे का शिकार हो रहे राहगीर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर को ग्रामीण अंचलों से होते हुए जिला मुख्यालय बालाघाट को जोड़ने वाला वारासिवनी मदनपुर कासपुर मार्ग वर्तमान में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। करीब ९ किलोमीटर लंबे इस मार्ग की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है कि यहाँ से गुजरना लोगों के लिए जान हथेली पर लेकर चलने के समान हो गया है। जगह जगह से डामर की परतें उखड़ जाने के कारण पूरे मार्ग में जानलेवा गड्ढों का अंबार लग गया है जिससे आए दिन राहगीर और वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

पैंचवर्क के नाम पर खाना पूर्ति खुले छोड़े गए गड्ढे

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कुछ समय पूर्व ही इस मार्ग का निर्माण कराया गया था। नियमानुसार निर्माण एजेंसी के द्वारा नियमित रखरखाव किया जाना था लेकिन बीते दिनों पैंचवर्क के नाम पर केवल चंद गड्ढों को भरकर इतिश्री कर ली गई। बारिश से पहले सड़कों के गड्ढों की सफाई तो की गई लेकिन मरम्मत किए बिना ही उन्हें खुला छोड़ दिया गया।लगातार बारिश और भारी वाहनों के दबाव से स्थिति और भयानक हो गई है। वर्तमान में बारिश का मौसम होने के कारण गड्ढों में पानी भरा रहता है जिससे गहराई का अंदाजा लगाना नामुमकिन हो जाता है। सबसे विकट स्थिति रात के समय बनती है नगर क्षेत्र के बाद ग्रामीण मार्ग पर लाइट की व्यवस्था नही होने से चारों तरफ अंधेरा पसरा रहता है। रात में गड्ढे दिखाई नही देने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर पलट रहे हैं। यह मार्ग नगर और जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली प्रमुख जीवनरेखा है। इस रास्ते से प्रतिदिन मदनपुर, कासपुर, एकोड़ी, आलेझरी, दंदुटोला, उमरटोला, केरा, भांडी, पिपरिया, वाराटोला और कायदी सहित दर्जनों गांवों के ग्रामीणों का दिन रात आना जाना लगा रहता है। इस बदहाली का सबसे बड़ा खामियाजा उन स्कूली छात्र छात्राओं और कॉलेज के विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है जो उच्च शिक्षा के लिए रोजाना वारासिवनी आते.जाते हैं। सड़क की इस दुर्दशा को लेकर राहगीरों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों का स्पष्ट तौर पर कहना है कि मेंटेनेंस एजेंसी की घोर लापरवाही के कारण ही यह सड़क समय से पहले उखड़ गई है। ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल इस मार्ग का गुणवत्तापूर्ण पैचवर्क कराया जाए अथवा नवीन सड़क का निर्माण स्वीकृत किया जाए ताकि किसी बड़े हादसे को होने से रोका जा सके।

सड़क में अनगिनत गड्ढे हो गए हैं लोगों के जान को खतरे में डाल रहे है-सोहनलाल कटरे

ग्रामीण सोहनलाल कटरे ने बताया की हम मदनपुर के पास रहते हैं हमें अपनी दैनिक कार्यों के लिए रोजाना आना जाना होता है तो यह मार्ग बहुत बड़ी समस्या हमारे सामने रहती है। कई बार दुर्घटनाग्रस्त लोग हो जाते हैं वाहन अनियंत्रित भी होते हैं बहुत ज्यादा दिक्कत बनी हुई है। क्योंकि सड़क में अनगिनत गड्ढे हो गए हैं जो लोगों के जान को खतरे में डाल रहे हैं इसका पैच वर्क तो अभी तक हमें समझ नहीं आया। सड़क निर्माण के बाद एक बार शायद ही पैच वर्क किया गया था उसके बाद से यहां ऐसा ही पड़ा हुआ है।

सड़क बहुत खराब है जिम्मेदार अधिकारियों ने इसका सुधार कार्य नहीं किया-राकी देशमुख

राकी देशमुख ने बताया की मैं कासपुर रहता हूँ यह जो रास्ता है वह पूरा बर्बाद है कहीं भी ठीक सड़क नहीं है और पिछले डेढ़ साल से यह सड़क खराब है पर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने अभी तक इसका सुधार कार्य नहीं किया है। रास्ते में गड्ढे की गिट्टी फैली हुई है हमारे खुद के वाहन कई बार अनियंत्रित हो जाते हैं रात के समय सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। अभी बारिश का मौसम है गड्ढे में पानी भी भर जाता है रात मैं रास्ता स्पष्ट नहीं होता है क्योंकि पहेली समस्या अंधेरा फिर सड़क के गड्डे। जिम्मेदार विभाग को गंभीरता से इस समस्या का निराकरण करना चाहिए परंतु ऐसा लगता है कि वह किसी बड़े हादसे की राह देख रहे हैं।

समय रहते मरम्मत नही करने और लापरवाही करने के कारण सड़क हुई खराब-मानिक ठाकरे

मानिक ठाकरे ने बताया की एफसीआई गोदाम के सामने से यह मार्ग आता है जो मदनपुर,कासपुर, आलेझरी ,एकोडी होते हुए बालाघाट के लिए निकलता है।हर समय यह मार्ग चालू रहता है यहां से ट्रक ट्रैक्टर छोटे बड़े सभी प्रकार के वाहन आना जाना करते हैं। पूरे रास्ते गड्ढे बचाते हुए चलना पड़ता है कई बार अचानक दुर्घटना भी हो जाती है पूरा मार्ग जर्जर हो गया है। गड्ढे इतने है कि सड़क ढूंढनी पड़ रही है यह स्थिति निर्माण एजेंसी के द्वारा समय रहते मरम्मत नही करने और लापरवाही करने के कारण हुई है।तो वहीं संबंधित विभाग को पूर्व में शिकायत भी की गई थी पर कोई हल नहीं निकला ।अभी फिर शिकायत करना पड़ेगा हम यही चाहते हैं कि मार्ग की स्थिति का सुधार हो।

ऑलराउंडर युग में खिलाड़ी भी खेल के क्षेत्र में बना सकते है अपना कैरियर- प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिले की भव्य अंतराज्यीय कब्बडी प्रतियोगिता घोटी में फिर से अपना आत्मीय जुड़ाव दिखाते हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने शामिल होकर मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र राज्य के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। बैनगंगा क्लब युवा समिति घोटी के तत्वाधान में आयोजित प्रतियोगिता के कशमकश भरे खिताबी मुकाबले में महाराष्ट्र राज्य की दोनों टीमो में सड़क अर्जुनी ने विजेता व दौनीवाड़ा ने उपविजेता बनकर चमचमाती ट्राफी व हजारों रुपये के नगदी इनाम पर कब्जा किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की कबड्डी खेल से बेहतर स्टेमिना व मांसपेशियों को शारीरिक फायदा मिलता है। आज के ऑलराउंडर युग में हम खेल से भी कैरियर बना सकते है। हमारे सामने नजारे है की सचिन तेंदुलकर,विनोद कांबली आदि ने कम शिक्षा के बाद भी विश्व पटल पर धमाकेदार सफलता हासिल की है। श्री जायसवाल ने कहा की करोड़ो रूपये के घोटी पूल का कार्य अब समाप्ति पर है। जल्द निकट के महाराष्ट्र राज्य से हम व्यापारिक रूप से भी सीधे जुड़ जाएंगे। हमारा सदैव प्रयास रहा है की हम खेल जगत को हर सुविधा देकर उसे क्षेत्र की नयी पहचान बनाये। घोटी सरपंच नरेंद्र सिंह ठकरेले ने घोटी पूल की जबरदस्त सौगात के लिए गुड्डु भैया का आभार व्यक्त करते हुये ग्रामीणों के अपार समुदाय के बीच दम भरा की इस विधानसभा चुनाव में हम ८० प्रतिशत से आगे बढ़ते हुए गुड्डु भैया को पंचायत से ८५ प्रतिशत वोट दिलवाएंगे। इस दौरान दुर्गाप्रसाद लिल्हारे ,जसवंत पटले, नन्दलाल बहेश्वर , विमल प्रसाद तीवड़े, युवराज कावरे, विजय महेश लिल्हारे, दशरथ कावड़े, रंजीत लिल्हारे, अजय बैस, राकेश सेलोकर,सुरेंद्र चौरागडे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जलवायु बदली, जल नीति कब?

भारत में पानी का संकट केवल पानी की कमी का संकट नहीं है। यह पानी के असमान वितरण, बदलते वर्षा-चक्र, गिरते भूजल, बढ़ती मांग और नदियों को देखने की हमारी दृष्टि का भी संकट है। एक ही देश में कहीं बाढ़ जीवन और आजीविका बहा ले जाती है तो कहीं लोग पीने और सिंचाई के पानी के लिए तरसते हैं। सवाल केवल यह नहीं है कि पानी कितना है, बल्कि यह भी है कि हम उसके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। नई दिल्ली के भारत मंडपम में नौवें इंडिया इंटरनेशनल वाटर वीक-2026 के उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने जल को जीवन और सभ्यताओं का आधार बताया। 22 से 26 सितंबर तक चल रहे इस आयोजन की थीम 'जलवायु-अनुकूल जल प्रबंधन' है। थीम जितनी सामयिक है, उससे बड़ा सवाल भी उतना ही सीधा है—जब जलवायु बदल चुकी है तो हमारी जल नीति कब बदलेगी? उपराष्ट्रपति ने भारत की जल-विषमता की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि दुनिया की कुल भूमि का लगभग 2.4 प्रतिशत भारत में है, जबकि दुनिया की करीब 18 प्रतिशत आबादी यहां रहती है और मीठे पानी के वैश्विक संसाधनों में भारत की हिस्सेदारी लगभग चार प्रतिशत है। यह आंकड़ा केवल संकट की तस्वीर नहीं दिखाता, बल्कि उस भविष्य की ओर संकेत करता है जिसमें पानी के इस्तेमाल का मौजूदा तरीका ज्यादा समय तक नहीं चल सकता। आबादी बढ़ेगी, शहर फैलेंगे, उद्योग बढ़ेंगे और कृषि की पानी की जरूरत बनी रहेगी। ऐसे में पानी को केवल उपलब्ध संसाधन मानकर उसका अधिकाधिक दोहन करना भविष्य के संकट को आमंत्रित करना है। उपराष्ट्रपति ने तमिलनाडु में अपने बचपन के दिनों की पानी की कमी को याद करते हुए पानी बचाने को मानवता के लिए आवश्यक बताया। अब यह चिंता किसी एक क्षेत्र की नहीं रह गई है। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा की प्रकृति, उसकी तीव्रता और वितरण को अधिक अनिश्चित बनाया है। कहीं कुछ घंटों में इतनी बारिश होती है कि शहर डूब जाते हैं और खेत तबाह हो जाते हैं, तो कहीं लंबे समय तक बारिश नहीं होती। फिर वही इलाका गर्मियों में पानी के संकट से जूझता है। बाढ़ और सूखा इसलिए दो अलग-अलग समस्याएं नहीं हैं। वे एक ही जलचक्र के दो छोर हैं। पानी को जब उसकी प्राकृतिक गति में जगह नहीं मिलती तो अधिक बारिश बाढ़ बन जाती है। वर्षा का पानी जमीन में नहीं उतरता तो कुछ महीनों बाद वही क्षेत्र भूजल संकट से घिर सकता है। यही वह बिंदु है जहां जल प्रबंधन की पारंपरिक सोच बदलने की जरूरत है। उपराष्ट्रपति ने दो दशक से अधिक पहले तमिलनाडु में लगभग 19 हजार किलोमीटर की रथयात्रा का उल्लेख किया, जिसका एक उद्देश्य नदी जोड़ने, जल संरक्षण और जल प्रबंधन के प्रति जागरूकता पैदा करना था। नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाओं पर देश में लंबे समय से बहस होती रही है। इस बहस को केवल समर्थन या विरोध के नारों तक सीमित करने के बजाय वैज्ञानिक कसौटी पर परखा जाना चाहिए। नदी केवल पानी की धारा नहीं है। उसका अपना प्रवाह, गाद, जैव-विविधता, भूजल से संबंध और किनारे रहने वाले समुदायों का जीवन होता है। इसलिए किसी भी नदी जोड़ परियोजना का मूल्यांकन पूरे नदी-बेसिन, पर्यावरणीय प्रवाह, गाद की गति और स्थानीय समाज पर उसके प्रभाव को ध्यान में रखकर होना चाहिए। भारत की पारंपरिक जल प्रणालियां इस संदर्भ में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। तालाब, कुएं, आहर-पाइन, जोहड़ और बावड़ियां केवल पानी जमा करने की संरचनाएं नहीं थीं। वे स्थानीय जल अनुशासन का हिस्सा थीं। वर्षा कहां रुकेगी, खेत तक पानी कैसे पहुंचेगा और भूजल कैसे भरेगा—इन सवालों के स्थानीय उत्तर समाज ने अपने अनुभव से विकसित किए थे। लेकिन परंपरा का अर्थ अतीत में लौटना नहीं है। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ना होगा।

अंत्योदय-विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती (अंत्योदय दिवस), 25 सितंबर 2026 पर विशेष

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है।

'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है- 'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा।

भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम' जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है?

2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन, समाज, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों-सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी, युवाओं को कौशल देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी, स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नई तकनीकें इस पहुंच को तेज कर सकती हैं, 2026 में नीति आयोग की डीपीआई-2047 रूपरेखा ने भी डिजिटल अवसंरचना को समावेशी और उत्पादकता-आधारित विकास से जोड़ा है। अंत्योदय का सबसे बड़ा संदेश यही है कि राष्ट्र की प्रगति को ऊपर से नीचे नहीं, नीचे से ऊपर भी देखना होगा। जब अंतिम गांव आगे बढ़ेगा, भारत आगे बढ़ेगा। जब अंतिम परिवार आत्मनिर्भर होगा, भारत मजबूत होगा। जब अंतिम बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाएगा, भारत का भविष्य मजबूत होगा। जब अंतिम श्रमिक को सम्मान और सुरक्षा मिलेगी, भारत की विकास यात्रा अधिक मानवीय होगी।

अंत्योदय दिवस इसलिए केवल 25 सितंबर का एक स्मृति-दिवस नहीं होना चाहिए। इसे राष्ट्र के विकास की नैतिक कसौटी बनाने की आवश्यकता है। दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को युगों तक जीवित रखने वाला सबसे प्रभावी स्मारक कोई भवन या प्रतिमा नहीं, बल्कि ऐसा भारत होगा जिसमें अंतिम व्यक्ति स्वयं को व्यवस्था से बाहर नहीं, बल्कि राष्ट्र की मुख्यधारा का सम्मानित भागीदार महसूस करे। विकसित भारत की ऊंचाई उसकी आर्थिक शक्ति से दिखाई देगी, लेकिन उसकी वास्तविक महानता इस बात से पहचानी जाएगी कि उसकी विकास-यात्रा कितनी दूर तक और कितने लोगों तक पहुंची है। अंत्योदय उसी यात्रा का मानवीय आधार है। 2047 का भारत यदि समृद्ध, सशक्त, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण बनना चाहता है, तो विकास की हर मंजिल पर उसे एक बार पीछे मुड़कर उस अंतिम व्यक्ति को देखना होगा-क्योंकि जिस दिन अंतिम व्यक्ति का उदय होगा, उसी दिन भारत के उदय की पूर्णता होगी।

-ललित गर्ग

पुरुषार्थ जगाएं व्यसन त्यागें

-कांतिलाल मांडोत

व्यसन केवल व्यक्ति की एक बुरी आदत नहीं है, बल्कि यह धीरे-धीरे उसके स्वास्थ्य, परिवार, आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक शांति को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या बन जाता है। आज समाज में नशे के अनेक रूप दिखाई देते हैं। शराब, तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थों की आदत व्यक्ति के जीवन में ऐसी जकड़न पैदा कर देती है, जिससे बाहर निकलना कठिन

होता जाता है। व्यसन की शुरुआत अक्सर शौक, मित्रों के दबाव या केवल एक बार आजमाने से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत आवश्यकता और फिर मजबूरी बन जाती है। इसलिए व्यसन से दूर रहना भी एक प्रकार का पुरुषार्थ है। पुरुषार्थ का अर्थ केवल धन कमाने या कठिन परिश्रम करने तक सीमित नहीं है। अपने मन और इच्छाओं पर नियंत्रण रखना भी पुरुषार्थ है। जो व्यक्ति किसी गलत आदत के सामने दृढ़ता से खड़ा रहकर उसे स्वीकार नहीं करता, वही वास्तविक अर्थों में पुरुषार्थी है। जीवन में अनेक अवसर ऐसे आते हैं, जब व्यक्ति को सही और गलत के बीच चुनाव करना पड़ता है। उस समय आत्मसंयम और दृढ़ इच्छाशक्ति ही उसकी रक्षा करते हैं। व्यसन छोड़ने का निर्णय भी इसी दृढ़ इच्छाशक्ति से संभव होता है। इतिहास में महात्मा गांधी का जीवन पुरुषार्थ और आत्मसंयम का उदाहरण माना जाता है। दक्षिण अफ्रीका में जेल के दौरान वे दिए गए काम को निर्धारित समय से पहले पूरा कर लेते और शेष समय ज्ञानवर्धक पुस्तकों के अध्ययन में लगाते थे। उनका यह स्वभाव बताता है कि मनुष्य अपनी परिस्थितियों से ऊपर उठकर अपनी क्षमता और पुरुषार्थ का उपयोग कर सकता है। यही सिद्धांत व्यसन मुक्ति पर भी लागू होता है। यदि व्यक्ति अपने भीतर यह संकल्प पैदा कर ले कि उसे नशे का गुलाम नहीं बनना है, तो धीरे-धीरे वह अपनी आदत पर नियंत्रण प्राप्त कर सकता है। व्यसन का सबसे पहला और गहरा असर व्यक्ति के परिवार पर पड़ता है। नशे की आदत के कारण कमाई का बड़ा हिस्सा व्यसन में खर्च होने लगता है। घर की आवश्यकताओं के लिए धन की कमी पैदा होती है और परिवार में तनाव बढ़ता है। कई बार नशे की अवस्था में व्यक्ति अपने व्यवहार पर नियंत्रण खो देता है, जिससे परिवार के सदस्यों को मानसिक पीड़ा और सामाजिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। बच्चों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर होता है, क्योंकि वे घर के वातावरण से बहुत कुछ सीखते हैं। व्यसन व्यक्ति की कार्यक्षमता को भी कमजोर करता है। जो धन शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य, रोजगार या परिवार के भविष्य को बेहतर बनाने में लगाया जा सकता है, वही नशे की आदत में नष्ट हो जाता है। इस कारण आर्थिक कठिनाइयां बढ़ती हैं और व्यक्ति कर्ज तथा तनाव के चक्र में फंस सकता है। एक व्यसन दूसरे व्यसन का रास्ता भी खोल सकता है। जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण खो देता है, तब गलत संगति और अन्य बुरी आदतों का प्रभाव भी बढ़ सकता है। व्यसन का प्रभाव केवल घर तक सीमित नहीं रहता। इससे समाज में अपराध, घरेलू विवाद, सड़क दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए नशा मुक्ति केवल किसी एक व्यक्ति का निजी विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज के हित से जुड़ा विषय है। सरकार और सामाजिक संस्थाएं समय-समय पर नशा मुक्ति के लिए अभियान चलाती हैं, लेकिन केवल सभाओं, नारों और कार्यक्रमों से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। सबसे जरूरी है कि व्यक्ति स्वयं व्यसन छोड़ने का संकल्प करे और परिवार तथा समाज उसे इस प्रयास में सहयोग दें। व्यसन मुक्ति का सबसे मजबूत आधार आत्मसंयम है। किसी व्यक्ति को यदि नशे की आदत लग चुकी है तो उसे तिरस्कार करने के बजाय समझाने और सहयोग देने की जरूरत है। परिवार को उसके साथ धैर्य रखना चाहिए और आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय तथा परामर्श सहायता भी लेनी चाहिए। व्यक्ति को अपने खाली समय का उपयोग सकारात्मक कार्यों में करना चाहिए। अध्ययन, योग, ध्यान, धार्मिक गतिविधियां, सेवा कार्य, खेल और रचनात्मक कार्य मन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं।

व्यसन छोड़ने के लिए पहला कदम स्वीकार करना है कि यह आदत जीवन को नुकसान पहुंचा रही है। इसके बाद दृढ़ संकल्प के साथ धीरे-धीरे उससे दूरी बनानी चाहिए। जिस संगति या वातावरण में नशे की आदत को बढ़ावा मिलता है, उससे दूरी रखना भी जरूरी है। अपने परिवार के भरोसे और सहयोग को अपनी शक्ति बनाना चाहिए। जो व्यक्ति आज नशे का त्याग करता है, वह केवल अपना भविष्य नहीं बचाता, बल्कि अपने परिवार की खुशियां और आने वाली पीढ़ी का संस्कार भी बचाता है। व्यसन मनुष्य की स्वतंत्रता छीन लेता है। जो व्यक्ति अपनी इच्छा के अनुसार नहीं, बल्कि नशे की मांग के अनुसार जीवन जीने लगे, वह धीरे-धीरे अपनी निर्णय क्षमता खोने लगता है। इसलिए वास्तविक स्वतंत्रता यही है कि मनुष्य अपनी इच्छाओं और आदतों का स्वामी बने, उनका गुलाम नहीं। व्यसन से बचने के लिए बाहरी शक्ति से अधिक भीतर की शक्ति की आवश्यकता होती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज व्यसन को फैशन या आधुनिकता का प्रतीक मानने के बजाय उसके दुष्परिणामों को समझे। युवाओं को विशेष रूप से यह संदेश देना होगा कि जीवन की सफलता नशे में नहीं, पुरुषार्थ में है। मेहनत से अर्जित धन परिवार को समृद्ध करता है, जबकि व्यसन उसी धन और स्वास्थ्य को नष्ट कर सकता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर यह संकल्प जगाना चाहिए कि वह किसी भी प्रकार के व्यसन को अपने जीवन पर हावी नहीं होने देगा। पुरुषार्थी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से लड़ता है, अपनी कमजोरियों को पहचानता है और उन्हें दूर करने का प्रयास करता है। व्यसन छोड़ना कठिन अवश्य हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। दृढ़ इच्छाशक्ति, परिवार का सहयोग, सही मार्गदर्शन और सकारात्मक जीवनशैली के सहारे व्यक्ति इस बंधन से बाहर आ सकता है। जब व्यक्ति व्यसन को छोड़कर संयम को अपनाता है, तब उसके जीवन में स्वास्थ्य, सम्मान, आर्थिक स्थिरता और आत्मविश्वास लौटने लगते हैं। इसलिए समय रहते जागना जरूरी है। पुरुषार्थ जगाइए, व्यसन त्यागिए और जीवन को स्वस्थ, संयमित तथा सार्थक बनाइए।

रथ के रंग से निकली सियासत की बड़ी लड़ाई

उत्तर प्रदेश की आगामी 2027 की सियासत में चुनावी रणभेरी अभी पूरी तरह बजी भी नहीं है, लेकिन राजनीतिक तीर-कमान निकल चुके हैं। समाजवादी पार्टी की पीडीए राजनीति और बहुजन समाज पार्टी के सर्वजन संदेश के बीच खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। बसपा की सुप्रीमो सुश्री मायावती ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए जिस तरह पीडीए रथ के रंग को राजनीतिक सवाल बना दिया है, उससे साफ है कि आने वाले चुनाव में लड़ाई केवल सत्ता के गलियारों तक सीमित नहीं रहने वाली। असली जंग सामाजिक समीकरणों, वोट बैंक और राजनीतिक नैरेटिव पर भी होगी।

मायावती ने सवाल उठाया है कि सपा का पीडीए रथ अपने पारंपरिक लाल रंग से कम और भाजपा-आरएसएस के भगवा रंग से अधिक प्रभावित क्यों नजर आ रहा है। उनके शब्दों में यह सवाल महज रंग का नहीं, बल्कि राजनीति के बदलते रंग का है। मायावती ने इसे सपा की वोट की राजनीति से जोड़ते हुए यह तक पूछ दिया कि क्या अखिलेश यादव का मुस्लिम मतदाताओं पर पहले जैसा भरोसा नहीं रहा? सियासत में प्रतीकों की अपनी ताकत होती है। झंडे का रंग हो या चुनावी रथ, नारा हो या यात्रा हर चीज मतदाता तक एक राजनीतिक संदेश पहुंचाती है। लेकिन राजनीति के रंगों को सीधे वैचारिक बदलाव का प्रमाण मान लेना भी जल्दबाजी होगी। किसी प्रचार वाहन का रंग अपने आप में किसी दल की नीति, विचारधारा या चुनावी रणनीति का निर्णायक प्रमाण नहीं बन जाता। फिर भी मायावती ने जिस मुद्दे को उठाया है, उसकी राजनीतिक अहमियत इसलिए है क्योंकि उन्होंने रंग के बहाने सीधे सपा के सामाजिक समीकरण पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव की राजनीति में पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक सामाजिक समूहों का गठजोड़ एक प्रमुख राजनीतिक सूत्र के रूप में सामने आया है। समाजवादी पार्टी इस सामाजिक समीकरण को भाजपा के मुकाबले एक वैकल्पिक राजनीतिक धुरी के रूप में पेश करती रही है। मायावती का सवाल इसी धुरी की विश्वसनीयता पर है। वह पूछ रही हैं कि आखिर पीडीए की जमीन पर सपा का वास्तविक सामाजिक आधार कितना मजबूत है और उसमें दलितों तथा अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी किस रूप में है? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोट लंबे समय से बसपा की केंद्रीय राजनीतिक ताकत रहे हैं। यदि कोई दूसरा दल दलितों को अपने सामाजिक गठजोड़ का हिस्सा बनाने की कोशिश करता है तो स्वाभाविक रूप से बसपा के लिए यह राजनीतिक चुनौती बनती है। मायावती का हमला इसी चुनौती का जवाब भी माना जा सकता है। मायावती ने मुस्लिम मतदाताओं का भी विशेष उल्लेख किया है। उनका तर्क है कि यदि मुस्लिम समाज ने पिछले चुनावों में समाजवादी पार्टी को समर्थन दिया, लेकिन उसके बावजूद भाजपा को सत्ता में आने से नहीं रोका जा सका, तो मुस्लिम मतदाताओं को अपने राजनीतिक विकल्प पर विचार करना चाहिए। यह तर्क सीधे उस धारणा को चुनौती देता है कि मुस्लिम मतदाता स्वाभाविक रूप से सपा के साथ रहेगा। लेकिन यहां भी चुनावी राजनीति का एक पुराना सच सामने आता है। कोई भी वोट बैंक स्थायी नहीं होता। मतदाता किसी दल के साथ हमेशा के लिए बंधा नहीं होता। परिस्थितियां बदलती हैं, मुद्दे बदलते हैं और राजनीतिक समीकरण भी बदलते हैं। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और सामाजिक रूप से विविध राज्य में जाति, समुदाय, स्थानीय प्रत्याशी, सरकार का प्रदर्शन, राष्ट्रीय मुद्दे और चुनावी गठबंधन सभी मिलकर मतदान व्यवहार को प्रभावित करते हैं इसलिए मायावती का मुस्लिम मतदाताओं को दिया गया संदेश केवल सपा पर हमला नहीं है। यह बसपा की ओर से राजनीतिक विकल्प का दरवाजा खोलने की कोशिश भी है। मायावती ने अपने बयान में ऊंची जातियों, खासकर ब्राह्मण समाज के बीच भी बसपा के पक्ष में रुझान बढ़ने का दावा किया है। यह दावा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि बसपा की राजनीति का एक बड़ा अध्याय सामाजिक इंजीनियरिंग से जुड़ा रहा है। दलित आधार के साथ ब्राह्मण और अन्य सामाजिक समूहों को जोड़ने का प्रयोग उत्तर प्रदेश की राजनीति में पहले भी महत्वपूर्ण रहा है। ऐसे में मायावती का यह दावा बताता है कि बसपा एक बार फिर व्यापक सामाजिक गठबंधन की संभावना तलाश रही है लेकिन दावे और जमीन की हकीकत में अंतर होता है। किसी सामाजिक समूह के राजनीतिक रुझान में बदलाव का अंतिम प्रमाण चुनाव परिणाम या विश्वसनीय सर्वेक्षण ही दे सकते हैं। चुनाव से पहले किए गए राजनीतिक दावे स्वाभाविक रूप से अपने-अपने दलों के हित और रणनीति से जुड़े होते हैं। मायावती का दूसरा महत्वपूर्ण हथियार कानून-व्यवस्था का मुद्दा है। उन्होंने अपने शासनकाल को अपराध नियंत्रण, शांति-व्यवस्था और कानून के राज से जोड़ते हुए कहा है कि बसपा ऐसी सरकार का अनुभव पहले दे चुकी है। यह कोई नया राजनीतिक तर्क नहीं, बल्कि बसपा के चुनावी विमर्श का पुराना और महत्वपूर्ण हिस्सा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में कानून-व्यवस्था हमेशा बड़ा चुनावी मुद्दा रही है। अलग-अलग सरकारें अपने कार्यकाल को लेकर अलग-अलग दावे करती रही हैं और विपक्ष उनके दावों को चुनौती देता रहा है। ऐसे में चुनावी बहस का वास्तविक आधार यह होना चाहिए कि सरकारों के कार्यकाल में अपराध, पुलिस व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया, निवेश, रोजगार और जनकल्याण से जुड़े ठोस आंकड़े क्या कहते हैं। मायावती का सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का संदेश इसी प्रशासनिक दावे के साथ जुड़ा हुआ है। वह बसपा को केवल दलित राजनीति तक सीमित नहीं रखना चाहतीं। उनका कहना है कि पार्टी समाज के सभी वर्गों के लिए रोटी, रोजगार, सम्मान और स्वाभिमान की राजनीति करती है।

एक तरफ सपा का पीडीए है, जो पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को एक राजनीतिक छतरी के नीचे लाने की कोशिश करता है। दूसरी तरफ बसपा का सर्वजन संदेश है, जो सामाजिक दायरे को व्यापक बनाने की बात करता है। दोनों ही रणनीतियों की सफलता अंततः इस बात पर निर्भर करेगी कि वे जमीन पर कितने मतदाताओं को अपने साथ जोड़ पाते हैं।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पुराने सामाजिक समीकरण अपनी पुरानी शक्ल में कायम रहेंगे या मतदाताओं का नया पुनर्संयोजन होगा?

मायावती का बयान इस संभावित पुनर्संयोजन की ओर संकेत करता है। वह सपा के उस दावे को चुनौती दे रही हैं कि पीडीए उसके लिए व्यापक सामाजिक समर्थन का आधार बन सकता है। साथ ही वह मुस्लिम मतदाताओं को यह संदेश दे रही हैं कि बसपा उनके सामने एक अलग राजनीतिक विकल्प है। इसी क्रम में ब्राह्मण और अन्य सवर्ण समूहों का उल्लेख करके वह अपने सामाजिक आधार को व्यापक बनाने की कोशिश का संकेत भी देती हैं।

इस पूरी कवायद में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब केवल कौन किसके साथ है का सवाल नहीं है। उससे बड़ा सवाल है ? कौन किस सामाजिक समूह को किस राजनीतिक भाषा में अपने साथ जोड़ सकता है?

पीडीए बनाम सर्वजन का यह विमर्श आने वाले चुनावी माहौल में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक टकराव बन सकता है। लेकिन इसका जवाब नारों से नहीं मिलेगा। इसका जवाब उम्मीदवारों के चयन, संगठन की सक्रियता, स्थानीय मुद्दों और अंततः मतदाताओं के फैसले में मिलेगा। मायावती ने फिलहाल गेंद अखिलेश यादव के पाले में डाल दी है। उन्होंने पीडीए की वास्तविकता पर सवाल किया है, मुस्लिम मतदाताओं के बीच सपा की पकड़ को चुनौती दी है और अपने शासन के रिकॉर्ड को फिर बहस में खड़ा किया है। अब देखना यह होगा कि समाजवादी पार्टी इस हमले का जवाब किस राजनीतिक भाषा में देती है। कुल मिलाकर, पीडीए रथ का रंग भले ही इस राजनीतिक विवाद का तत्काल कारण बना हो, लेकिन असली लड़ाई रंगों की नहीं, वोट के सामाजिक रंगमंच की है। लाल, भगवा और नीला ये सभी उत्तर प्रदेश की राजनीति में केवल रंग नहीं, बल्कि अलग-अलग राजनीतिक पहचानों और दावों के प्रतीक हैं। चुनावी मैदान में असली परीक्षा इन प्रतीकों की नहीं, बल्कि उन सामाजिक गठबंधनों की होगी जिन्हें ये प्रतीक अपने पीछे खड़ा करने में सफल होते हैं। उत्तर प्रदेश की सियासत में रंग बदलने के आरोप नए नहीं हैं। लेकिन इस बार मायावती का संदेश साफ तौर पर यह है कि वह सपा को अपने सामाजिक आधार पर एकतरफा बढ़त देने के मूड में नहीं हैं। वह पीडीए की राजनीति को चुनौती देकर बसपा के लिए फिर से राजनीतिक जमीन तलाश रही हैं। अब सवाल सिर्फ यह नहीं कि पीडीए रथ का रंग क्या है। बड़ा सवाल यह है कि चुनावी मौसम चढ़ने के साथ उत्तर प्रदेश की राजनीति का रंग किस तरह बदलता है। और इस बदलते रंगमंच पर कौन से सामाजिक समीकरण टिकते हैं, कौन-से बिखरते हैं और कौन कौन से नए समीकरण आकार लेते हैं। इसका फैसला राजनीतिक मंच पर नेता नहीं, मतदाता करेंगे।

- सौरभ वार्ष्णेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आयातित मालों में बनी सुर्खी से गुरूवार को खाद्य तेलों में बाजार तेजी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। दलहनों में चना सुर्ख रहा। किराना जिंसों में बड़ी इलायची में मजबूती रही। तरबूज मगज में बाजार मजबूत रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में माँग का सीजन है। सोयाबीन उत्पादन में कमी और आयातित मालों की तेजी से बाजार में नरमी के समीकरण कमजोर है। तिलहनों में सोयाबीन टिका रहा। दलहनों में सुस्त बिकवाली से चना सुर्खी पर रहा। उड़द व मूंग में बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में बड़ी इलायची में पूछपरख से भावों में सुधार रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4720-4800, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1760-1800, मुम्बई 1790, राजकोट तेलिया 2750, सोया साल्वेंट 1355-1360, सोया रिफाइंड 1420-1425, कपास्या 1520, धूलिया 1525, कड़ी 1520,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725, मुम्बई पाम 1460, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 5800, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7000-7100, विशाल 6900-7000, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-8400, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाअक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में ग्राहकी ठंडी-ठंडी ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 231000, चाँदी (99) 230800, टंच 230200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149600,

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.96 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.84 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर दोनों मजबूत हुए, जिसका असर रुपये पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पूंजी का प्रवाह घरेलू मुद्रा को सहारा देने में विफल रहा क्योंकि घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती बनी हुई है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.84 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में दबाव में रहा। यह पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.73 पर बंद हुआ था। इससे एक दिन पहले इसमें 16 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी बढ़कर 100.87 पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे एक ही दिनों में निवेशकों के करोड़ों रुपये डूब गये। आज जब सभी क्षेत्रों में हुई भारी बिकवाली के चलते इक्विटी इंडेक्स नीचे आया। दिन भर के कारोबरर के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,247.71 अंक नीचे आकर 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 383.70 अंक खिसककर 23,063.10 पर बंद हुआ। बाजार की इस चौतरफा गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीएसई पर कुल 4,573 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से केवल 1,476 शेयरों में ही बढ़त दर्ज की गई, जबकि 2,878 शेयरों में गिरावट आई और 219 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। यह आंकड़ा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि बिकवाली का दबाव व्यापक था। निफ्टी पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी

लाइफ, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और इंटरग्लोब एविएशन प्रमुख रहे, जिन्होंने सूचकांक को नीचे खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, इस विपरीत माहौल में सिप्ला और एनटीपीसी जैसे कुछ ही शेयरों में मामूली बढ़त देखने को मिली, जो बाजार के निराशाजनक रुख को और पुख्ता करता है। निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स गिरकर सबसे अधिक प्रभावित हुआ, उसके बाद निफ्टी मेटल , निफ्टी बैंक, निफ्टी इंफ्रा, निफ्टी ऑटो निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएयू बैंक , निफ्टी एनर्जी 1.2त्न और निफ्टी एफएमसीजी नीचे आए। व्यापक बाजार की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 2 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.5 फीसदी गिरा, जो बताता है कि छोटे और झोले शेयरों में भी भारी बिकवाली हुई। इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार थे। वैश्विक स्तर पर, अमेरिका में बिजनेस एक्टिविटी का पांच साल से अधिक समय में अपने सबसे मजबूत स्तर पर पहुंचना एक चिंता का कारण बना। नए ऑर्डरों में उछाल के कारण यह डेटा बेंचमार्क 10-साल के अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड को 2007 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर ले गया, जिससे बाजार में ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी की उम्मीदें बढ़ गईं।

एफएसएसएआई का ई-कॉमर्स के दिग्गजों पर शिकंजा

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावों और प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री सहित खाद्य सुरक्षा कानूनों के गंभीर उल्लंघन को लेकर कई प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के खिलाफ दंडात्मक प्रक्रिया शुरू की है। इन मंचों में स्विगी इंस्टामार्ट, बिगबास्केट, जेप्टो, फ्लिपकार्ट इंडिया और अमेजन भी शामिल हैं। एफएसएसएआई ने अपने सोशल मीडिया मंच पर इस 'बड़ी कार्रवाई' की जानकारी देते हुए बताया कि उल्लंघन में गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावे और सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले या प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन व बिक्री शामिल है। प्राधिकरण ने हैप्पिलो प्रीमियम डेट बाइट्स - जेस्टी ऑरेंज से जुड़े भ्रामक दावों के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट इंडिया, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और बिगबास्केट के खिलाफ कार्रवाई की है। स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट को मिल्की मिस्ट के कुछ डेयरी उत्पादों, जैसे लो फैट क्रीम और ग्रीक योगर्ट, के भ्रामक दावों और अधूरी उत्पाद जानकारी के लिए निशाना बनाया गया है। इसके अलावा अमेजन सेलर सर्विसेज, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट पर धतूरा के फल/बीज जैसे प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ बेचने के आरोप हैं। एफएसएसएआई पिछले छह महीनों से खाद्य कारोबारियों और ई-कॉमर्स कंपनियों पर अपनी कार्रवाई तेज कर रहा है और सोशल मीडिया के माध्यम से उपभोक्ताओं को भी जागरूक कर रहा है। इन प्लेटफॉर्मों से भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला है।

त्योहारों से पहले खाने के तेल पर आयात शुल्क घटा

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने त्योहारी सीजन से पहले देश में खाने के तेल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों पर लगाम कसने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने विभिन्न खाद्य तेलों के आयात शुल्क में कटौती की घोषणा की है। ये नई दरें 24 सितंबर से प्रभावी हो गई हैं। इस फैसले से घरेलू बाजार में खाद्य तेलों की कीमतों पर कुछ हद तक राहत मिलने की उम्मीद जगी है, हालांकि खुदरा कीमतों पर इसका असर तत्काल दिखाई देना जरूरी नहीं है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, क्रूड सोयाबीन और क्रूड पाम ऑयल पर आयात शुल्क को 10 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसी तरह रिफाइंड सोयाबीन और रिफाइंड पाम ऑयल पर शुल्क 32.5 फीसदी से घटकर 27.5 फीसदी पर आ गया है। सबसे बड़ी राहत क्रूड सनफ्लावर ऑयल पर मिली है, जिसका आयात शुल्क 10 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया गया है, जबकि रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल पर यह 32.5 फीसदी से 22.5 फीसदी हो गया है। आयात शुल्क में इस कटौती से तेल कंपनियों के लिए विदेश से कच्चा और रिफाइंड तेल मंगाना सस्ता हो जाएगा। सैद्धांतिक रूप से, इससे उपभोक्ताओं को भी कीमतों में कमी का लाभ मिल सकता है। हालांकि, खुदरा बाजार में कीमतों पर तत्काल असर दिखना मुश्किल है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम, रुपये की विनिमय दर और कंपनियों के पास मौजूद पुराने स्टॉक जैसे कारक भी अहम भूमिका निभाते हैं। भारत अपनी खाद्य तेल की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, खासकर पाम ऑयल मलेशिया और इंडोनेशिया से, जबकि सोयाबीन और सूरजमुखी तेल भी विदेशों से आते हैं। त्योहारी मांग बढ़ने से पहले सरकार का यह कदम बाजार में तेल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी प्रयास है। हालांकि, इस फैसले का घरेलू किसानों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका भी है। सस्ता आयातित तेल बाजार में आने से स्थानीय तिलहन जैसे सोयाबीन की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं, जिससे किसानों की आय पर दबाव पड़ेगा।

मेष- आज का दिन आपके लिए सुकून और संतुलन लेकर आएगा। धार्मिक या आध्यात्मिक माहौल में समय बिताने से मन को शांति मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग ला सकती है और प्रमोशन या प्रशंसा की खुशखबरी मिल सकती है। कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से चेहरे पर खुशी आएगी। माता-पिता का स्नेह और आशीर्वाद आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। प्रेम संबंधों में साथी की भावनाओं को समझना रिश्ते में और गहराई लाएगा।

वृषभ- आज आपको कई मामलों में लाभ और संतोष मिल सकता है। परिवार में शांति बनाए रखने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। किसी जरूरी या निजी बात को हर किसी के साथ साझा करने से बचें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। संतान से जुड़ी कोई बात थोड़ी चिंता दे सकती है, लेकिन धैर्य से स्थिति संभल जाएगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा और कुछ नया करने की इच्छा भी जागेगी।

मिथुन- आज आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास लोगों का ध्यान खींचेंगे। रास्ते में चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन आप अपनी सूझबूझ से उनका सामना करने में सफल रहेंगे। मन में नया कारोबार शुरू करने का विचार आकार ले सकता है। संतान की खुशी के लिए वाहन या किसी बड़ी वस्तु की खरीदारी पर विचार हो सकता है। पुराने कर्ज को कम करने की दिशा में भी अच्छी शुरुआत होगी। योग और व्यायाम से शरीर और मन दोनों को लाभ मिलेगा।

कर्क- आज अचानक बढ़ते खर्च आपके बजट को थोड़ा बिगाड़ सकते हैं, इसलिए पैसों के मामले में समझदारी जरूरी होगी। नौकरी बदलने का विचार चल रहा है तो जल्दबाजी करने के बजाय परिस्थितियों को थोड़ा और समझें। अपने काम में ईमानदारी और निरंतरता बनाए रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर छोटे उतार-चढ़ाव परेशान कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ मिलकर संतान के भविष्य से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा सकता है।

सिंह- आज किसी नए काम की शुरुआत के लिए समय उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। रिश्तों में प्रेम और अपनापन बढ़ेगा और घर का वातावरण भी खुशनुमा रहेगा। हालांकि कारोबार में बड़े बदलाव करने से फिलहाल बचना बेहतर होगा। पूजा-पाठ या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ खरीदारी और सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा। विद्यार्थियों का पढ़ाई के प्रति ध्यान अच्छा बना रहेगा।

कन्या- आज मेहनत और लगन आपको कामकाज में नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। परिवार में प्रेम और आपसी तालमेल बना रहेगा। दूर रहने वाले किसी प्रिय व्यक्ति की याद मन को भावुक कर सकती है। नौकरीपेशा लोग प्रमोशन या अपनी प्रगति को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए नई जिम्मेदारी या पद की चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य में शुगर या बीपी जैसी समस्याओं को लेकर लापरवाही न करें।

तुला- आज का दिन कुछ अतिरिक्त सावधानी की मांग करेगा। परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं और जल्दबाजी में लिया गया फैसला परेशानी बढ़ा सकता है। आर्थिक मामलों में किसी पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचें। परिवार के साथ खुलकर बातचीत करने से पुरानी गलतफहमियां दूर हो सकती हैं। कारोबार में साझेदारी से जुड़े फैसले सोच-समझकर लें। यात्रा की कोई योजना भी बन सकती है, जो आगे चलकर उपयोगी साबित होगी।

वृश्चिक- आज आपके लिए धैर्य और शांत रहना सबसे जरूरी रहेगा। पिछले दिनों की थकान या मानसिक दबाव से धीरे-धीरे राहत महसूस होगी। काम के बीच खुद के लिए थोड़ा समय निकालना आपको तरोताजा रखेगा।

धनु- करियर के लिहाज से आज का दिन नई संभावनाओं के दरवाजे खोल सकता है। आगे बढ़ने और तरक्की करने के अवसर सामने आएंगे। विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे विद्यार्थियों को कोई अच्छा मौका मिल सकता है। कार्यस्थल की राजनीति से खुद को दूर रखना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यापार में आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर बन सकते हैं। सही समय पर लिया गया फैसला आपकी स्थिति को और मजबूत कर सकता है।

मकर- आज का दिन कुछ उतार-चढ़ाव के साथ आगे बढ़ेगा। दोस्तों के साथ बातचीत या मुलाकात से मन हल्का और प्रसन्न रहेगा। हालांकि पर्दे के पीछे विरोध करने वालों से थोड़ा सतर्क रहना जरूरी होगा। दिखावे या अनावश्यक खरीदारी में जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें।

कुंभ- आज कारोबार में कुछ रुकावटें आपको परेशान कर सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी और धैर्य से परिस्थितियां संभल जाएंगी। दांपत्य जीवन में प्रेम और अपनापन बना रहेगा। किसी रिश्तेदार की ओर से अच्छी खबर मिल सकती है। परिवार के किसी सदस्य की तबीयत बिगड़ने से अचानक जिम्मेदारियां और भागदौड़ बढ़ सकती है।

मीन- आज जिम्मेदारियों के कारण दिन काफी व्यस्त रह सकता है। वैवाहिक जीवन में छोटी-छोटी बातों को लेकर नोकझोंक हो सकती है, इसलिए बातचीत में संयम रखें। कामकाज में बड़ा जोखिम लेने से फिलहाल बचना समझदारी होगी।

शब्दजाल- 8401

म	अ	मु	श	सी	ज	ब	ज	ग	ल	ट
रा	ज	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	ड़
य	प	आ	हे	ज	दी	ना	अ	व	प	रू
इं	नौ	ब	का	ब	वा	स	त	ल	ट	प
प	ना	ह	प्या	र	तो	हो	स	ही	था	त
अ	न	क	प	र	स्व	ल	वी	ण	ई	व
द	नु	न	न	ट्रे	रू	ड्र	र	ज	व	र
क	र	कृ	प	क्श	प	का	र	चो	श	ख
र	व	त	ति	रा	हो	प	य	अ	रे	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	प	द
क	ड	क	अ	ध	न	चि	त्र	ब	त	म

शब्दजाल में 'आकृति' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

बनावट, रूप, शक्ल, स्वरूप, आकार, अनुकृति, आरेख, चित्र, तसवीर, नाकनक्श

शब्दजाल - 8400 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7335

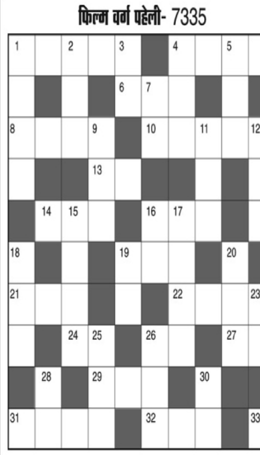

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7334

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2026 वर्ष का 268 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 23.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 11.23 बजे को समाप्त।
योग शूल 14.51 बजे को समाप्त।
करण गर 11.18 बजे तदनन्तर वणिज 23.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 47'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872843
जूलियन दिन 2461308.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 13
विशेष अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती, सद्गुरु धनीदेव परमधाम वास दिवस।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.30 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	09.45 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	12.01 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.06 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.53 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.25 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.56 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.36 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.34 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.48 बजे से
10.30 से		सिंह	03.04 बजे से
12.00 बजे तक		कन्या	05.16 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: किताबी ज्ञान

पुराने जमाने की बात है। एक व्यक्ति अध्ययन करने काशी गया। विभिन्न शास्त्रों की जानकारी प्राप्त करने में उसे बारह वर्ष लग गए। जब वह लौटा तो घर के लोग काफी प्रसन्न हुए। पत्नी ने उसके स्नान के लिए गर्म पानी तैयार किया। वह उस बर्तन को लेकर स्नान गृह गई। उसने देखा कि वहां हजारों चींटियां हैं। उसने सोचा कि कहीं वे बेचारी बेमौत न मर जाएं, इसलिए उसने गर्म पानी के बर्तन को दूसरे स्थान पर रख दिया। पति आया और बर्तन को उठाकर फिर पहले वाले स्थान पर ले गया और वहीं स्नान करने लगा। पत्नी ने देखा तो वह परेशान हो गई। उसने कहा, 'मैंने गर्म पानी का यह बर्तन वहां रखा था, यहां कैसे आ गया?' पति ने कहा, 'तुम भी अजीब बात करती हो। स्नान का स्थान यही है। मैं यहीं नहाऊंगा न। मैं ही उस बर्तन को यहां उठा लाया।' इस पर पत्नी बोली, 'मैं भी पहले यहीं रखना चाह रही थी, लेकिन यहां चींटियां बहुत हैं। आपके स्नान के पानी से वे सब मर जाएंगी। इसलिए मैंने इसे दूसरे स्थान पर रखा था।' पति बोला, 'यह तो अजीब मूर्खतापूर्ण बात है। क्या मैं चींटियों को जिलाने के लिए ही जनमा हूं? अगर मैं इसी तरह हर किसी की चिंता करता रहा तो जीना मुश्किल हो जाएगा।' इस बात से पत्नी दुखी हो गई। उसने कहा, 'बारह वर्ष तक आपने विद्याध्ययन किया। काशी में रहे। लेकिन समझ में नहीं आता कि आपने क्या हासिल किया। ऐसे किताबी ज्ञान से क्या लाभ, जो आपके भीतर संवेदना न पैदा कर सके। क्या आप इतना भी नहीं समझ सके कि किसी प्राणी को अकारण पीड़ा नहीं पहुंचानी चाहिए। ज्ञान का सार तो संवेदनशीलता है। यदि हमारे मन में दूसरों के प्रति सहानुभूति नहीं जागी तो बहुत बड़ा बौद्धिक ज्ञान भी उपयोगी नहीं है।' यह सुनकर पति लज्जित हो गया और वहां से निकलकर दूसरी जगह नहाने लगा।

सूडोकु नवताल- 7644

★☆☆☆☆ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7643 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 8859

बाएँ से दाएँ

1.कथा,गाथा-3
3.भगौना-3
5.पुष्पहार-2
6.वायदा,कसम-2
8.अभिष्ट इच्छापूर्ति,वर-4
11.योग्य,उपयुक्त-3
13.चिंतन,सोच-विचार-3
14.ताश का एक खेल-2
15.संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16.चेहरा,शक्ल-3
18.चाकू,खंजर-3
20.उकसाना,चकमा देना -4
23.लक्ष,सौ हजार-2
25.ईश्वर,भगवान-2
26.विदा,गमन-3
27.लेखनी,पेन-3

ऊपर से नीचे

1.हुनर,फन-2
2.शांति,वीराना-3
3.चिलमन,ओट,घूंघट-3
4.ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5.माजरा,मुद्दा-3
7.आंगन,बरामदा-3
9.भागना (अंग्रेजी-2)
10.चटपटा,क्षारीय-4
12.कारनामा,करिश्मा-4
16.अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17.मालिक,स्वामी-2
19.प्रेम प्रतिद्वंदी(उर्दू-3)
21.बेदखल करना-3
22.फिजूल,व्यर्थ-2
24.गधा,गर्दभ -2
25.एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8858 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

'लांजी के राजा' को दी भावपूर्ण विदाई

गणेशी तालाब में हुआ प्रतिमा विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लांजी। दस दिनों तक पूजा-अर्चना, धार्मिक आयोजनों और भक्ति के रंग में रंगे रहे वार्ड क्रमांक 13 सुंदरटोला के गणेश पंडाल में बुधवार को गणेश प्रतिमा के विसर्जन के साथ दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन हुआ। मित्र मंडल गणेश उत्सव समिति सुंदरटोला द्वारा स्थापित 'लांजी के राजा' की प्रतिमा को गाजे-बाजे, आकर्षक झांकियों और जयघोष के बीच नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग में 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

विधि-विधान से हुई थी गणेश प्रतिमा की स्थापना

गणेश चतुर्थी के अवसर पर 14 सितंबर को सुंदरटोला स्थित गणेश पंडाल में पंडित द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई थी। प्रतिमा स्थापना के साथ ही दस दिनों तक पंडाल में नियमित रूप से गणेश पूजन एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्षेत्र में 'लांजी के राजा' के नाम से प्रसिद्ध गणेश प्रतिमा के दर्शन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पंडाल पहुंचे।

भव्य झांकी के साथ हुआ था बप्पा का आगमन

गणेशोत्सव की शुरुआत से एक दिन पूर्व 13 सितंबर को समिति सदस्यों द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का भव्य आगमन कराया गया था। आकर्षक झांकियों और बैंड-बाजे के साथ प्रतिमा को नगर भ्रमण कराते हुए वार्ड क्रमांक 13 सुंदरटोला स्थित पंडाल तक लाया गया। शोभायात्रा में बाबा महाकाल की प्रतिमा भी विराजित की गई थी, जिसने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। नगरवासियों ने समिति द्वारा आयोजित भव्य झांकी की सराहना की।

महाप्रसादी में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

22 सितंबर को गणेश पंडाल में महाप्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। समिति अध्यक्ष आयुष सातपुते ने बताया कि समिति द्वारा प्रतिवर्ष गणेश उत्सव के दौरान महाप्रसादी का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी नगरवासियों एवं धर्मप्रेमियों के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

शोभायात्रा के बाद गणेशी तालाब में विसर्जन

23 सितंबर को गणेशोत्सव के अंतिम दिन सुंदरटोला स्थित गणेश पंडाल से भगवान श्री गणेश की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। आकर्षक झांकियों, बैंड-बाजे और भक्तिमय जयघोष के साथ 'लांजी के राजा' को नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा के गणेशी तालाब पहुंचने के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर श्रद्धाभाव के साथ गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया गया। प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने बप्पा से अगले वर्ष पुन: आने की कामना की।

समिति सदस्यों का रहा सराहनीय योगदान

गणेशोत्सव एवं विसर्जन आयोजन को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष आयुष सातपुते, उपाध्यक्ष आदित्य रामटेक्कर, सचिव अंकित बागड़े, सहसचिव अंकित चौहान, कोषाध्यक्ष शिवम श्रीवास, सहकोषाध्यक्ष आदेश बनवारी सहित प्रिंस सातपुते, अभय सोनी, राहुल सातपुते, संदीप वाडीवे, देवेश रामटेक्कर, कुशलेश कलपुरिया, आदित्य बनवारी, शैलेन्द्र नरताम, लक्की खानोरकर, शिवम रामटेक्कर, अभय बनवारी, सिद्धांत सातपुते, क्रिष बनवारी, आयुष बनवारी, सागर उइके, शौर्य श्रीवास, गौरव बनवारी, प्रफुल मुरकुटे, मानव वंशपाल, सुजल सातपुते, नमन सोनवाने, मोहित रामटेक्कर, सागर किसान, छोटा रामटेक्कर, ट्विंकल सातपुते, अंकित किरमें, सुमित देशमुख एवं खिलेश सहित समिति के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर शासकीय महाविद्यालय में हुए विविध कार्यक्रम

सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय लांजी में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने ने की। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना सहायक वीरेंद्र बिसेन ने किया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने स्वागत गीत, राष्ट्रीय सेवा योजना गीत, भाषण सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को गरिमामय बनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों और समाज एवं राष्ट्र के प्रति स्वयंसेवकों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील, जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कोरोना महामारी के कठिन दौर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा किए गए सेवा एवं जनजागरूकता कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि संकट की परिस्थितियों में भी स्वयंसेवकों ने लोगों को जागरूक करने, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के प्रति प्रेरित करने तथा सामाजिक सहयोग की भावना को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों से इसी सेवा भावना को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक महेंद्र कुमार तलवरे ने राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल उद्देश्यों तथा इसके अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने 'सेवा से संकल्प' अभियान के तहत संचालित गतिविधियों का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों का दायित्व केवल कार्यक्रमों में सहभागिता करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की वास्तविक समस्याओं को समझना और उनके समाधान में सक्रिय योगदान देना भी है। उन्होंने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के शिक्षकों ने भी अपने संबोधन में स्वयंसेवकों को सामाजिक सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता एवं जनजागरूकता के

कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक शेखर दल्लेमल, डॉ. सपना सेंदे, स्वाति पाशिने एवं अंजली सोनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिक्षकों ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने समाज सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में 'मैं नहीं, आप' की भावना विकसित करती है, जिसमें व्यक्तिगत हित से ऊपर समाज एवं राष्ट्र के हित को प्राथमिकता दी जाती है। समापन अवसर पर स्वयंसेवकों ने सेवा, अनुशासन, सहयोग, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय की प्राचार्य, समस्त प्राध्यापकों, राष्ट्रीय सेवा योजना सहायक वीरेंद्र बिसेन, कार्यक्रम अधिकारी रितेश सोनवाने तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का सक्रिय सहयोग रहा।

बी-पैक्स पालडोंगरी की वार्षिक आमसभा हुई

पद्मेश न्यूज। लांजी। बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित पालडोंगरी, पंजीयन क्रमांक 562 की वार्षिक आमसभा का

आयोजन 24 सितंबर 2026 को समिति कार्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम में समिति के मनोनीत अध्यक्ष महेन्द्रसिंह उमरे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों के रूप में आर.के. हरिनखेड़े शाखा प्रबंधक, एस.बी. राहंगडाले पर्यवेक्षक, विलास चौरे प्रभारी संस्था प्रबंधक , डी.पी. महिश्वरे सेवानिवृत्त कर्मचारी , दामोदर बल्लारखेड़े, बापू चौके , श्रीमती प्रभाबाई हनोते , चमरुलाल धारने , मोहनलाल कारमेघे , सुरेश नारनोरे , सुनील देवगड़े एवं गिरिश बढ़गैया उपस्थित रहे। आमसभा में समिति की वार्षिक आय-व्यय, ऋण वितरण एवं वसूली, खाद-बीज वितरण, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित समिति द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। किसानों एवं सदस्यों को समिति की योजनाओं एवं सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। समिति को और अधिक बहुउद्देश्यीय एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से इफको मार्ट एवं डिस्पोजल/पतली-दोना निर्माण कार्य प्रारंभ करने संबंधी प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। समिति के व्यवसाय में वृद्धि करने तथा सदस्यों एवं किसानों को अतिरिक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर विजय कावड़े प्रभारी संस्था प्रबंधक , जितेंद्र धारने लिपिक , डिलचंद धारने विक्रेता एवं पुनाराम लिल्हारे, कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में अखलेश उमरे एवं नितेश उमरे ने भी सहयोग प्रदान किया। अंत में समिति के मनोनीत अध्यक्ष महेन्द्रसिंह उमरे ने उपस्थित अतिथियों, समिति सदस्यों, किसानों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए समिति की प्रगति एवं किसानों के हित में निरंतर कार्य करने की बात कही।

गणपति बप्पा मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ, जयघोष के बीच गणेश प्रतिमाओं को दी विदाई

दस दिवसीय गणेशोत्सव का हुआ समापन, ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर निकलीं विसर्जन यात्राएं

पद्मेश न्यूज। लांजी। दस दिवसीय गणेशोत्सव के समापन अवसर पर गुरुवार, 24 सितंबर को लांजी नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गणपति प्रतिमाओं का श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ विधि-विधानपूर्वक विसर्जन किया गया। सुबह से ही नगर के विभिन्न गणेश उत्सव समितियों के पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक अनुष्ठान हुए। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण माहौल में भगवान गणेश को विदाई दी और आकर्षक ढंग से सजाए गए वाहनों में प्रतिमाओं को विराजित कर विसर्जन यात्राएं निकालीं। नगर के विभिन्न मोहल्लों और प्रमुख मार्गों से निकली विसर्जन यात्राओं में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर युवा नाचते-गाते नजर आए, वहीं महिलाएं और बच्चे भी उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा गणपति बप्पा के दर्शन किए गए। पूरे मार्ग में अबीर-गुलाल उड़ता रहा और वातावरण लगातार 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष से गूंजता रहा।। विसर्जन यात्राओं के दौरान गणेश प्रतिमाओं को आकर्षक विद्युत सज्जा और फूलों से सजाए गए वाहनों में नगर भ्रमण कराया गया। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह आरती कर भगवान गणेश की पूजा की। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने प्रसाद वितरण भी किया। दस दिनों तक गणपति आराधना से भक्तिमय रहे नगर के वातावरण में अंतिम दिन भक्ति के साथ विदाई की भावुकता भी दिखाई दी।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखा उत्साह

लांजी के आसपास के ग्रामीण अंचलों में भी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर खासा उत्साह रहा। विभिन्न गांवों में गणेश उत्सव समितियों द्वारा सामूहिक पूजा-अर्चना और आरती के बाद शोभायात्राएं निकाली गईं। ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान गणेश को विदाई दी। विसर्जन यात्राओं में बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश से क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष से माहौल भावुक हो उठा। दस दिनों तक चले पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और विभिन्न धार्मिक आयोजनों के बाद गणपति बप्पा की विदाई के साथ ही गणेशोत्सव का विधिवत समापन हुआ।

शिशु मंदिर चौक में सजी भक्ति की महफिल, कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

पद्मेश न्यूज। लांजी। गणेश उत्सव के पावन पर्व के अवसर पर ग्राम कारंजा के शिशु मंदिर चौक में बाल गणेश उत्सव समिति के तत्वावधान में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस भजन संध्या में बालाघाट से पहुंचे कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। देर शाम तक चले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके बाद बालाघाट से आए कलाकारों ने भगवान गणेश सहित विभिन्न देवी-देवताओं की स्तुति में भजन प्रस्तुत किए। मधुर संगीत और भक्तिमय प्रस्तुतियों के बीच पूरा शिशु मंदिर चौक जयकारों और तालियों से गूंज उठा। श्रद्धालु भजनों पर भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। आयोजन के दौरान

गणेश उत्सव की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा की सुंदर झलक देखने को मिली। भजन संध्या में प्रमुख अतिथि के रूप में ग्राम के उपसरपंच निलेश शिवणकर एवं गुड्डू बढ़ई उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम ग्रामीणों को आपस में जोड़ने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में बाल गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति के दिनू राखड़े, लोकेश श्रोते, सुधांशु हेमने, अजय चुटे, बंटी बढ़ई, राज दोनोडे, आशीष बढ़ई, रोहित पाउलझगड़े, प्रदीप चुटे, संतोष शिवणकर, निक्कू मेंढे, वंश चुटे, दिलीप बावनकर, प्रदीप बावनकर, रवि बढ़ई, बंडू हेमने एवं विजय चुटे सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन की तैयारियों से लेकर कार्यक्रम के संचालन तक अथक परिश्रम किया। गणेश उत्सव के दौरान आयोजित इस भजन संध्या ने ग्राम कारंजा में धार्मिक उल्लास और उत्साह का माहौल बना दिया। आयोजन के समापन पर समिति की ओर से उपस्थित श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

दो छात्राओं की आकस्मिक मौत से चिंता

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील में दो दिन के अंतराल में दो 11 वर्षीय छात्राओं की आकस्मिक मौत से क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है. बुटाई नं. 1 और मोरगांव की जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक शालाओं में कक्षा छठी में अध्ययनरत दोनों छात्राओं के निधन से परिवारों के साथ-साथ पालकों में भी चिंता बढ़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुटाई नं. 1 निवासी और जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक शाला की कक्षा छठी की छात्रा प्राजक्ता रंजीत उईके (11) की तबीयत अचानक बिगड़ गई. उपचार के दौरान 23 सितंबर की रात करीब 2.30 बजे उनका निधन हो गया. परिवार के लिए यह घटना बेहद अप्रत्याशित रही. इसी बीच मोरगांव की जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक शाला में अध्ययनरत कक्षा छठी की छात्रा हिमांशी श्रीकांत पुस्तोड़े (11) का 24 सितंबर की सुबह करीब 4 बजे आकस्मिक निधन हो गया. लगातार दो दिनों में दो छात्राओं की मृत्यु से क्षेत्र में चिंता का वातावरण बन गया है. दोनों घटनाओं के कारणों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. ऐसे में पालकों के बीच विभिन्न प्रकार की चर्चाएं हो रही हैं. हालांकि, किसी भी संक्रामक या विषाणुजनित बीमारी के संबंध में स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी या पुष्टि सामने नहीं आई है. इसलिए अपुष्ट सूचनाओं और अफवाहों से दूर रहने की अपील की जा रही है।

स्कूलों में स्वास्थ्य जांच की मांग

इन घटनाओं के बाद पालकों ने स्वास्थ्य विभाग से बुटाई नं. 1, मोरगांव सहित तहसील की अन्य शालाओं में विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच कराने, स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने तथा आवश्यक एहतियाती उपाय करने की मांग की है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी से पालकों की चिंता कम हो सकेगी।

तालाब में डूबने से व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रावणवाड़ी थाने के तहत झिलमीली निवासी संजय सुरजलाल मरस्कोल्हे (47) गांव के पास के तालाब में मछलिया पकड़े गया था. इसी दौरान तालाब में डाले गए जाल में फसने से पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई. नवरगांव निवासी फिर्यादी खेमराज सुरजलाल मरस्कोल्हे (50) की शिकायत पर रावणवाड़ी पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार जगतराम बर्वे कर रहे हैं।

मुंडीपार हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा

जादू-टोने के शक में हत्या का दावा - दो आरोपी हिरासत में, दो विधि-संघर्षरत बालक भी ताबे में

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। मुंडीपार (एमआईडीसी) में रात को ड्यूटी पर जा रहे 58 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के मामले का स्थानीय अपराध शाखा ने 24 घंटे के भीतर खुलासा किया है. पुलिस के अनुसार, जादू-टोना करने के संदेह में हत्या की साजिश रची गई थी. इस मामले में टावरटोला, मुंडीपार निवासी जितेंद्र कोहले (45) व कमलेश अशोक नेवारे (19) को हिरासत में लिया गया है. साथ ही दो विधि-संघर्षरत बालकों को भी हिरासत में लिया गया है।

मृतक रविशंकर उदेलाल रहांगडाले (58) 22 सितंबर की शाम करीब 7.45 बजे मोटरसाइकिल से एमआईडीसी मुंडीपार स्थित वेंकटेश राइस मिल में रात्रि पाली की ड्यूटी के लिए घर से निकला था. इसी दौरान चमड़ा फैक्टरी के पास सड़क पर रात करीब 7.45 से 8.15 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति ने उनके सिर पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी. मृतक के बेटे विक्की रहांगडाले की शिकायत पर गंगाझरी थाने में मामला दर्ज किया गया. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने आरोपियों की तलाश के निर्देश दिए. स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में टीम ने गोपनीय जानकारी जुटाई. इस दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि मृतक द्वारा जादू-टोना किए जाने की गांव में चर्चा थी और कुछ लोगों में उसके प्रति नाराजगी थी. इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने कमलेश नेवारे को हिरासत में लेकर पूछताछ की. पुलिस के अनुसार, कमलेश को संदेह था कि उसके परिवार में हुई दो मौतों और परिजनों की बार-बार खराब होती तबीयत के पीछे मृतक द्वारा किया गया जादू-टोना जिम्मेदार है. अन्य परिवारों में हुई मौतों और बीमारी के लिए भी मृतक को जिम्मेदार माना जा रहा था. पुलिस के अनुसार, इसी शक और नाराजगी के चलते कमलेश नेवारे, जितेंद्र कोहले और दो विधि-संघर्षरत बालकों ने रविशंकर रहांगडाले की हत्या की साजिश रची. 22 सितंबर की शाम करीब 7.30 बजे आरोपी एमआईडीसी रोड पर पत्थर कंपनी के पास अंधेरे में इंतजार कर रहे थे. रविशंकर मोटरसाइकिल से राइस मिल की ओर जा रहा था. आरोपियों ने स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से उसका पीछा किया और चमड़ा फैक्टरी के सामने उसे रोक लिया. आरोपियों ने कथित तौर पर पहले हथौड़े से उसकी पीठ पर वार कर उसे मोटरसाइकिल समेत नीचे गिराया. इसके बाद कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर हत्या कर दी. दोनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए गंगाझरी पुलिस को सौंप दिया गया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे, तिरोड़ा उपविभागीय पुलिस अधिकारी गजानन गुल्हाणे तथा स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में की गई।

1,564 किसानों को सौर कृषि पंप का लाभ

'मागेल त्याला सौर कृषि पंप' योजना को जिले में प्रतिसाद -सिंचाई के साथ आर्थिक उन्नति

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। बिजली कटौती के कारण फसलों की सिंचाई के लिए रात के समय खेतों में जाने को मजबूर किसानों को अब राहत मिलने लगी है. जंगली जानवरों, सांप-बिच्छू का खतरा और बिजली पंप में खराबी के साथ ही फ्यूज बदलते समय करंट लगने जैसी घटनाओं से बचने के लिए जिले के 1,564 किसानों ने खेतों में सौर कृषि पंप स्थापित किए हैं. राज्य सरकार की 'मागेल त्याला सौर कृषि पंप' योजना को जिले में किसानों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

महावितरण के माध्यम से संचालित इस योजना के तहत जिले में 4,957 किसानों ने आवेदन किया है. इनमें से 4,356 किसानों ने ऑनलाइन अपनी हिस्सेदारी की राशि जमा की, जबकि 3,088 किसानों ने पंप लगाने के लिए संबंधित कंपनियों का चयन किया है. अब तक 1,564 किसानों के खेतों में सौर कृषि पंप स्थापित किए जा चुके हैं. सौर कृषि पंप बिजली के पारंपरिक नेटवर्क पर निर्भर नहीं होते. इससे किसानों को दिन के समय अपनी सुविधा के अनुसार फसलों की सिंचाई करने की सुविधा मिल रही है. बिजली आपूर्ति बाधित होने की चिंता नहीं रहती. समय पर और पर्याप्त पानी मिलने से फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद हो रही है. सौर ऊर्जा का उपयोग करने से बिजली बिल का बोझ कम होता है. बिजली और ईंधन पर होने वाला खर्च बचने से किसानों की आय में भी बचत होती है. इसके अलावा जहां बिजली का नेटवर्क नहीं पहुंचा है, ऐसे खेतों में भी सौर कृषि पंप के माध्यम से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो रही है. स्वच्छ ऊर्जा होने के कारण इससे पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचता।

रात की सिंचाई से मिली राहत

पहले फसलों को पानी देने के लिए रात में खेत जाना पड़ता था. बिजली आपूर्ति बंद होने पर सिंचाई का काम रुक जाता था. बिजली बिल के साथ पंप खराब होने पर उसकी मरम्मत का खर्च भी उठाना पड़ता था. पंप जलने पर करीब दो से तीन हजार रु. तक खर्च हो जाते थे. इन परेशानियों से राहत पाने के लिए सौर कृषि पंप लगवाया है।

विजय कुंभलकर, किसान

दिन के समय बिजली उपलब्ध होने से किसान अपनी सुविधा के अनुसार फसलों की सिंचाई कर सकते हैं. सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से बिजली बिल का बोझ कम होता है और समय पर पर्याप्त पानी मिलने से फसल उत्पादकता बढ़ती है. जिले के किसानों को इस योजना का लाभ लेना चाहिए।

शैलेश कांबले, कार्यकारी अभियंता (प्रशासन), महावितरण, गोंदिया

गणेश विसर्जन के लिए छह स्थानों पर कृत्रिम कुंड तैयार

अनंत चतुर्दशी पर सुबह 9 बजे से तैनात रहेंगी नगर परिषद की टीमें, निर्माल्य के लिए रहेगी अलग व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन से प्राकृतिक जलस्त्रोतों में होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए गोंदिया नगर परिषद ने शहर में छह स्थानों पर कृत्रिम विसर्जन कुंड की व्यवस्था की है. शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार छह फीट से कम ऊंचाई वाली गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कृत्रिम कुंडों में किया जाएगा. अनंत चतुर्दशी के अवसर पर 25 सितंबर को सुबह 9 बजे से विसर्जन पूर्ण होने तक संबंधित स्थानों पर नगर परिषद की टीमें तैनात रहेंगी।

स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं को गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं. इसी के तहत नगर परिषद ने शहर में छह कृत्रिम विसर्जन स्थलों का निर्धारण किया है. विसर्जन के दौरान नागरिकों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही सुरक्षा व स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा. विसर्जन स्थल पर निर्माल्य पानी में न डालकर निर्धारित स्थान पर जमा कराया जाएगा. इसके लिए नगर परिषद की नियुक्त टीमें नागरिकों से निर्माल्य एकत्र करेंगी. इससे जलस्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने के साथ ही विसर्जन स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलेगी. संबंधित परिसर को साफ-सुथरा रखने के निर्देश भी दिए गए हैं. काम में लापरवाही, निष्क्रियता अथवा टालमटोल पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई का प्रस्ताव किया जाएगा।

यहां कर सकेंगे गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

गोंदिया शहर के छोटा गोंदिया तालाब, भीमघाट, पांगोली नदी, पिंडकेपार नाला, सरकारी तालाब (रेलवे) और मूर्ति तालाब, ग्रामीण गोंदिया के खमारी तालाब और टेमणी घाट (पांगोली नदी), रामनगर क्षेत्र के बांध तालाब, सूर्याटोला, हिवरा गांव तालाब और टेमणी नदी घाट, रावणवाड़ी क्षेत्र के कोरणी-राजेगांव नदीघाट में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा।

गणेश विसर्जन के दौरान जिले के विभिन्न तालाबों, नदीघाटों और विसर्जन स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ होने की संभावना है. विशेषकर शाम और रात के समय विसर्जन को देखते हुए किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त विद्युत प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेड्स, सीसीटीवी और क्रेन की व्यवस्था की जानी चाहिए।

भैय्यासाहेब बेहरे, निवासी उपजिलाधिकारी, गोंदिया

पदकप्राप्त पुलिसकर्मी पर युवती की आत्महत्या के मामले में तीन साल बाद केस

मोबाइल से डिलीट चैट बरामद होने पर खुला मामला

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। समवयस्क युवक के साथ प्रेम संबंध में रही 18 वर्षीय युवती की आत्महत्या के मामले में तीन वर्ष बाद नया मोड़ आया है. न्यायवैज्ञानिक जांच में युवती के मोबाइल से डिलीट किया गया डेटा बरामद होने के बाद पुलिस ने उसके प्रेमी सहित तत्कालीन पुलिस कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस के अनुसार, पुलिस कर्मचारी पर युवती को अश्लील संदेश भेजने और शारीरिक संबंध की मांग करने का आरोप है। देवरी तहसील के ककोड़ी निवासी मृतका पिया शैलेषकुमार ताम्रकार (18) ने 9 नवंबर 2023 को दोपहर करीब 1.30 बजे अपने घर में पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली थी. इस घटना के बाद चिचगढ़ पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का दर्ज कर जांच शुरू की थी. पिया के पिता लगातार आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे. जांच के दौरान पिया के मोबाइल में मौजूद डिलीट डेटा को न्यायवैज्ञानिक प्रयोगशाला में भेजा गया था. रिपोर्ट मिलने के बाद मोबाइल से बरामद व्हॉट्सऐप चैट की पंचों के समक्ष जांच की गई. पुलिस के अनुसार, चैट से पिया और उसके प्रेमी चिपोटा निवासी विकेश वसंत अंबादे (24) के बीच प्रेम संबंध तथा दोनों के बीच होने वाले विवाद की जानकारी सामने आई. पुलिस के अनुसार, उस समय देवरी की नक्सल गोपनीय शाखा में कार्यरत पुलिस कर्मचारी ओमप्रकाश मनोहर जामनिक (44), वर्तमान निवासी अकोला ने पिया को कथित तौर पर अपना अश्लील फोटो भेजा तथा उससे शारीरिक संबंध बनाने की मांग करने वाले संदेश किए थे. पुलिस का कहना है कि इस कारण पिया और उसके प्रेमी विकेश के बीच विवाद भी हुआ था. इस मामले में सहायक पुलिस निरीक्षक जनार्दन हेगड़कर की शिकायत पर विकेश अंबादे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

तीन साल बाद मोबाइल चैट बनी अहम कड़ी

आत्महत्या के बाद पिया के मोबाइल का डिलीट डेटा बरामद करने के लिए उसे न्यायवैज्ञानिक प्रयोगशाला भेजा गया था. रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद जांच में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई. 29 नवंबर 2023 को सरकारी अभियोक्ता से इस मामले में कानूनी राय भी ली गई थी. अब उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई की है।

16 कॉल अस्वीकार, 12 का मिला जवाब

उपलब्ध मोबाइल रिकॉर्ड के अनुसार, 8 नवंबर 2023 को पिया ने विकेश को कई बार फोन किया था. इनमें 16 कॉल अस्वीकार किए गए, जबकि 12 कॉल का जवाब मिला। पुलिस जांच में इन कॉल रिकॉर्ड और व्हॉट्सऐप चैट को भी महत्वपूर्ण माना गया है।

डीजे की तेज आवाज पर पुलिस का शिकंजा, 9 मामले दर्ज

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गणेशोत्सव के दौरान ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए गोंदिया पुलिस ने डीजे संचालकों और मालिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है. जिले में पिछले दो दिनों के दौरान ध्वनि प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वाले 13 आरोपियों के खिलाफ 9 मामले दर्ज किए गए हैं. कार्रवाई के दौरान डीजे के बेस, टॉप, इको साउंड सिस्टम, साउंड मिक्सर तथा वाहनों सहित कुल 24 लाख 64 हजार रु. का माल जब्त किया गया।

पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने इससे पहले लाउडस्पीकर और डीजे संचालकों तथा मालिकों की बैठक लेकर सर्वोच्च न्यायालय व मुंबई उच्च न्यायालय के निर्देशों और ध्वनि प्रदूषण (नियमन व नियंत्रण) नियमों का पालन करने की स्पष्ट सूचना दी थी. इसके बावजूद निर्धारित सीमा से अधिक आवाज में डीजे बजाने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की. गोंदिया शहर थाना क्षेत्र के छोटा गोंदिया स्थित चावड़ी चौक में सार्वजनिक स्थान पर तेज आवाज में डीजे बजाने के मामले में शास्त्री वार्ड निवासी नंदकिशोर बुधराम राऊत (38) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. उसके पास से 2 बेस, 2 टॉप और एक जनरेटर सहित 19 हजार रु. का माल जब्त किया गया. रामनगर थाना क्षेत्र के विद्यानगर, टी.बी. टोली में राकेश भाऊराव गजभिये (41), अंकित महेंद्र नागोसे (20) और हिरेश नंदलाल घारपिंडे के खिलाफ कार्रवाई कर 2 बेस और साउंड सिस्टम सहित 15 हजार रु. का माल जब्त किया गया. कुडवा के आंबेडकर चौक में सावराटोली निवासी सोहेल सलीम शेख के खिलाफ कार्रवाई की गई. उसके कब्जे से 2 बेस, 2 टॉप, 15 भोंगे वाला साउंड सिस्टम और टाटा वाहन सहित 3 लाख रु. का माल जब्त किया गया.

कटंगीटोला रेलवे चौकी के पास कार्रवाई में गर्रा निवासी दिनेश देवीलाल भागत (30) के पास से साउंड सिस्टम, मिक्सर और टाटा वाहन सहित 2.30 लाख रु. का माल जब्त किया गया. ग्रामीण थाना क्षेत्र के ताडाटोली-अदासी में दत्तोरा निवासी चंद्रप्रकाश दीनदयाल भंडारकर (32) व सचिन भंडारकर (26) के खिलाफ मामला दर्ज कर 4 बेस, 4 टॉप, इको साउंड सिस्टम और टेम्पो सहित 2.90 लाख रु. का माल जब्त किया गया. पांढराबोडी में न्यू लक्ष्मीनगर निवासी तनुज कृष्णा यादव (26) के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 4 बेस, 4 टॉप, 10 सराफी लाइट और आयशर वाहन सहित 3.50 लाख रु. का माल जब्त किया गया. गोरेगांव के पवन तालाब के पास कार्रवाई में गोरेगांव निवासी राकेश दीनदयाल अगड़े (33) व मुंडीपार निवासी तुषार मनोहर चव्हाण (21) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. यहां से 8 बेस, 8 टॉप, इको साउंड सिस्टम, साउंड मिक्सर, आयशर वाहन और झेनान पिकअप सहित 8.20 लाख रु. का माल जब्त किया गया. रावणवाड़ी थाना क्षेत्र के दासगांव में डोंगरगांव निवासी डीजे चालक दुर्गेश भोजराज तूरकर (25) व डीजे मालिक देवानंद बाबू कटरे के खिलाफ कार्रवाई की गई. पुलिस ने 4 बेस, 4 टॉप, इको साउंड सिस्टम, साउंड मिक्सर तथा वाहनों सहित 4.40 लाख रु. का माल जब्त किया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेशचंद्र शुक्ला के निर्देश पर गोंदिया शहर, रामनगर, ग्रामीण, रावणवाड़ी व गोरेगांव पुलिस ने की।

ढाई महीने में रकम दोगुनी करने का झांसा, 4.63 लाख की ठगी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। ढाई महीने में निवेश की रकम दोगुनी करने का झांसा देकर एक महिला से 4 लाख 63 हजार 662 रु. की आर्थिक ठगी किए जाने का मामला सामने आया है. इस मामले में रामनगर पुलिस ने नागपुर के आभानगर, पारड़ी निवासी आरोपी राजेश गोडबोले के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार, शारदा कॉलोनी, हनुमान नगर रिंग रोड़ निवासी सुनैना ओमकारनाथ मिश्रा (43) को आरोपी ने विश्वास में लिया. इसके बाद उसके मोबाइल में 'पोल्क डोव' ऐप डाउनलोड करवाकर टोकन पॉकेट आईडी बनाई गई. आरोपी ने अपने मोबाइल से ऐप की जानकारी देते हुए फिर्यादी को बताया कि उसके रु. यूएसडीटी (विदेशी मुद्रा) में परिवर्तित हो गए हैं. इसके बाद आरोपी ने ढाई महीने में निवेश की रकम दोगुनी कर देने का लालच दिया. उसके झांसे में आकर फिर्यादी ने आरोपी को नकद तथा फोन-पे के माध्यम से कुल 4 लाख 63 हजार 662 रु. दिए. इसके बाद रकम वापस नहीं मिलने पर महिला ने रामनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई. जांच पुलिस उपनिरीक्षक संकेत सदलगे कर रहे हैं।

शराब दुकान का लाइसेंस के नाम पर 84 लाख की धोखाधड़ी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देशी शराब दुकान का लाइसेंस दिलाने का झांसा देकर एक महिला से 84 लाख रु. की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है. सालेकसा पुलिस ने महिला की शिकायत पर नागपुर निवासी आरोपी प्रतापसिंग भास्कर धुमाल (42) के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार, गणेश नगर निवासी फिर्यादी शीतल दुर्गेश्वर रहांगडाले (37) के पिता का सालेकसा में देशी शराब की दुकान है. फिर्यादी को शराब दुकान का लाइसेंस खरीदना था. इसी सिलसिले में उसके भाई सुशील जिराले के माध्यम से उसकी पहचान आरोपी प्रतापसिंग धुमाल से हुई. शिकायत के अनुसार, आरोपी ने खुद की राज्य आबकारी विभाग के अधिकारियों से पहचान होने तथा उसकी पत्नी के आबकारी विभाग में नौकरी करने की बात बताई. इसके बाद उसने रत्नागिरी जिले के कुडाल तहसील स्थित सुनीता प्रभु वालावकर के देशी शराब दुकान का लाइसेंस दिलाने का भरोसा दिलाया. आरोपी ने 1 अगस्त 2022 से 24 नवंबर 2022 के बीच लाइसेंस दिलाने के नाम पर ऑनलाइन माध्यम से 69 लाख रु. तथा नकद 15 लाख रु. ऐसे कुल 84 लाख रु. लिए. बाद में लाइसेंस नहीं मिलने पर महिला को ठगी का एहसास हुआ और उसने सालेकसा थाने में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक किशोर मावस्कर कर रहे हैं।

हथियारों के साथ घूम रहे दो युवक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर पुलिस ने अलग-अलग घटनाओं में घातक हथियार लेकर घूम रहे दो युवकों के खिलाफ कार्रवाई की है. पहली कार्रवाई श्री टॉकीज चौक स्थित शर्मा होटल के सामने आधी रात के दौरान की गई. यहां अंधेरे की आड़ में घातक हथियार लेकर घूम रहे एक युवक को पुलिस ने रंगेहाथ पकड़ा. दूसरी कार्रवाई रात की गश्त के दौरान मरघट रोड परिसर में की गई, जहां अवैध रूप से लोहे का कोयता लेकर घूम रहे युवक को हिरासत में लिया गया।

जानकारी के अनुसार, श्री टॉकीज चौक परिसर में पकड़े गए युवक का नाम साई मंगलम लॉन, गोविंदपुर रोड़ निवासी ऋतिक रमेश गुप्ता (23) बताया गया है. वहीं मरघट रोड परिसर से गोविंदपुर निवासी रोहन प्रेम सोनवाने (21) को लोहे के कोयते के साथ पकड़ा गया. दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ शहर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवाल घायल

पद्मेश न्यूज, गोंदिया. रामनगर थाने के तहत गोंडीटोला रोड़ पानी टंकी के पास चौपहिया वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें मोटरसाइकिल सवार 26 वर्षीय युवक घायल हो गया. जानकारी के अनुसार, जब्बारटोला निवासी सुखचंद धुन्नलाल ढेकवार (26) मोटरसाइकिल से जब्बारटोला से कुड़वा की ओर जा रहा था. इसी दौरान गोंडीटोला रोड़ पर स्थित पानी टंकी के पास चौपहिया वाहन क्र. एमपी 20 - सीडी 3927 के चालक ने अपना वाहन लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें सुखचंद ढेकवार घायल हो गया. फिर्यादी योगेश मेघलाल ढेकवार (36) की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक रोशन राघोर्ते कर रहे हैं।

धारदार खंजर लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। अवैध हथियार लेकर घूम रहे एक युवक को आमगांव पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया. आरोपी के कब्जे से लोहे का धारदार खंजर बरामद किया गया. आरोपी का नाम जामखारी निवासी मोहित राधेलाल गणवीर (25) बताया गया है।

जानकारी के अनुसार, आमगांव थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस टीम गश्त कर रही थी. इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि जामखारी निवासी मोहित गणवीर धारदार हथियार लेकर कुंभारटोली परिसर में घूम रहा है. सूचना के आधार पर पुलिस ने पंचों को साथ लेकर कुंभारटोली में तलाश की. वहां संदिग्ध अवस्था में खड़े युवक को रोककर पूछताछ की गई. नाम-पता बताने के बाद पुलिस ने नियमानुसार उसकी तलाशी ली. तलाशी के दौरान उसकी कमर में छिपाकर रखा हुआ 32 सेंटीमीटर लंबा और 2.5 सेंटीमीटर चौड़ा लोहे का धारदार खंजर बरामद हुआ. हथियार रखने से किसी व्यक्ति को चोट पहुंच सकती है, इसकी जानकारी होने के बावजूद आरोपी द्वारा हथियार अपने पास रखकर कानून का उल्लंघन करने का आरोप है. फिर्यादी सिपाही चेतन शेंडे की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बर्वे कर रहे हैं।

24 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तहसील के दवनीवाड़ा गांव में 24 वर्षीय युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना 24 सितंबर की सुबह करीब 11 बजे सामने आई. मृतक का नाम दवनीवाड़ा निवासी चिन्नु सुंदर अग्रवाल (24) बताया गया है। जानकारी के अनुसार, चिन्नु ने अज्ञात कारणों के चलते अपने आवास में फांसी लगा ली. घटना की जानकारी मिलते ही परिसर में हड़कंप मच गया. कुछ ही देर में मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई. घटना की सूचना मिलते ही दवनीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है. आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एशियाड के पांचवें दिन भारत ने जीते पांच पदक

भारत के पदकों की संख्या बढ़ी, सीमा ने महिला 10000 मीटर में खत्म कराया सूखा

एशियन गेम्स 2026 के पांचवें दिन भारत ने वुशु, एथलेटिक्स, रोइंग, निशानेबाजी और मिश्रित रिले में कुल पांच पदक जीते। रोशिबिना देवी ने लगातार तीसरे एशियन गेम्स में पदक जीतकर इतिहास रचा, जबकि मिश्रित 4×400 मीटर रिले टीम ने रजत अपने नाम किया। इन पदकों के साथ भारत की कुल पदक संख्या 17 हो गई, वहीं हॉकी और कबड्डी टीमों ने भी शानदार जीत दर्ज कर सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाया।

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 के पांचवें दिन भारत के लिए पदकों के लिहाज से शानदार रहा। भारत ने बुधवार को पांच पदक अपने नाम किए, जिसमें एक रजत और चार कांस्य शामिल रहे। इसके साथ ही भारत की कुल पदक संख्या 17 हो गई है। भारत के खाते में अब 1 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य पदक हैं। पांचवें दिन वुशु, मिश्रित 4×400 मीटर रिले, रोइंग, शूटिंग और एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने पदक जीते।

वुशु में रोशिबिना ने लगातार तीसरी बार जीता पदक

वुशु में भारत की रोशिबिना देवी ने महिलाओं के 60 किलोग्राम सांडा वर्ग में रजत पदक जीता। फाइनल में उन्हें चीन की झांग शियाओयू के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। चीन की खिलाड़ी ने दोनों राउंड 5-0 से अपने नाम किए। इस रजत के साथ रोशिबिना लगातार तीन एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। उन्होंने 2018 जकार्ता में कांस्य और 2023 हांगझोउ में रजत पदक जीता था। अब 2026 में भी उनके खाते में रजत आया।

मिश्रित रिले में भारत को रजत

एथलेटिक्स की मिश्रित 4×400 मीटर रिले में भारत ने रजत पदक जीता। पूवम्मा माचेत्तिरा, विशाल थेनारासु, विथ्या रामराज और मनु थेक्कानिल की भारतीय चौकड़ी ने 3:14.46 का समय निकाला। भारत एक समय पीछे चल रहा था, लेकिन टीम ने शानदार वापसी करते हुए पहले तीसरा स्थान हासिल किया और अंतिम चरण में दूसरे स्थान पर पहुंचकर रजत पदक पक्का किया। भारत ने इस स्पर्धा में लगातार तीसरे एशियन गेम्स में पदक जीता है। 2018 में भारत ने स्वर्ण और 2023 में रजत पदक जीता था।

रोइंग में पुरुष डबल स्कल्स में कांस्य

रोइंग में सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुषों की डबल स्कल्स स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने 6:13.25 का समय निकाला। भारत शुरुआत में मजबूत स्थिति में था और 500, 1000 तथा 1500 मीटर तक दूसरे स्थान पर बना रहा। अंतिम 500 मीटर में भारतीय जोड़ी की रफ्तार थोड़ी कम हुई और चीन तथा उज्बेकिस्तान के बाद उसे कांस्य से संतोष करना पड़ा। इसी स्पर्धा में बलराज पंवार पुरुषों की सिंगल स्कल्स में चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने 6:54.80 का समय लिया और अंतिम चरण तक पदक की दौड़ में बने रहे, लेकिन आखिरी 500 मीटर में दो खिलाड़ियों से पिछड़ गए।

रोशिबिना की हैट्रिक, रिले में रजत

● रोइंग, शूटिंग और 10,000 मीटर में कांस्य ● भारत की पदकों की संख्या हुई 17

मिश्रित स्कीट टीम में भारत को कांस्य

निशानेबाजी में अनंतजीत सिंह नरूका और परिनाज धालीवाल की जोड़ी ने मिश्रित स्कीट टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 44 अंक हासिल किए। चीन ने 52 अंक के साथ स्वर्ण और दक्षिण कोरिया ने 51 अंक के साथ रजत पदक जीता। भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन में 138 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही थी और अंतिम स्थान हासिल कर फाइनल में पहुंची थी। यह एशियन गेम्स में दोनों निशानेबाजों का दूसरा पदक है। दोनों इससे पहले अपनी-अपनी स्कीट टीम स्पर्धाओं में भी कांस्य पदक जीत चुके हैं।

10,000 मीटर में सीमा कुमारी का कांस्य

एथलेटिक्स में सीमा कुमारी ने महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। उन्होंने 32:50.05 का समय निकाला। सीमा दौड़ के दौरान लगातार पदक की दौड़ में बनी रहीं। एक समय चौथे स्थान पर खिसकने के बाद उन्होंने आखिरी चरण में वापसी की और तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। यह मौजूदा एशियन गेम्स में एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक है। महिलाओं की 10,000 मीटर स्पर्धा में भारत ने 16 साल बाद पदक जीता है और यह एशियन गेम्स के इतिहास में इस स्पर्धा में भारत का तीसरा पदक है।

हॉकी में दक्षिण कोरिया पर रिकॉर्ड जीत

पदक के अलावा पुरुष हॉकी टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने पूल ए के मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 8-2 से हराया। भारत ने पहले हाफ में ही 5-0 की बढ़त बना ली थी। भारत की ओर से शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अभिषेक और दिलप्रीत सिंह ने गोल किए। दिलप्रीत और अभिषेक ने तीसरे क्वार्टर में भी गोल दागे, जबकि राजिंदर सिंह ने अंतिम मिनट में आठवां गोल किया। दक्षिण कोरिया के लिए किम जेहो और किम योंगबोक ने गोल किए। भारत की यह एशियन गेम्स में दक्षिण कोरिया के खिलाफ सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 1962 में भारत ने उसे 5-0 से हराया था।

महिला कबड्डी टीम सेमीफाइनल में

महिला कबड्डी में भारत ने जापान को 50-25 से हराकर अपना अजेय अभियान जारी रखा। भारत ने पहले हाफ में 32-13 की बढ़त बनाई थी। भारत इससे पहले बांग्लादेश और ईरान को भी हरा चुका था। इस जीत के साथ भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई और उसका पदक भी पक्का हो गया। भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन है।

पुरुष कबड्डी में भी सेमीफाइनल का टिकट

पुरुष कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को 37-21 से हराया। भारत ने पहले हाफ में 23-11 की बढ़त बनाई थी और दूसरे हाफ में भी बढ़त बनाए रखी। भारत जापान, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश को हराकर पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका था। अब सेमीफाइनल में उसका सामना 25 सितंबर को थाईलैंड से होगा।

स्क्वैश में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

महिला एकल में अनाहत सिंह ने सिंगापुर की यी एयिन औ येओंग को 3-0 से हराया, जबकि तन्वी खन्ना ने यी यान औ येओंग को 3-1 से मात दी। अब क्वार्टर फाइनल में दोनों भारतीय खिलाड़ियों का आमना-सामना होगा। पुरुष एकल में अभय सिंह ने श्रीलंका के रविंदु लक्सिरी को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वीर चोत्रानी ने मलेशिया के संजय जीवा को 3-2 से हराया और अब उनका सामना पाकिस्तान के इरफान मुहम्मद से होगा। मिश्रित युगल में जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने भारतीय जोड़ी सूरज चंद और शमिना रियाज को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

मुक्केबाजी में परवीन क्वार्टर फाइनल में

महिलाओं के 65 किलोग्राम वर्ग में परवीन को ताजिकिस्तान की मलिका नोजिमोवा के खिलाफ वॉकओवर मिला और वह क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। अब उनका सामना उज्बेकिस्तान की मौजूदा विश्व रजत पदक विजेता नवबखोर खामिदोवा से होगा। महिलाओं के 51 किलोग्राम वर्ग में साक्षी चौधरी को कजाखस्तान की मौजूदा विश्व चैंपियन अलुआ बाल्किबेकोवा के खिलाफ 2-3 से हार मिली और उनका अभियान समाप्त हो गया।

जिम्नास्टिक्स में प्रणति नायक छठे स्थान पर

महिलाओं की वॉल्ट स्पर्धा में प्रणति नायक 13.100 के कुल स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं। दोनों वॉल्ट में उन्होंने 12.900 अंक हासिल किए। 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में प्रणति आठवें स्थान पर रही थीं। इस बार छठे स्थान पर रहना उनके प्रदर्शन में सुधार है।

तलवारबाजी में भारतीय अभियान समाप्त

महिलाओं की व्यक्तिगत साबरे स्पर्धा में सीए भवानी देवी और श्रेया गुप्ता पदक नहीं जीत सकीं। दोनों को अंतिम 16 के मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। भवानी देवी ने इससे पहले मंगोलिया की ओलेन तुग्सजर्गल को 15-8 से हराया था, लेकिन चीन की राव शुए से 5-15 से हार गईं। वहीं श्रेया गुप्ता को दक्षिण कोरिया की जियोन हा-यंग ने 15-6 से हराया।

काउंटबैक नियम के चलते हाथ से फिसला पदक, आशा इलांगो ट्रिपल जंप में चौथे स्थान पर

आशा इलांगो गुरुवार को एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की ट्रिपल जंप स्पर्धा में मामूली अंतर से पदक से चूक गईं। आशा ने 13.83 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई, लेकिन चीन की ली यी के साथ समान स्कोर होने के बावजूद काउंटबैक नियम के कारण उन्हें चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। उज्बेकिस्तान की मौजूदा चैंपियन शरीफा दावरोनोवा ने 14.35 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक बरकरार रखा। चीन की हुआंग यिंगयिंग ने 14.12 मीटर के साथ रजत, जबकि ली यी ने 13.83 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। आशा ने 13.43 मीटर के साथ शुरुआत की, लेकिन उनका दूसरा प्रयास फाउल रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने 13.83 मीटर की छलांग लगाकर पदक की उम्मीद जगाई। हालांकि, इसके बाद वह 13.63, 13.65 और 13.59 मीटर की छलांग ही लगा सकीं। ली का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास बेहतर होने के कारण आशा को चौथे स्थान पर रहना पड़ा। भारत की दूसरी खिलाड़ी निहारिका वशिष्ठ 13.00 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 10वें स्थान पर रहीं और शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सकीं।

ग्रामीणों ने किया उपचुनाव के बहिष्कार का एलान

कहा -आचार संहिता के बीच पंचायत खाते से निकले 1.33 लाख

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पंचायत उपचुनाव के बीच ग्राम पंचायत एकोड़ी में आचार संहिता के दौरान पंचायत के खाते से 1 लाख 33 हजार रुपये निकाले का एक मामला सामने आया है जहां पंचो सहित अन्य ग्रामीणों ने पंचायत की पूर्व सरपंच व वर्तमान चुनाव प्रत्याशी सहित सचिव व रोजगार सहायक पर शासकीय राशि का दुरुपयोग कर हेराफेरी करने का आरोप लगाया है। पंचों और ग्रामीणों ने राशि निकाले जाने को लेकर सवाल उठाते हुए गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर शिकायत की। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पंचायत खाते से निकाली गई राशि का इस्तेमाल चुनाव लड़ रही स्थानापन्न सरपंच के पक्ष में चुनाव प्रचार, मतदाताओं को प्रभावित करने और रातों-रात सड़क निर्माण में किया जा रहा है।हालांकि पंचो व ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपो को लेकर सम्बधितो से सम्पर्क नही हो सका।जिनकी इस मामले में प्रतिक्रिया आनी शेष है।

पूर्व शिकायतों पर नही हुई वैधानिक कार्यवाही

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस संबंध में पहले एसडीएम से शिकायत की गई थी। बुधवार को तहसीलदार स्तर पर जांच भी हुई, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद पंचों और ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कार्रवाई की मांग की।

29 को मतदान, उससे पहले पंचायत राशि को लेकर घमासान

एकोड़ी पंचायत में सरपंच पद के उपचुनाव में सरिता मेश्राम, रेखा मेश्राम, संगीता मेश्राम और मीरा मेश्राम मैदान में हैं। मतदान 29 सितंबर को होना है और सरपंच पद की मतगणना 3 अक्टूबर को निर्धारित है।शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया के बीच पंचायत खाते से 9 से 17 सितंबर के बीच राशि निकाली गई। उनका दावा है कि इस राशि का उपयोग चुनाव को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित पंचायत पदाधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

आचार संहिता में पंचायत की भूमिका पर उठे सवाल

त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव के लिए निर्वाचन कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार पंचायत उपचुनाव के लिए 29 सितंबर को मतदान और सरपंच पद की मतगणना 3 अक्टूबर को निर्धारित है।ऐसे में एकोड़ी पंचायत के खाते से राशि निकाले जाने और उसके उपयोग को लेकर की गई शिकायत ने पंचायत प्रशासन के साथ-साथ चुनावी प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब शिकायतकर्ताओं की नजर प्रशासन की जांच और कार्रवाई पर टिकी हुई है।

नामांकन रदद् पर सम्बधितो पर की जाए कड़ी कार्यवाही- जय प्रकाश

पंच जयप्रकाश गनवीर ने आरोप लगाया कि पंचायत में सरपंच पद के चुनाव को प्रभावित करने के लिए आचार संहिता के बीच पंचायत के खाते से राशि निकाली गई है। उन्होंने कहा कि राशि के उपयोग की जांच कराई जानी चाहिए और यदि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधितों पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

उन्होंने स्थानापन्न सरपंच का चुनाव निरस्त करने तथा पंचायत सचिव और रोजगार सहायक को पंचायत से हटाने की मांग की।

'कार्रवाई नहीं हुई तो तहसील कार्यालय के सामने धरना' करेंगे मतदान बहिष्कार-पुसाराम

वही पंच पुसाराम टेकाम ने कहा कि मामले में यदि कार्रवाई नहीं की जाती है तो पंच और ग्रामीण तहसील कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर चुनाव में मतदान का बहिष्कार भी किया जाएगा।

आजाद समाज पार्टी ने सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गुरुवार को भीम आर्मी सेना के संस्थापक और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के आह्वान पर दिल्ली में बुलाए गए आंदोलन को अनुमति नहीं मिलने से नाराज सेना और पार्टी ने गुरूवार को मुख्यालय में प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में संगठन और पार्टी पदाधिकारियों ने इसके लिए सरकार को जिम्मेदार बताते हुए इसका विरोध किया और राष्ट्रपति के नाम 24 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौंपा।जिसमें सेना और पार्टी ने एससी, एसटी, ओबीसी, महिलाओं तथा अन्य वंचित वर्गो के लिए सामाजिक न्याय, समान अवसर और उचित प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग की।

पार्टी अध्यक्ष की जनसभा अनुमति रदद् करने पर जताई नाराजगी

सामाजिक न्याय, समान अवसर और वंचित वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग को लेकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) एवं भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। संगठन ने 24 सितंबर को देशभर में आयोजित 'संपूर्ण भागीदारी आंदोलन' के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार से एससी, एसटी, ओबीसी, महिलाओं और अन्य वंचित वर्गों को शिक्षा, रोजगार, राजनीति, प्रशासन और न्यायपालिका में उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग उठाई। वहीं उन्होंने पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता चंद्रशेखर आजाद की दिल्ली में आयोजित जनसभा को रद्द किए जाने को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया की बालाघाट शाखा ने आयोजित किया शपथग्रहण कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया (बीएसआई) की जिला एवं नगर शाखा बालाघाट के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण एवं सम्मान समारोह 27 सितंबर को आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम प्रातः 11 बजे संस्था के जिला कार्यालय संकल्प भवन,वार्ड क्रमांक 13, बूढ़ी रेलवे फाटक के पास, बालाघाट में होगा।जानकारी के अनुसार संस्था की मप्र राज्य शाखा द्वारा 13 सितंबर को सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में जिला एवं नगर शाखा का पुनर्गठन (निर्वाचन) किया गया था। इसी क्रम में नवीन पदाधिकारियों के शपथग्रहण एवं सम्मान के लिए समारोह आयोजित किया जा रहा है।समारोह में संस्था की मध्यप्रदेश राज्य शाखा के अध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षक डॉ. चरनदास ढेंगरे,उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षिका हेमलता डोंगरे, प्रदेश सचिव एवं केंद्रीय शिक्षक आर.के. कटाने तथा प्रदेश कार्यकारी सचिव एवं केंद्रीय शिक्षक राजकपूर कामड़े प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।बीएसआई जिला एवं नगर शाखा की ओर से संस्था की दोनों शाखाओं के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों, धम्म संस्था से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों एवं धम्म बंधुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर समारोह की गरिमा बढ़ाने की अपील की गई है। यह जानकारी अभिराज मेश्राम, जिला महामंत्री, बीएसआई

गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ...

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। प्रथम पूज्य आराध्य भगवान श्री गणेश की आराधना एवं उपासना का महापर्व दस दिवसीय गणेश गणेशोत्सव के समापन के साथ ही भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया है। भक्तों द्वारा भगवान श्रीगणेश की मनोहारी प्रतिमा को अपने घरों में विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए विराजित किया गया है तो चौक चौराहों मे सार्वजनिक पंडालों मे समितियों द्वारा बप्पा की प्रतिमा स्थापना कर पूरे भक्ति भाव आरती कर पूजन गया। सुबह शाम विघ्नहर्ता गणेश भगवान की आराधना के गीतों की स्वरलहरियां एवं आरती पूजन से समूचा माहौल भक्तिमय रहा। श्रद्धालुओं द्वारा पूजा पंडालो को रोशनी से जगमग कर दिया गया, जो देखने वाले लोगों को मोहित एवं आनंदित करते रहे । सार्वजनिक समितियों द्वारा इस दस दिवसीय महापर्व पर प्रतिदिन लोगों के मनोरंजनार्थ प्रतिदिन मटकी फोड़ प्रतियोगिता, बच्चों के डांस,कुर्सी दौड़ सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो के साथ प्रसादी एवं भण्डारा वितरण का कार्यक्रम रखा गया था।वही अंतिम दिन विधि विधान से हवन पूजन किया गया। तथा डी जे की धुनों पर नाचते एवं गुलाल उठाते हुए गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोषों के साथ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं का नगर भ्रमण कराकर स्थानीय नदी तालाबों के घाटों पर प्रतिमाओं का बड़े ही आस्था से विसर्जन किया गया।

पंचायत उप निर्वाचन में तीन सरपंच पदों के लिए 29 सितंबर को मतदान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 (पूर्वार्द्ध) की घोषणा 31 अगस्त 2026 को की गई थी। इसके तहत पंचायतों के रिक्त पदों के लिए 8 सितंबर से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ की गई। नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितंबर थी, जबकि 16 सितंबर को नाम वापसी तथा 18 सितंबर को अभ्यर्थियों को प्रतीक चिह्न आवंटित किए गए। जिला बालाघाट में जनपद पंचायत खैरलांजी के क्षेत्र क्रमांक-19 में जनपद पंचायत सदस्य पद का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ है। इसी प्रकार जनपद पंचायत लांजी की ग्राम पंचायत परसोडी, जनपद पंचायत परसवाड़ा की ग्राम पंचायत झागुल तथा अन्य संबंधित पदों पर भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। सरपंच पद के लिए जिले की तीन ग्राम पंचायतों में निर्वाचन होना है। बालाघाट जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत भरवेली में 5 अभ्यर्थी, लालबर्रा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में 2 अभ्यर्थी तथा वारासिवनी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत एकोड़ी में 4 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। इस प्रकार जिले में कुल 5 सरपंच पदों में से 3 पदों के लिए उप निर्वाचन की प्रक्रिया जारी है।

20 पंच पदों का निर्विरोध निर्वाचन

जिले में रिक्त 46 पंच पदों के विरुद्ध प्राप्त नामांकनों में से 20 पंच पदों पर निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हो गया है। शेष रिक्त पंच पदों के लिए कोई नामांकन प्राप्त नहीं हुआ है। जिन सरपंच एवं पंच पदों के लिए निर्वाचन होना है, उनके लिए 29 सितंबर 2026 को मतदान कराया जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर संबंधित क्षेत्रों में आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा
मध्यप्रदेश
बदल रहा है...
यह बदलाव अब सफर में भी दिखेगा
स्मार्ट, सुविधाजनक, सुरक्षित सफर और समय की बचत,
गांव से शहर तक, घर से काम तक, स्कूल और कॉलेज तक,
सपनों से उनकी मंजिल तक एक भरोसेमंद सफर...
मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा
पीएम ई-बस सेवा
आज शुभारंभ
Morena
Bhind
Gwalior
Datia
Sheopur
Shivpuri
Tikamgarh
Chhatarpur
Neemuch
Ashoknagar
Guna
Rewa
Sidhi
Singrauli
Satna
Panna
Mandsaur
Agar Malwa
Rajgarh
Vidisha
Sagar
Damoh
Katni
Umaria
Shahdol
Ratlam
Ujjain
Shajapur
Bhopal
Raisen
Jabalpur
Anuppur
Jhabua
Indore
Dewas
Sehore
Narsinghpur
Dindori
Dhar
Mandla
Alirajpur
Narmadapuram
Harda
Chhindwara
Seoni
Barwani
Khargone
Khandwa
Betul
Balaghat
Burhanpur
मुख्य अतिथि
नितिन गडकरी
केंद्रीय मंत्री, सड़क परिवहन
एवं राजमार्ग मंत्रालय
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
दशहरा मैदान, बीएचईएल, भोपाल
अंतर-नगरीय एवं अंतर-राज्यीय सेवा
3,500+ मार्गों पर अगले 5 वर्ष में
15,000+ सार्वजनिक परिवहन बसों का चरणबद्ध विस्तार,
छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक होगा हर सफर आसान
पूरे प्रदेश में होंगे आधुनिक, सुविधाजनक, बस स्टॉप,
बस टर्मिनल्स एवं निजी बस ऑपरेटर्स हेतु बस डिपो
सम्पूर्ण प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी नेटवर्क
ऐसा एकीकृत परिवहन तंत्र, जो यात्रा के समय को कम करेगा
और सफर को अधिक सुगम बनाएगा
तकनीक के साथ सुरक्षा, सुविधा और भरोसा
आपात स्थिति में तत्काल सहायता के लिए पैनिक बटन की सुविधा
ड्रायवर मॉनिटरिंग व CCTV कैमरे से स्मार्ट सुरक्षा व्यवस्था
रीयल-टाइम बस ट्रैकिंग, विश्व स्तरीय यात्री सुविधाओं से लैस
ऑनलाइन टिकटिंग
• UPI • डेबिट/क्रेडिट कार्ड
• NCMC कार्ड • नकद भुगतान
पर्यावरण-अनुकूल आधुनिक बसें
EV और CNG बसों को प्राथमिकता
24×7 कस्टमर केयर
यात्री फीडबैक के आधार पर शिकायतों
एवं समस्याओं का त्वरित समाधान
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP
D11123/26
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

न्यूज गैलरी

गांजा तस्करी मामले में अंकुश राहंगडाले गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला थाना क्षेत्र में दर्ज गांजा तस्करी के मामले में पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अंकुश पिता लोखेन्द्र राहंगडाले 23 वर्ष ग्राम पाथरी थाना वारासिवनी निवासी को 22 सितंबर की शाम करीब 5:30 बजे गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि पूर्व कार्रवाई में पुलिस ने गांजा तस्करी से जुड़े उ?सा राज्य के 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 9 लाख रुपए गांजा बरामद किया था। पूछताछ के दौरान सामने आए सुरागों के आधार पर पुलिस ने अंकुश राहंगडाले को मामले में आरोपी बनाया और उसकी गिरफ्तारी की।चांगोटोला पुलिस ने अंकुश को 23 सितंबर को बालाघाट न्यायालय में पेश किया है जहां से पूछताछ के लिए उसका पुलिस रिमांड लिया गया है। पुलिस उससे गांजा की सप्लाई एवं वितरण नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। चांगोटोला टोला पुलिस में पूर्व में इस मामले में उड़ीसा राज्य के जयकुमार नायक, दुलानी गुआल, महेंद्र मलिक को गिरफ्तार किया था जिनकी इंसान दही पर सुरेश बारिक और सुदमचरण उसे राजू को गिरफ्तार किया था गिरफ्तार आरोपियों को डिमांड पर लेने के बाद की गई पूछताछ में इस मामले में अंकुश राहंगडाले का नाम सामने आया है।

किरनापुर मामले में मरार समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक आज

रामकिशोर कावरे बोले दोषियों पर हो कार्रवाई, बेगुनाहों को न फंसाया जाए, पुलिस ने कहा साक्ष्य नहीं मिलने पर हटाए जा रहे नाम, शहर में बढ़ी पुलिस की सक्रियता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाने में हुए घटनाक्रम, महिला के साथ कथित मारपीट और सावित्री चौधरी के गर्भपात के बाद अब मामला सामाजिक स्तर पर भी तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है। इन तमाम घटनाक्रमों को लेकर 25 सितंबर को मरार समाज बालाघाट के स्थानीय भवन, बूढी पानी टंकी के पास प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित करने जा रहा है। बैठक में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से समाज के पदाधिकारी शामिल होंगे और किरनापुर प्रकरण को लेकर आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, जो सामाजिक संगठन में भी पदाधिकारी हैं, उन्होंने मीडिया से चर्चा में बताया था कि किरनापुर थाने में हुई घटना और महिला के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस द्वारा कुछ ऐसे लोगों को भी आरोपी बनाया जा रहा है, जिनका घटना से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज अब इस मामले में शांत नहीं रहेगा। जो लोग दोषी हैं, उनके खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन बेगुनाह लोगों को किसी भी स्थिति में मामले में नहीं फंसाया जाना चाहिए। कावरे के अनुसार पुलिस की कार्रवाई को लेकर समाज के भीतर नाराजगी है और अब सावित्री चौधरी के गर्भपात की घटना के बाद यह नाराजगी और बढ़ी है। इन्हीं तमाम मुद्दों को लेकर 25 सितंबर की प्रदेश स्तरीय बैठक में समाज के पदाधिकारी पूरे मामले पर चर्चा करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे। बैठक में धरना-प्रदर्शन सहित अन्य लोकतांत्रिक गतिविधियों को लेकर भी विचार किया जा सकता है। हालांकि 25 सितंबर की बैठक को लेकर सामने आ रही चर्चाओं के बीच मरार समाज के पदाधिकारियों से चर्चा करने पर उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल 25 सितंबर को किसी प्रदर्शन या कार्यक्रम नहीं है। उनके अनुसार यह प्रदेश स्तरीय बैठक है, जिसमें समाज के पदाधिकारी बैठकर पूरे घटनाक्रम पर चर्चा करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे। बैठक में करीब 100 से 200 लोगों के शामिल होने की बात सामने आ रही है। इधर, समाज की बैठक और संभावित गतिविधियों की जानकारी के बीच पुलिस की ओर से भी 24 सितंबर की देर शाम प्रेस नोट जारी किया गया। पुलिस के अनुसार किरनापुर थाने में तोड़फोड़ और महिला के साथ हुई घटना के मामले में चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि जिन लोगों के खिलाफ साक्ष्य नहीं पाए जा रहे हैं, उनके नाम प्रकरण से हटाए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक थाने में तोड़फोड़ के मामले में अब तक 42 लोग स्वेच्छा से उपस्थित होकर अपने कथन दर्ज करा चुके हैं और साक्ष्य नहीं मिलने पर उन्हें छोड़ा भी जा रहा है। सावित्री चौधरी के गर्भपात को लेकर भी पुलिस ने अपने पक्ष में कहा है कि मामले की विवेचना मेडिकल एविडेंस के आधार पर की जाएगी। गर्भपात के संबंध में जो तथ्य मेडिकल जांच और साक्ष्यों से सामने आएंगे, उनके आधार पर संबंधित वैधानिक धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस तरह गर्भपात के वास्तविक कारण और घटना से उसके संबंध को लेकर मेडिकल साक्ष्य को जांच का महत्वपूर्ण आधार बनाया जा रहा है। वहीं 24 सितंबर की देर शाम बालाघाट शहर में पुलिस की सक्रियता भी नजर आई। शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ टेंट लगाए जाने और पुलिस ने पैदल मार्च भी शहर में किए जाने की स्थिति सामने आई। सूत्रों के अनुसार जिले के अलग-अलग स्थानों से पुलिस बल बुलाए जाने की भी जानकारी है। पुलिस की इस तैयारी को देखकर शहर में किसी बड़े प्रदर्शन या आयोजन की आशंका को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि मरार समाज के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 25 सितंबर को उनका घोषित कार्यक्रम प्रदेश स्तरीय बैठक तक सीमित है और फिलहाल किसी प्रदर्शन की घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में एक तरफ समाज के पदाधिकारी बैठक के जरिए आगे की रणनीति तय करने की तैयारी में हैं, तो दूसरी ओर पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। पुलिस ने इतनी व्यापक व्यवस्था क्यों की है, इसे लेकर फिलहाल कोई अलग आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। 25 सितंबर की बैठक के बाद समाज इस पूरे मामले को लेकर किस दिशा में आगे बढ़ता है, इस पर अब सभी की नजरें टिकी हैं।

सावित्री के गर्भपात के बाद फिर गरमाया किरनापुर मामला, विधायक अनुभा मुंजारे ने एसपी पर उठाए सवाल

चार पुलिसकर्मियों के साथ एसपी पर भी कार्रवाई की मांग, मुख्यमंत्री से आदित्य मिश्रा को बालाघाट से हटाने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर घटनाक्रम में सावित्री चौधरी के गर्भपात के बाद मामला एक बार फिर गरमा गया है। एक ओर चिकित्सक गर्भपात के कारणों को लेकर मेडिकल जांच और अन्य परीक्षणों के बाद पूरी स्थिति स्पष्ट करने की बात कह रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विधायक अनुभा मुंजारे ने सावित्री के साथ कथित मारपीट और पुलिस प्रताड़ना को इस घटनाक्रम से जोड़ते हुए पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 24 सितंबर को सावित्री चौधरी का जिला चिकित्सालय में गर्भपात कराया गया, जिसके बाद विधायक अनुभा मुंजारे एक बार फिर अस्पताल पहुंचीं। गौरतलब है कि विधायक अनुभा मुंजारे 23 सितंबर को भी जिला चिकित्सालय पहुंची थीं और सावित्री चौधरी की स्थिति को लेकर सवाल उठाए थे। इसके अगले दिन सावित्री का गर्भपात होने के बाद विधायक दोबारा अस्पताल पहुंचीं। यहां उन्होंने पुलिस व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताते हुए पूरे मामले में जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग की। अस्पताल पहुंचीं अनुभा मुंजारे ने कहा कि

किरनापुर मामले में केवल चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ अपराध दर्ज किए जाने की मांग की। मुंजारे ने कहा कि पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक को लेनी चाहिए और उन्हें बालाघाट से हटाया जाना चाहिए। विधायक ने आरोप लगाया कि पुलिस अधीक्षक के कार्यकाल में इस मामले को लेकर जिले का माहौल बिगड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को बालाघाट से हटाया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि सावित्री चौधरी के साथ हुए घटनाक्रम में जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं सावित्री चौधरी के गर्भपात के कारण को लेकर चिकित्सकीय स्तर पर जांच और परीक्षण की प्रक्रिया जारी है। चिकित्सकों की ओर से मेडिकल जांच के आधार पर वास्तविक कारण स्पष्ट किए जाने की बात कही जा रही है। ऐसे में गर्भपात के कारण को लेकर सामने आ रहे अलग-अलग दावों के बीच चिकित्सकीय रिपोर्ट महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल विधायक अनुभा मुंजारे की मांग के बाद किरनापुर प्रकरण में पुलिस की भूमिका और अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

ईओडब्ल्यू छापे के बाद केके सिंगारे का तबादला

बालाघाट के प्रभारी कार्यपालन यंत्री को ग्वालियर भेजा, राहुल सिंह को मिली बालाघाट की कमान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक निर्माण विभाग में पदस्थ प्रभारी कार्यपालन यंत्री केके सिंगारे का शासन ने तबादला कर दिया है। मध्यप्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग उपसचिव प्रदीप जैन ने इसके आदेश जारी किए हैं। 24 सितंबर गुरुवार को जारी आदेश के अनुसार सिंगारे को बालाघाट पीडब्ल्यूडी प्रभारी कार्यपालन यंत्री के पद से हटकर सहायक यंत्री, कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन), लोक निर्माण विभाग, ग्वालियर पदस्थ किया गया है। वहीं राहुल सिंह, कार्यपालन यंत्री (सिविल) का तबादला मुरैना से बालाघाट किया गया है। उन्हें लोक निर्माण विभाग बालाघाट में कार्यपालन यंत्री (भवन) की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ईओडब्ल्यू की कार्रवाई के बाद तबादला चर्चा में

केके सिंगारे का तबादला ऐसे समय हुआ है, जब इसी माह की शुरुआत में ईओडब्ल्यू जबलपुर ने उनके बालाघाट, भोपाल और छिंदवाड़ा स्थित तीन ठिकानों पर एक साथ छापामार कार्रवाई की थी। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत के आधार पर की गई थी। तलाशी के दौरान संपत्तियों, बैंक खातों, दस्तावेजों और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की गई थी।

आय से अधिक करीब 11 करोड़ की प्रथम दृष्टिया संपत्ति का किया था आंकलन

ईओडब्ल्यू की छापेमार करवाई व जांच के दौरान प्रथम दृष्टिया करीब 11 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति का आकलन सामने आने की जानकारी दी गई थी। बालाघाट स्थित शासकीय आवास से करीब 2.5 लाख रुपये नकद मिलने की भी बात अधिकारियों द्वारा की गई थी।अब शासन के नए आदेश में सिंगारे को बालाघाट से हटाकर ग्वालियर पदस्थ किए जाने को ईओडब्ल्यू कार्रवाई के बाद हुए प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि आदेश में तबादले का कारण अलग से उल्लेखित नहीं किया गया है।

जूनियर थांग-ता नेशनल चैंपियनशिप में बालाघाट की दो बेटियां करेंगी मप्र का प्रतिनिधित्व

मौलि कावरे और साक्षी दांदरे का मध्य प्रदेश टीम में चयन, जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाली जूनियर थांग-ता नेशनल चैंपियनशिप के लिए बालाघाट जिले की दो प्रतिभावान खिलाड़ियों कु. मौलि कावरे एवं कु. साक्षी दांदरे का चयन मध्य प्रदेश टीम में हुआ है। दोनों खिलाड़ी 24 सितंबर को शाम 4 बजे प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए बालाघाट से रवाना हुईं।बालाघाट थांग-ता एसोसिएशन के सचिव संतोष पारधी के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षक शुभम मनेश्वर के साथ दोनों खिलाड़ी जबलपुर और भोपाल होते हुए जम्मू-कश्मीर पहुंचेंगी। वे मध्य प्रदेश थांग-ता एसोसिएशन के सचिव शिवेंदु सिंह परमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी।खिलाड़ियों के चयन पर थांग-ता मार्शल आर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष अनिल धुवारे, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा सहित एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दीं।

वुशु प्रतियोगिता के पदक विजेता आर्यन राजदीप सम्मानित

इसी क्रम में जिला खेल प्रशिक्षण केंद्र, मुलना स्टेडियम बालाघाट में आयोजित 25वीं सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय वुशु प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ी आर्यन राजदीप को प्रशिक्षक एवं जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा ने मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में शामिल अन्य खिलाड़ियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मध्य प्रदेश वुशु संघ के महासचिव मनोज गुप्ता एवं भोपाल वुशु संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।बालाघाट टीम के खिलाड़ी हर्षिता गौतम, नैनी टेकाम, प्राची दीवान, अक्षरा पाचे, आदेश रजक, आर्यन राजदीप, कोमल मनेश्वर, शिवम बावनकर एवं पूर्वा सिमरिया को विभिन्न खेल संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों एवं खेल विभाग के अधिकारियों ने शुभकामनाएं दीं।

25 वर्षीय युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दहेदी में इसु ग्राम के एक युवक के चंद्र प्रकाश पिता अनिल रावते 25 वर्ष ने अपने घर में सीलिंग फैन में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाई अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। किरनापुर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दहेदी निवासी अनिल कुमार रावते परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिनके परिवार में पत्नी और चार बेटे हैं। जिनमें दो बेटे की शादी हो चुकी है और दो बेटे कुंवारे हैं। चंद्र प्रकाश मझला बेटा था। इसकी शादी 2 वर्ष पूर्व हुई थी जिसकी पत्नी 6 माह से अपनी मां का गोंदिया में रह रही है। पूरा परिवार एक साथ में रहता है। 24 सितंबर को चंद्र प्रकाश अपनी मां आशा रावते को रमगढ़ी से मोटरसाइकिल से लेकर घर आया था। सुबह 8:00 बजे अनिल घास काटने के लिए खेत चला गया था। चंद्रप्रकाश घर में था। 12:00 बजे अनिल खेत से घर आया तो पास पड़ोस के लोगों की घर मे भी ? लगी हुई थी। पूछने पर पता चला कि चंद्र प्रकाश अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया है और आवाज देने पर भी नहीं बोल रहा है और दरवाजा नहीं खोल रहा है। घर की दीवार के वेंटीलेशन खिड़की से देखने पर पंखे में रस्सी बांधकर चंद्र प्रकाश ने फांसी लगा दी थी। सूचना मिलते ही किरनापुर पुलिस मौके पर पहुंची और चंद्र प्रकाश के शव को नीचे उतरवाए। पंचनामा करवाई बाद चंद्र प्रकाश का शव किरनापुर के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया गया है। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। किरनापुर पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट